

असाधारण

#### **EXTRAORDINARY**

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

# प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 301] No. 301] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 30, 2014/ पौष 9, 1936 NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 30, 2014/PAUSA 9, 1936

# वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 2014

#### अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जनवादी गणराज्य, कोरिया गणराज्य और थाईलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित 12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं, के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच।

- **सं. 14/7/2012-डीजीएडी.**—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पष्चात् अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है), को ध्यान में रखते है
- 2. यतः एल्यूमिनियम एसासिएशन ऑफ इंडिया ने मैसर्स सिनरजीज कास्टिंग लिमिटेड के प्रतिनिधित्व में, घरेलू उद्योग की ओर से एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य, कोरिया गणराज्य और थाईलैंड (जिन्हें आगे सम्बद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित 12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं (जिन्हें आगे सम्बद्ध वस्तु भी कहा गया है), के पाटन का आरोप लगाया गया है और सम्बद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।
- 3. और यतः, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर नियमावली के उपनियम 6(1) के अनुसार सम्बद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 10 दिसम्बर, 2012 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण

5176 GI/2014 (1)

किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

- 4. और यत:, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में दिनांक 13.01.14 की अधिसूचना संख्या 14/7/2012-डीजीएडी के प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किया जिसमें संबद्ध देशों में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की गई। प्राधिकारी ने इस प्रारंभिक जांच परिणाम की एक प्रति ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को भी एक युक्तियुक्त अविध में उनकी टिप्पणियां आमंत्रित करते हुए प्रेषित की।
- 5. और यत:, केंद्रीय सरकार के राजस्व विभाग ने संबद्ध देशों में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु ,के आयातों पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिनांक 13.01.2014 की अधिसूचना संख्या 14/7/2012-डीजीएडी के तहत की गई सिफारिश के अनुरूप 11 अपनी दिनांक.11-4-14 की अधिसूचना संख्या 15 /2014-सीमाशुल्क (एडीडी) के तहत अतंतिम पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया।

#### क. प्रक्रिया

- 6. वर्तमान जांच में प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:
  - i. उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित सम्बद्ध देशों के दूतावासो/प्रतिनिधियों को सूचित किया।
  - ii. उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के उपबंधों के अलावा कोरिया गणराज्य की सरकार को भारत और कोरिया गणराज्य के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीपा) के अनुच्छेद 2.14 के उपबंधों के अनुसार सम्बद्ध आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित उसके दूतावास के जरिए सूचित किया गया था।
  - iii. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर सम्बद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 10 दिसम्बर, 2012 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।
  - iv. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों, भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावासों, भारत में सम्बद्ध वस्तु के आयातकों/प्रयोक्तओं, घरेलू उत्पादकों और अन्य ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के पास लिखित में उत्तर दायर करने और अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध करते हुए भेजी गई थी।
  - v. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6 (3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराईं।
  - vi. निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली की प्रति इस अनुरोध के साथ निर्यातकों के नाम और पते सहित भारत स्थित सम्बद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों के पास भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/ उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।
- vii. चूंकि सम्बद्ध देशों के भारी संख्या में कई उत्पादकों/निर्यातकों ने सम्बद्ध जांच में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 17(3) के अंतर्गत नमूने का सहारा लिया।
- viii. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ-साथ भारत स्थित सम्बद्ध दूतावासों/प्रतिनिधियों के लिए प्रति सहित, नमूना प्रश्नावली सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों को भेजी गई थी और उन्हें इसे भरने तथा पत्र की तारीख से 15 (पंद्रह) दिन के भीतर प्राधिकारी को इसे उपलब्ध कराने की सलाह दी गई थी।
- ix. नमूना प्रश्नावली के साथ जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों के पास भेजी गई थी।

#### चीन जनगण

- क. बाओडिंग लिझांग व्हील मैन्यूफैक्चर कम्पनी लिमिटेड
- ख. डेयर टेक्नॉलॉजी कम्पनी लिमिटेड
- ग. डनयांग कम्पनी
- घ. यी इंटरनेशनल लिमिटेड
- ड. सिटिक डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- च. वाई एस एम व्हील्स कार्पो. लिमिटेड

- छ. झेझियांग बाओकांग व्हील्स मैन्यूफैक्चर कंपनी लिमिटेड
- ज. बाओस आटोपार्टस कंपनी लिमिटेड
- झ. चिपिंग जिनफा एल्यूमिनियम प्रोडक्ट कंपनी लिमिटेड
- ट. फ्रीमैन रेसिंग व्हील्स
- ठ. सानडांग वेस्टन आटोमोटिव पार्टस कंपनी लिमिटेड
- ड. यूनिरेसिंग (निंगबो) मैन्यू. कंपनी लिमिटेड
- ढ. निंगबो जिंगगांग मशीनरी कंपनी लिमिटेड
- ण. क्विंडागो होमसाइन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- त. निगबो कीयू स्पेशल व्हील कार्प.
- थ. झेजियांग बोयांग आटो व्हील्स कंपनी लिमिटेड
- द. चाइना जैनिक्स आटो इंट. लिमिटेड
- ध. क्विंगडाओ डौंगवा कास्टिंग इंक
- न. डेयर व्हील मैन्यू. कं. लिमिटेड
- प. हुआताई (जियांगमैन) एल्यूमिनियम प्रोडक्ट कंपनी लिमिटेड
- फ. सनमेंग जिया डिकास्टल व्हील मैन्यू कंपनी लिमिटेड
- ब. शंघाई जिनहेली एल्यूमिनियम व्हील हब मैन्यू .कंपनी लिमिटेड
- भ. ल्यूफैंग मशीनरी इंड.कं. लिमिटेड
- म.फोसांन ननहाई झौंगन एल्यूमिनियम व्हील कंपनी लिमिटेड
- य. चाइना जैनिक्स आटो इंटरनेशनल लिमिटेड

#### कोरिया गणराज्य

- क. कोरिया व्हील टैक कंपनी लिमिटेड
- ख. सेमसंग आटो डिसमैंटलिंग कम्पनी लिमिटेड
- ग. जी एस कार्पोरेशन
- घ. यूनिवैल कार्पोरेशन
- ड. मिराय ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- च. रेनबो इंड. कंपनी लिमिटेड
- छ. इस्टर्न प्वाइंट
- ज. एम एच इंटरनेशनल
- झ. वावमोटर्स कंपनी लिमिटेड
- ट. उनहवा कॉमर्स इंक
- ठ. एलक्स कंपनी लिमिटेड

#### थाइलैंड

- क. सामित्र बंगयाई आटो पार्ट एंड इम्पोर्ट कंपनी लिमिटेड
- ख. ई जी वर्ल्ड सा ट्रेडिंग लिमिटेड पार्ट
- ग. सदर्न क्रॉस इंटरप्राइजेज
- घ. डब्ल्यू सी कंपनी लिमिटेड
- ड. द रैप कंपनी
- च. टानट नेटफैन्ट
- छ. टाइटा इंटरप्राइज कंपनी लिमिटेड
- ज. आई सी प्वाइंट
- झ. टी एन पी आटो पार्टस कंपनी लिमिटेड
- ट. टैक नेट कार्प एशिया कंपनी लिमिटेड
- ठ. हाइपर सिलवर्स एंड क्रोम पेंट्स

ड. एंकी

X. सम्बद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्याताकों ने संगत सूचना के साथ नमूना प्रश्नावली प्रस्तुत की:-

#### चीन जनवादी गणराज्य

- क. सेएन हैवी इंडस्टीज (शंघाई) कम्पनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
- ख. शंघाई जनरल मोटर्स कार्पो. लिमिटेड, पुडांग, शंघाई, चीन जन. गण.
- ग. सिटिक डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, क्विन वांग डाउ, हेवाई, चीन जन. गण.
- घ. साइक जी एम वूलिंग आटोमोबाइल कंपनी लिमिटेड,ग्वांगसी, चीन जन. गण.
- ड. झेझियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड, वैनलिंग, झेझियांग, चीन जन. गण.
- च. सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड, क्विन वांग डाउ, चीन जन. गण.
- छ. झेझियांग बाओकांग व्हील मैन्यूफैक्चर कंपनी लिमिटेड, वांगझाई टांग, वोवी, झेयांग, चीन जन. गण.
- ज. झेझियांग जेंट आटो व्हील कंपनी लिमिटेड, यांगकांग सिटी, झेझियांग, चीन जन. गण.
- झ. झेझियांग बोयांग आटो व्हील कंपनी लिमिटेड, वेस्ट सिटी, यांगकांग, झेझियांग, चीन जन. गण.
- ट. झेझियांग जिनफाई कैडा व्हील कंपनी लिमिटेड, जिनहुआ सिटी, झेझियांग, चीन जन. गण.
- ठ. वूकसीसिटी वानजुआन मैटल प्रोडक्टशन कंपनी लिमिटेड, वोकसीसिटी, जियांगसू, चीन जन. गण.
- ड. झेझियांग आटम एल्यूमिनियम व्हील कंपनी लिमिटेड, वूईसिटी, झेझियांग, चीन जन. गण.
- ढ. झेझियांग सूंग इयांग, इंड. कंपनी लिमिटेड, वूई, झेझियांग, चीन जन. गण.
- ण. लियोफंग इंटरनेशनल कार्पोरेशन कुनसांग डेवलपमेंट जॉन, जियांगसू प्रांत, चीन जन. गण.
- थ. बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, बाउडिंग, हेबाई, चीन जन. गण.
- द. जियांगयांग हैंगडे आटोपार्टस कंपनी लिमिटेड,जियांगयांग, हेबाई प्रांत, चीन जन. गण.
- ध. कुनसान ल्यूफैंग मशीनरी इंड. कंपनी लिमिटेड, सुझोउ सिटी, जियांगसू प्रांत, चीन जन. गण.

#### कोरिया गणराज्य

- क. आरटिजन स्प्रिट एंड एलाय कंपनी लिमिटेड, वांजु-गन, चुनबुक, कोरिया गण.
- ख. जी एम कोरिया कंपनी, बूपीयौंग जी यू, इंचियन, कोरिया गण.
- ग. हैंड्स कार्पोरेशन, गाजवा डाँग सियोगु, इंचियन, कोरिया गण.
- घ. हुंडई गिलोविश कंपनी लिमिटेड, गंगनाम जि यू, सियोल, कोरिया गण.
- 🗶 थाइलैंड के उत्पादकों/निर्यातकों से कोई नमूना प्रश्नावली प्राप्त नहीं हुई थी।
- XII. प्राधिकारी द्वारा सम्बद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों के नमूने लिए गए थे:
  - i. बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
  - ii. सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
  - iii. झेझियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
  - iv. झेझियांग आटम एल्यूमिनियम व्हील कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
  - v. झेझियांग बोयांग आटो व्हील कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
  - vi. आरटिजन स्प्रिट एंड एलाय कंपनी लिमिटेड, कोरिया गण.
- vii. जी एम कोरिया कंपनी, कोरिया गण.
- viii. हैंड्स कार्पोरेशन, कोरिया गण.
- ix. हुंडई गिलोविश कंपनी लिमिटेड, कोरिया गण.

XIII. प्राधिकारी पुन नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने नमूनाकरण प्रक्रिया में निम्नलिखित का चयन नहीं किया था ।

- (i) सेएन हैवी इंडस्टीज (शंघाई) कम्पनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
- (ii) शंघाई जनरल मोटर्स कार्पो. लिमिटेड, पुडांग, शंघाई, चीन जन. गण.
- (iii) झेझियांग बाओकांग व्हील मैन्यूफैक्चर कंपनी लिमिटेड, वांगझाई टांग, वोवी, झेयांग, चीन जन. गण.
- (iv) झेझियांग जेंट आटो व्हील कंपनी लिमिटेड, यांगकांग सिटी, झेझियांग, चीन जन. गण.
- (v) झेझियांग जिनफाई कैडा व्हील कंपनी लिमिटेड, जिनहुआ सिटी, झेझियांग, चीन जन. गण.
- (vi) वूकसीसिटी वानजुआन मैटल प्रोडक्टशन कंपनी लिमिटेड, वोकसीसिटी, जियांगसू, चीन जन. गण.
- (vii) झेझियांग सूंग इयांग, इंड. कंपनी लिमिटेड, वूई, झेझियांग, चीन जन. गण.
- (viii) लियोफंग इंटरनेशनल कार्पोरेशन कुनसांग डेवलपमेंट जॉन, जियांगसू प्रांत, चीन जन. गण.
- (ix) जियांगयांग हैंगडे आटोपार्टस कंपनी लिमिटेड,जियांगयांग, हेबाई प्रांत, चीन जन, गण.
- (x) कुनसान ल्यूफैंग मशीनरी इंड .कंपनी लिमिटेड, सुझोउ सिटी, जियांगसू प्रांत, चीन जन .गण.

XIV. सम्बद्ध देशों के नमूनाशुदा निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने अपने संबंधित/सम्बद्ध पक्षकारों के साथ निर्यातक प्रश्नावली और एम ई टी (यथाप्रयोज्य) उत्तर दायर किया है।

#### चीन जन.गण.

- i. सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड
- ii. झेझियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड
- iii. झेझियांग बोयांग आटो व्हील कंपनी लिमिटेड
- iv. झेझियांग आटम एल्यूमिनियम व्हील कंपनी लिमिटेड
- v. बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने सम्बद्ध कंपनियों अर्थात् हेवाई लिजहांग नॉन फेरस मैटल ग्रुप कंपनी लिमिटेड (कच्ची सामग्री का संबंधित आपूर्तिकर्ता), क्विन हुआंग डाओ डिकामरी व्हील कंपनी लिमिटेड, तेयानजिन डिकास्टल व्हील मैन्यू.कंपनी लिमिटेड और तेयानजिन लिजहाँग व्हील कंपनी लिमिटेड के एम ई टी उत्तर के साथ।

#### कोरिया गणराज्य

- i. आरटिजन स्प्रिट एंड एलाय कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
- ii. जी एम कोरिया कंपनी (निर्यातक)
- iii. हैंड्स कार्पोरेशन (उत्पादक)
- iv. हंडई गिलोविस कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)

XV. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हुंडई ग्लोविस कंपनी लिमिटेड, कोरिया गणराज्य के जिरए निर्यात करने वाली हैंड्स कार्पोरेशन, कोरिया गणराज्य (उत्पादक) ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। तथापि, बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चिरंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन .गण. द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु का जांच की अविध के दौरान निर्यात करने वाली हुंडई ग्लोविस कंपनी लिमिटेड (निर्यातक), कोरिया गणराज्य ने बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चिरिंग कंपनी लिमिटेड.गण.चीन गण, के साथ निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है।

XVI. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि कोरिया गणराज्य को प्रतिवादी निर्यातकों में से एक निर्यातक मैसर्स जी एम कोरिया कंपनी ने दो उत्पादकों अर्थात् मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट अलॉय कंपनी लिमिटेड, कोरिया गण. और मैसर्स डे यू स्मार्ट एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड, कोरिया गणराज्य से खरीद कर सम्बद्ध वस्तु का निर्यात किया है। यद्यपि मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट एंड अलॉय कंपनी लिमिटेड, जिसका हिस्सा जांच अविध के दौरान जी एम कोरिया कंपनी द्वारा जांच की अविध के दौरान भारत को किए गए कुल निर्यातों का 1 प्रतिशत से कम बनता है, ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। तथापि, मैसर्स डे यू स्मार्ट एल्यूमिनियम कंपनी भी, कोरिया गणराज्य, जिसका हिस्सा जी एम कोरिया कंपनी द्वारा जांच अविध के दौरान भारत को किए गए कुल निर्यातों का 99 प्रतिशत है, ने निर्यातक प्रश्नावजली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। मैसर्स जी एम कोरिया को स्थिति स्पष्ट करने के लिए कमी संबंधी पत्र के जरिए अवसर प्रदान किया गया था। तथापि, कंपनी ने वर्तमान जांच में मैसर्स डे यू स्मार्ट एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड, कोरिया गणराज्य द्वारा असहयोग के बारे में कोई

संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट अलॉय कंपनी लिमिटेड, कोरिया गणराज्य ने भी कीमत/लागत के बारे में पूर्ण सूचना दायर नहीं की है। उपरोक्त स्थित को ध्यान में रखते हुए और चूंकि जिस निर्यात मात्रा के बारे में उत्तर दायर किया गया है, वह नगण्य है और निर्यात कीमत पर मैसर्स डे यू स्मार्ट एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड, कोरिया गणराज्य, जिसका हिस्सा जांच अवधि के दौरान जी एम कोरिया कम्पनी द्वारा भारत को किए गए सम्बद्ध वस्तु के निर्यात की कुल मात्रा का 99 प्रतिशत बनता है, से उत्तर के अभाव में प्रतिनिधिक निर्यात कीमत के रूप में विचार नहीं किया जा सकता। इसलिए प्राधिकारी मैसर्स जी एम कोरिया कंपनी, कोरिया गणराज्य (निर्यातक) द्वारा दायर उत्तर को स्वीकार नहीं करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह नोट किया जा सकता है कि मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट एंड अलॉय कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) ने पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद प्राधिकारी द्वारा निर्धारित परिशिष्टों के अनुसार लागत /कीमत के बारे में सूचना दायर नहीं की है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट एंड अलॉय कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) के उत्तर को भी स्वीकार नहीं किया है।

XVII. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं िक मैसर्स सैक जी एम वोलिंग आटो मोबाइल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. और सैक जी एम वोलिंग (लिनझोउ) इम्पोर्टेसन एंड एक्सपोर्टेशन कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर स्वीकार नहीं िकया गया था, क्योंिक नमूना प्रक्रिया में उक्त पक्षकारों के नमूने नहीं लिए गए थे। इसके अलावा, निर्यातक प्रश्नावली के अपनी उत्तरों में उक्त पक्षकारों ने सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने और मैसर्स जी एम इंडिया को निर्यात करने का दावा किया है। तथापि, सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. द्वारा दायर किए गए निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर से बिक्री माध्यम के रूप में मैसर्स सैक जी एम वूलिंग आटोमोबाइल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. और सैक जी एम वूलिंग (लिनझोउ) इम्पोर्टेशन एंड एक्सपोर्टेशन कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. के जिएए िकए गए निर्यात का पता नहीं चलता है। जैसा कि सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड ने बाद में स्पष्ट िकया था कि सम्बद्ध वस्तु में से कुछ की घरेलू बिक्री सैक जी एम वूलिंग आटोमोबाइल कंपनी लिमिटेड, चीन को की गई थी। परन्तु उन्होंने इस बात की पुष्टि करने में असमर्थता व्यक्त की कि क्या उक्त वस्तु का निर्यात भारत को किया गया था। अतः प्राधिकारी मैसर्स सैक जी एम वूलिंग आटोमोबाइल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. और सैक जी एम वूलिंग (लिनझोउ) इम्पोर्टेशन एंड एक्सपोर्टेशन कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. द्वारा दायर उत्तरों को स्वीकार नहीं करते हैं।

XVIII. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और/अथवा उपभोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली भेजी गई थी-

- i. एंकी व्हील्स लिमिटेड (इंडिया)
- ii. निओ व्हील्स
- iii. आकार कास्टिंग प्रा. लिमिटेड
- iv. वोल्कवेगन इंडिया प्रा. लिमिटेड
- v. फोर्ड इंडिया प्रा. लिमिटेड
- vi. जनरल मोटर्स इंडिया प्रा. लिमिटेड
- vii. हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड
- viii. टोक्यो किरलोस्कर मोटर प्रा. लिमिटेड
- ix. फिएट इंडिया आटोमोबाइल्स लिमिटेड
- x. हिंदुस्तान मोटर्स लिमिटेड
- xi. बी एम डब्ल्यू इंडिया
- xii. टाटा मोटर्स लिमिटेड
- xiii. डेमिलर इंडिया प्रा. लिमिटेड
- xiv. स्कोडा आटो इंडिया प्रा. लिमिटेड
- xv. होंडा सील कार्स इंडिया लिमिटेड
- xvi. रिनॉल्ड निशान टेक्नॉलाजी एंड बिजनेस सेंटर इंडिया प्रा. लिमिटेड
- xvii. साई मैग व्हील्स
- xviii. प्रेस्टीज डिजाइन
- xix. मरवाह ट्रेडर

- xx. दि आटोमोटिव कम्पोनेंट्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (एस आई ए एम(
- xxi. सिरोमणि ट्रेडर प्रा. लिमिटेड
- xxii. रॉकफोर्ड व्हील्स
- xxiii. सुकमनी व्हील्स
- xxiv. सुखदाता एंटरप्राइजेज
- xxv. परफैक्ट इम्पोटरर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (इंडिया) प्रा. लिमिटेड
- xxvi. आटो डायनेमिक कार्पोरेशन
- xxvii. फास्ट ट्रैक डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लिमिटेड
- xxviii. जनरल मोटर्स इंडिया प्रा. लिमिटेड
- XIX. इसके उत्तर में भारत में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है –
- (क) हुन्डई मोटर्स इंडिया लिमिटेड
- (ख) जनरल मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- (ग) शेवरले सेल्स इंडिया प्रा. लिमिटेड
- XX. प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करने वाले निर्यातकों एवं आयातकों के अलावा निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने भी इस जांच की कार्रवाई के दौरान प्रस्तुतिकरण किए :
- (क) आटो डायनेमिक कार्पोरेशन
- (ख) परफैक्ट इम्पोटर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (इंडिया) प्रा. लिमिटेड
- (ग) फोर्ड इंडिया प्रा. लिमिटेड
- (घ) महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड
- (ड) वोक्सवेगन इंडिया प्रा. लिमिटेड
- (च) टीवीएस मोटर कम्पनी लिमिटेड
- (छ) चाइना चैम्बर ऍाफ कामर्स फॉर इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ मशीनरी एंड इलेक्ट्रानिक प्रोडक्ट्स (सी सी सी एम ई(
- (ज) बी एम डब्ल्यू ग्रुप, इंडिया
- (झ) मारफति सुजुकी इंडिया लिमिटेड
- (ट) हिंदुस्तान मोटर्स इंडिया लिमिटेड
- (ठ) एन्डयूरेंस टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड
- (ड) सिरोमणि ट्रेडर्स प्रा. लिमिटेड
- (ढ) रॉकफोर्ड व्हील्स
- (ण) फोकस ट्रेडक्स प्रा. लिमिटेड
- (त) सुखमणि व्हील्स
- (थ) सुखदाता इंटरप्राइजेज
- (द) एन्की व्हील्स लिमिटेड
- (ध) निओ व्हील्स लिमिटेड
- (न) डेल्ट्रानिक्स इंडिया लिमिटेड
- (प) कोसेई मिन्उा एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड
- (फ) फास्ट ट्रैक डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड
- (ब) झेजियांग वानफेंग आटो व्हील्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण.
- (भ) सोसायटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (एस आई ए एम)

XXI. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

XXII. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) और पाटनरोधी नियमावली के नियम III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम तर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

XXIII. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में जांच की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।

XXIV. याचिकाकर्ता तथा संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना का प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक मौके पर सत्यापन किया गया था। वर्तमान अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ यथाप्रयोज्य आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर ही भरोसा किया गया है।

XXV. यह जांच 1 जुलाई, 2011 से 30 जून, 2012 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षित विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2009 मार्च, 2010, अप्रैल, 2010 - मार्च, 2011, अप्रैल, 2011 - मार्च, 2012 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी।

XXVI. जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था।

XXVII. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गौण स्नोतों (आई बी आई एस) से प्राप्त आयात आंकड़ों की तुलना डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात आंकड़ों के साथ करने के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों ही स्नोतों के आंकड़ों के अनुसार सम्बद्ध देशों से भारत में हुए आयातों की मात्रा के संबंध में कोई खास अंतर प्रदर्शित नहीं होता है, लेकिन डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित इकाई कीमत आई बी आई एस द्वारा सूचित कीमत की तुलना में असामान्य रूप से कम है। अतः प्राधिकारी ने इस जांच प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गौण स्नोतों (आई बी आई एस) के आंकड़ों पर भरोसा किया है।

XXVIII. हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए प्राधिकारी ने 3 दिसम्बर, 2013 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की। सुनवाई के समय उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों को सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करें और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के उत्तर दायर करने का अवसर भी प्रदान किया गया था।

XXIX. राजस्व विभाग ने अपने दिनांक 06.12.2013 के पत्र संख्या 354/241/2012-टीआरयू तथा दिनांक 03.04.2014 के पत्र संख्या 354/241/2012-टीआरयू के पत्र के तहत यह जांच पूरी करने के लिए क्रमश: दिनांक 09.03.2014 तक का और तत्पश्चात् दिनांक 09.06.2014 तक का समय विस्तार किया था।

XXX. प्राधिकारी ने पदधारी निर्दिष्ट प्राधिकारी में परिवर्तन होने के और आटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) मामले में वर्ष 2006 की सिविल अपील संख्या 949 में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिनांक 07 जनवरी, 2011 को दिए गए निर्णय के अनुरूप हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 30.05.2014 को मौखिक सुनवाई का एक अन्य अवसर प्रदान किया। पदधारी निर्दिष्ट प्राधिकारी में दिनांक 29 मई, 2014 को परिवर्तन होते ही, हितबद्ध पक्षकारों को, प्राधिकारी के पास वर्तमान जांच में निष्कर्ष निकालने के लिए उपलब्ध दिनांक 09 जून, 2014 तक की समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी नियमावली के नियम 17 में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप दिनांक 29 मई, 2014 को द्वितीय मौखिक सुनवाई का आयोजन दिनांक 30 मई, 2014 को किए जाने की अनुसूची से सूचित कर दिया गया। यद्यपि इस द्वितीय मौखिक सुनवाई के बारे में सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को सूचना दे दी गई थी, इसलिए घरेलू उद्योग सहित कुछ हितबद्ध पक्षकार इस सुनवाई में आए और उन्होंने मौखिक प्रस्तुतिकरण किए। कुछ अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने इस द्वितीय सुनवाई में आने से अपनी असमर्थता जताई, उन्हें भी उन परिस्थितियों की जानकारी दे दी गई जिन परिस्थितियों में इस सुनवाई के आयोजन किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों को लिखित प्रस्तुतिकरण करने के लिए 2 जून, 2014 के अपराहन 5.00 बजे तक का समय दिया गया। इस प्रकार, प्राधिकारी के पास उपलब्ध सीमित समय के बावजूद द्वितीय मौखिक सुनवाई आयोजित करने और हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक एवं लिखित प्रस्तुतिकरण करने तथा उन पर प्रति प्रत्युत्तर दायर करने का पर्याप्त अवसर दिया गया। किसी भी हाल में प्राधिकारी इससे बेहतर अवसर प्रदान नहीं कर सकते थे क्योंकि यह जांच पाटनरोधी नियमावली के नियम 17 के अंतर्गत पूरी करने और प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी करने के लिए 09 जून, 2014 तक का ही समय है।

XXXI. प्रमुख नियमावली के नियम 16 के अनुसार दिनांक 05 जून, 2014 के प्रकटन विवरण के तहत सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को इस जांच से संबंधित सभी अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन कर दिया गया तथा उन पर प्राप्त टिप्पणियों का, इस अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक निराकरण कर दिया गया है।

XXXII. वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए प्रस्तुतिकरणों का इस अंतिम जांच परिणाम में समाधन कर दिया गया है।

XXXIII. इस अंतिम जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी में पाटनरोधी नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

XXXIV. जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डालर = 50.25 रुपए है।

#### ख. वाद

- 7. प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए जाने के पश्चात् हितबद्ध पक्षकरों ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष निम्नलिखित रिट आवेदनपत्र दायर किए। इन रिट आवेदनपत्रों की स्थिति निम्नलिखित है:
- (i) जनरल मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य द्वारा दायर रिट याचिका (सिविल) 733/2014 में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिनांक 31.01.2014 को, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित आदेश दिया :
  - "सुनवाई की प्रक्रिया के दौरान याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता ने प्रारंभिक जांच परिणाम में उसके विरूद्ध जांच परिणाम में रिकार्ड किए गए विपरीत प्रेक्षणों के संबंध में सरकार तक पहुंच बनाने की छूट की मांग की। इस न्यायालय को यह सूचित किया गया कि ऐसे अभ्यावेदन करने के लिए संबंधित प्रभावित पक्षकारों को 40 दिनों का समय दिया गया था। यदि ऐसे अभ्यावेदन किए जाते हैं तो केंद्रीय सरकार इनका विधि के अनुसार निराकरण करेगी। रिट याचिका (सिविल) 733/2013 और लंबित आवेदनपत्रों को तदनुसार परंतु उपर्युक्त शर्तों पर खारिज कर दिया गया।
- (ii) मिहन्द्रा एंड मिहन्द्रा लिमिटेड बनाम भारत संघ एवं अन्य द्वारा दायर रिट याचिका (सिविल) संख्या 1279/2014 तथा फाक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बनाम भारत संघ एवं अन्य द्वारा दायर रिट याचिका (सिविल) संख्या 1280/2014 के संबंध में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिनांक 24.02.2014 को अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित आदेश दिए:
  - "याचिकाकर्ता को इस बात का खेद है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम दिनांक 30.01.2014 को रिकार्ड किए गए थे, परंतु उन्हें फरवरी, 2014 में संप्रेषित किया गया, जिसके अनुसरण में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की गई है। यह उल्लेख किया जाता है कि केंद्रीय सरकार को इस शुल्क को अभी अधिसूचित करना है। अधिवक्ता ने इस बात पर बल दिया कि विधि अर्थात् नियम 17 के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद कर प्रशुल्क अधिनियम, 1985 की धारा 9क के अंतर्गत प्रदान किया गया समय कार्रवाई के प्रारंभ होने की तारीख से एक वर्ष है, जिसे अधिकतम छ: माह तक के लिए बढ़ाया जा सकता है। यह उल्लेख किया गया कि केंद्रीय सरकार द्वारा इसकी अविध में एक बार तीन माह का समय विस्तार कर दिया गया है जो दिनांक 09.03.2014 को समाप्त हो रहा है।

यह न्यायालय यह नोटिस करता है कि एक पिछले आदेश के द्वारा रिट याचिका (सिविल) संख्या 733/2014, (जनरल मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बनाम भारत संघ तथा अन्य), को अल्युमिनियम रोड व्हील्स (एआरडब्ल्यू) के संबंध में जारी प्रारंभिक जांच परिणाम और अनंतिम पाटनरोधी में जारी प्रारंभिक जांच परिणाम और अनंतिम पाटनरोधी शुल्क अधिसूचना का निस्तारण कर दिया गया। उसकी तरह ही वर्तमान मामले में भी रिट याचिकाकर्ता को अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के लिए 40 दिनों का समय दिया गया था। यह उल्लेख किया जाता है कि वर्तमान मामले में 40 दिन विधि द्वारा निर्धारित तारीख अर्थात् दिनांक 09.03.2014 के पश्चात् समाप्त होंगे। यह न्यायालय रिट याचिका (सिविल) संख्या 733/2014 में अभिव्यक्त विचारों से भिन्न विचार अभिव्यक्त करने में अक्षम है। याचिकाकर्ता के लिए यह छूट है कि वह यथा अनुमेय ऐसा अभ्यावेदन प्रस्तुत करें जिसका निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विधि अनुसार समाधान किया जाएगा।

उपर्युक्त शर्तों के अनुसार रिट याचिका (सिविल) संख्या 1279/2014 और 1280/2014 का, इसके साथ लगे आवेदनपत्रों सहित, निस्तारण किया जाता है'।

- 8. वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 11.04.2014 की अधिसूचना संख्या 15/2014-सीमाशुल्क (एडीडी) के तहत अनंतिम शुल्क का अधिरोपण कर दिए जाने के पश्चात् माननीय मद्रास उच्च न्यायालय और माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष निम्नलिखित रिट याचिकाएं दायर की गई। उनका विवरण निम्नलिखित है।
- (i) हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड बनाम भारत संघ एवं अन्य द्वारा दायर रिट याचिका (सिविल) वर्ष 2014 की 11683 और 11684 में माननीय मद्रास उच्च न्यायालय ने अन्य बातों के साथ-साथ, दिनांक 23.04.2014 को निम्नलिखित आदेश दिया :
  - "प्रतिवादियों को यह निदेश दिया जाता है कि वे याचिकाकर्ता कंपनी को खेप की निर्मुक्ति, याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा संपूर्ण सीमाशुल्क और आज से अगली सुनवाई की तारीख अर्थात् दिनांक 12.06.2014 तक प्रापत खेपों पर 50 प्रतिशत पाटनरोधी शुल्क का भुगतान करने पर कर दें। नोटिस"
- (ii) मिहन्द्र एंड मिहन्द्रा बनाम भारत संघ एवं अन्य द्वारा दायर रिटयाचिका (सिविल) वर्ष 2014 की 3022 और 3251 तथा फाक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वर्ष 2014 की रिट याचिका (सिविल) संख्या 3023 और 3250 पर माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिनांक 21.05.2014 को सुनवाई की और बिना किसी अंतरिम आदेश के इस मामले पर अगली सुनवाई करने के लिए 17.07.2014 की तारीख निश्चित की है।

9. प्रकटन विवरण जारी होने के पश्चात् मैसर्स हुण्डई मोटर्स इंडिया लिमिटेड द्वारा माननीय मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष रिट यचिका संख्या 14567/2014 और 14568/2014 की गई। केन्द्रीय सरकार के स्थायी अधिवक्ता द्वारा दी गई सूचना के अनुसार माननीय न्यायालय ने दिनांक 06 जून, 2014 को आदेश दिया कि डी जी ए डी दिनांक 09-06-2014 को कोई आदेश पारित नहीं करेगा और अंतिम सुनवाई के लिए अपना प्रत्युत्तर दिनांक 16-06-2014 को दायर करने का निदेश दिया। केन्द्रीय सरकार के स्थायी अधिवक्ता ने 9 जून,2014 को सूचित किया कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा केन्द्रीय सरकार के स्थायी अधिवक्ता और सिनर्जीज कास्टिंग्स लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता के विशेष अनुरोध पर उपर्युक्त मामले में दिनांक 06-06-2014 के आदेश में संशोधन करते हुए एक आदेश पारित किया जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी को अंतिम जाँच परिणाम जारी करने की अनुमित दी गई और उसे रिट याचिका की सुनवाई के लिए निर्धारित अगली तारीख 16 जून,2014 तक उसे सीलबंद कवर में रखने का निदेश दिया।

# ग. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू समान वस्तु

- 10. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण., कोरिया आरपी और थाइलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित "12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं" है।
- 11. अलॉय व्हील्स अथवा अलॉय रोड व्हील्स (ए आर डब्ल्यू) का उत्पादन विभिन्न आकारों/ब्यासों में किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद में मोटर वाहनों में प्रयुक्त केवल 12 इंच से 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के ए आर डब्ल्यू ही शामिल हैं। 12 इंच से 24 इंच व्यास से इतर ए आर डब्ल्यू उत्पाद के दायरे से बाहर हैं। वस्तु में तैयार अथवा अर्ध तैयार ए आर डब्ल्यू शामिल हैं, चाहे उन पर पेंट किया गया हो अथवा न किया गया हो अथवा क्रोम प्लेटेड हों। ए आर डब्ल्यू का मुख्य कार्य यह है कि इन्हें वाहन को गतिमान बनाने के लिए मोटर वाहनों में लगाया जाता है। मोटर वाहनों के लिए पिहए आमतौर पर इस्पात या एल्यूमिनियम अलौय से बनाए जाते हैं। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, अलौय व्हील नई पीढ़ी का उत्पाद है और इसने इस्पात के व्हीलों की तुलना में श्रेष्ठ विशेषताओं के कारण भारत में व्यापक बाजार पर कब्जा कर लिया है। इस्पात के व्हील उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं हैं। ए आर डब्ल्यू सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम,1975 के अध्याय 87 के अंतर्गत सीमा शुल्क उप शीर्ष संख्या 8708.70 के अधीन "रोड व्हील्स और उसके पुर्जे तथा सहायक सामग्री" विवरण के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, संबद्ध वस्तु का आयात 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 आदि जैसे विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत भी किया जाता है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

## उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

- 12. जांच की कार्रवाई के दौरान विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तुओं के बारे में उत्पादकों/ निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नानुसार हैं -
- i. जैसी कि याचिकाकर्ता ने मौखिक सुनवाई के दौरान सहमित व्यक्त की है, दुपहिया वाहनों के लिए नियत अलौय व्हीलों को विशेष रूप से विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ii. उपर्युक्त के अलावा निम्नलिखित अलौय व्हीलों को भी इनमें से प्रत्येक के सामने उल्लिखित कारणों से वर्तमान जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए:
  - क. निर्दिष्ट प्राधिकारी की खुद की विगत परम्परा और न्याय सिद्धांत के अनुसार आई पी आर (कापीराइट) द्वारा संरक्षित उत्पादों को अलग रखा जाना चाहिए।
  - ख. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित न किए गए उत्पाद।
  - ग. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा बेचे न गए उत्पाद।
  - घ. ऐसे उत्पाद जो घरेलू उद्योग के उत्पादों के साथ वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।
  - ड.. ऐसे उत्पाद जो घरेलू उद्योग के उत्पादों के साथ तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।
  - च. ऐसे उत्पाद जो कानूनी अड़चनों के कारण प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।
  - छ. याचिकाकर्ता ने तैयार एवं अर्ध तैयार, चाहे वे पेंट किए गए अथवा पेंट न किए गए, फोर्ज्ड अथवा क्राम प्लेटेड, को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करने की मांग की है। इस बात की जानकारी नहीं है कि क्या स्वयं याचिकाकर्ता ऐसे सभी उत्पादों का उत्पादन कर रहा है अथवा नहीं। यदि नहीं तो उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित न किए गए व्ह्ली्स के सभी आकारों के साथ बाहर रखा जाना चाहिए।
- iii. विचाराधीन उत्पाद में अलौय रोड व्हील्स "सहायक सामग्री सहित अथवा रहित" शामिल हैं। ऐसी सहायक सामग्री के स्वरूप को स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है।

- iv. तकनीकी विनर्देशनों, कीमत एवं दीर्घावधिक संविदागत दायित्वों, वितरण के माध्यमों में अंतरों, मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओ ई एम) तथा बाजार पश्चात् (ई ए एम) खण्डों के पृथक्करण, अलग-अलग बाजार खंडों में मात्रा, बौद्धिक संपदा संबंधी मुद्दों, सांविधिक अनुमोदनों और उत्पादों के विकास में ओ ई एम आदि की भागीदारी जैसे कारकों पर विचार करते हुए ओ ई एम तथा ए एम खंडों के लिए ए आर डब्ल्यू को पृथक उत्पाद माना जाना चाहिए और तदनुसार विश्लेषण किया जाना चाहिए।
- v. व्हीलों का किलोग्राम/मीट्रिक टन के संबंध में परिवर्तन उचित नहीं है क्योंकि केवल वजन विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करते समय प्रमुख कारक नहीं हो सकता। याचिकाकर्ता को वजन के संबंध में व्हील्स की संख्या के परिवर्तन की कार्यप्रणाली स्पष्ट करनी चाहिए। यद्यपि यह स्वीकार्य किया जाता है कि व्हील्स की विशिष्टता को तय करने के लिए स्टाइलिंग, वजन और डिजाइन निर्धारणकारी होते हैं तथापि, उत्पाद को परिभाषित करते समय इनके प्रभावों पर विचार नहीं किया जाता है।
- vi. घरेलू उद्योग कास्ट फ्लो एवं फोर्ज्ड जैसी नई प्रौद्योगियों के बजाय लो प्रैसर डाइ कास्टिंग (एल पी डी सी) अथवा ग्रेविटी डाइ कास्टिंग प्रौद्योगिकी अपनाता है।
- vii. व्हील्स का विनिर्माण विभिन्न आकारों, डिजाइनों, वजन, फिनिश और फिटमेंट रूपांतरणों में किया जाता है। केवल ऐसे उत्पाद को ही विचाराधीन उत्पाद में शामिल किया जाना चाहिए जिनका उत्पादन याचिकाकर्ता द्वारा किया जाता है और शेष को अलग रखा जाना चाहिए।

# घरेलू उद्योग के अनुरोध

- 13. जांच की कार्रवाई के दौरान विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तुओं के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :
  - (i) चूंकि दुपिहया वाहनों के व्हीलों को उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जाता है, इसिलए अलग रखने का प्रश्न अप्रासंगिक है। तथापि, दुपिहया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखने को प्रदर्शित करने के लिए कोई विशिष्ट जांच परिणाम दर्ज करने में याचिकाकर्ता को कोई आपत्ति नहीं है।
  - (ii) ओ ई एम तथा बाजार पश्चात् व्हील्स के रूप में विचाराधीन उत्पाद का वर्गीकरण पूर्णतः निराधार नहीं हैं। ओ ई एम तथा बाजार पश्चात् केवल वितरण के माध्यम हैं और दोनों माध्यमों में बेची जा रही सम्बद्ध वस्तु आपस में दो भिन्न वस्तुएं हैं। ओ ई एम तथा बाजार पश्चात् को आपूर्ति किए गए उत्पाद में समान मूलभूत उत्पाद विशेषताएं होती हैं, उनका अंतिम उपयोग समान होता है और दोनों प्रकार के व्हील समान वस्तुएं हैं और संपूर्ण स्थानापन्न है।
  - (iii) ओ ई एम की पसंद पर निर्भर रहते हुए किसी व्हील की डिजाइन बदली जा सकती है परन्तु इससे उत्पाद कोई भिन्न उत्पाद नहीं बन जाता है। इस पहलू का समाधान ई यू और आस्ट्रेलिया द्वारा चीन के खिलाफ अपनी जांचों में भी किया गया था और यह निष्कर्ष निकाला गया था कि ओ ई एम तथा ए एम व्हील एक ही उत्पाद हैं और समान वस्तुएं हैं।
  - (iv) िकसी सामग्री का दूसरे देश में पाटन करने के लिए आई पी आर कोई लाइसेंस नहीं होता है और पाटन एवं क्षित का निर्धारण करते समय इसकी कोई प्रासंगिकता नहीं होती है। गैट के अंतर्गत ट्रिप्स करार और पाटनरोधी करार के अलग-अलग प्रयोजन और उद्देश्य हैं। डिजाइन के बारे में कापीराइट्स से पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) के अर्थ के भीतर अलग उत्पाद नहीं बन जाता है क्योंिक कच्ची सामग्री, उत्पादन प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, भौतिक गुण धर्म, अंतिम उपयोग आदि जैसी उत्पाद की मूल भूत विशेषताएं समान रहती हैं। कापीराइट्स से ए आर डब्ल्यू की किसी वाणिज्यिक अथवा तकनीकी प्रतिस्थापनीयता सीमित नहीं होती है। कोई डिजाइन हर हालत में ए आर डब्ल्यू से जुडी होती है और ऐसी किसी डिजाइन पर कापीराइट कार निर्माता की पसंद होती है और इससे वर्तमान पाटनों की जांच हेतु उत्पाद की परिभाषा के प्रति भेदभाव नहीं होता है।
  - (v) िकसी डिजाइन विशेष पर कोई कापीराइट होने से व्हील की प्रतिस्थापनीयता नहीं बदल जाती है। जिस सम्बद्ध वस्तु का भारत में पाटन किया जा रहा है वह घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समनुरूप है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय और "समान वस्तु" हैं।
  - (vi) उत्पाद का उत्पादन अलग-अलग आकारों में किया जाता है और इन अलग-अलग आकारों का वजन अलग-अलग होता है। इस प्रकार उक्त व्हील की लागत और कीमत में भी व्हील के आकार और वजन के अनुपात में अलग-अलग आकारों और वजन के बीच अंतर होगा। लागत और कीमत से संबंधित किसी सूचना की तुलना करने के लिए अलग-अलग आकारों के व्हील का समतुल्य वजन में परिवर्तन करना एक उचित कार्य प्रणाली है। डी जी ए डी द्वारा भी ऐसी कार्यप्रणालियां स्टील व्हील्स, टायर आदि जैसे कई मामलों में अपनाई गई थी।
  - (vii) विचाराधीन उत्पाद को इस प्रकार परिभाषित किया गया है ताकि उसमें केवल 12 इंच से लेकर 24 इंच तक की व्हील आकार को शामिल किया जा सके। ऐसे आकारों का उत्पादन ऐसे आकारों की मांग के अनुसार किया जाता है। याचिकाकर्ता ने जांच अविध के दौरान ऐसे सभी आकारों का उत्पादन कर उनकी बिक्री की है। यदि जांच अविध के दौरान किसी आकार विशेष का उत्पादन या बिक्री नहीं भी की गई है तो उससे वह बाहर रहने के योग्य नहीं बन जाता है क्योंकि याचिकाकर्ता के

- पास ऐसे सभी आकारों की मांग को पूरा करने की क्षमता है बशर्ते किसी विशेष डिजाइन की मांग की गई हो। विचाराधीन उत्पाद के भीतर अलग-अलग आकारों का तात्पर्य यह नहीं है कि वे सभी अलग-अलग उत्पाद हैं। घरेलू और आयातित वस्तु का समतुल्य वजन में परिवर्तन करने के पश्चात अलग-अलग तुलना संभव है।
- (viii) हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क पूर्णतः आधारहीन है कि भारत में विनिर्मैंत और बेचे न गए पुर्जों को अलग रखा जाना चाहिए। वर्तमान जांच सम्बद्ध वस्तु के पाटन के बारे में है और प्राधिकारी द्वारा नियम 2 (घ) के अधीन विचाराधीन उत्पाद तथा सम्बद्ध वस्तु को परिभाषित किया जा चुका है।
- (ix) विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क उपशीर्ष "रोड व्हील्स और उसके पुर्जे तथा सहायक सामग्री" के अंतर्गत वर्गीकृत है। किसी व्हील कैप, एयरवाल्व अथवा लगनट जैसे किसी सहायक सामग्री का आयात के समय होने या न होने से विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा में कोई अस्पष्टता नहीं आनी चाहिए।

## प्राधिकारी द्वारा जांच

- 14. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण., कोरिया आरपी और थाइलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित "12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलौय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं" है।
- 15. अलॉय व्हील्स अथवा अलॉय रोड व्हील्स (ए आर डब्ल्यू) का उत्पादन विभिन्न आकारों/ ब्यासों में किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद में मोटर वाहनों में प्रयुक्त केवल 12 इंच से 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के ए आर डब्ल्यू ही शामिल हैं। 12 इंच से 24 इंच व्यास से इतर और जिनका प्रयोग मोटर वाहनों के अलावा अन्य कार्यों के लिए किया जाता है वे ए आर डब्ल्यू उत्पाद के दायरे से बाहर हैं। वस्तु में तैयार अथवा अर्ध तैयार ए आर डब्ल्यू शामिल हैं, चाहे उन पर पेंट किया गया हो अथवा न किया गया हो अथवा क्रोम प्लेटेड हों। ए आर डब्ल्यू का मुख्य कार्य यह है कि इन्हें वाहन को गतिमान बनाने के लिए मोटर वाहनों में लगाया जाता है। मोटर वाहनों के लिए व्हील आमतौर पर इस्पात या एल्यूमिनियम अलौय से बनाए जाते हैं। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, अलौय व्हील नई पीढ़ी का उत्पाद है और इसने इस्पात के व्हीलों की तुलना में श्रेष्ठ विशेषताओं के कारण भारत में व्यापक बाजार पर कब्जा कर लिया है। इस्पात के व्हील उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं हैं। ए आर डब्ल्यू सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम,1975 के अध्याय 87 के अंतर्गत सीमा शुल्क उप शीर्ष संख्या 8708.70 के अधीन "रोड व्हील्स और उसके पुर्जे तथा सहायक सामग्री" विवरण के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, संबद्ध वस्तु का आयात 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 आदि जैसे विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत भी किया जाता है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।
- 16. जहां तक समान वस्तु का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में निम्नानुसार उपबंध है -
  - "समान वस्तु"का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो भारत में पाटन किए जाने हेतु जांचाधीन वस्तु से हर तरह से समनुरूप अथवा समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु से है जो यद्यपि हर प्रकार से समान नहीं है तथापि उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती जुलती विशेषताएं हैं।
- 17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद तथा संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण के रूप में समान गुणधर्म हैं। दोनों ही वाणिज्यिक रूप से एवं तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के आशय एवं दायरे के अंतर्गत समान मदें हैं।
- 18. विचाराधीन उत्पाद के दायरे और घरेलू समान वस्तु के संबंध में इस जांच की कार्रवाई के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिनन प्रस्तुतिकरण और वे प्रस्तुतिकरण जिनकी प्राधिकारी द्वारा जांच करने के लिए संगत माने गए और जिनका निराकरण कर दिया गया, निम्नलिखित हैं:
- (i) जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि दुपिहया वाहनों के लिए नियत अलॉय व्हील्स को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से विशिष्ट रूप से बाहर रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद को "कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स (ए आर डब्ल्यू)" के रूप में परिभाषित किया गया है और इस प्रकार इसमें दुपिहया वाहनों के लिए नियत ए आर डब्ल्यू शामिल नहीं हैं। इसके अलावा घरेलू उद्योग दुपिहया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू का विनिर्माण नहीं करता है और इसलिए इन्हें उसके द्वारा दायर की गई याचिका में शामिल नहीं किया गया था। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि दुपिहया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर

रखने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी वर्तमान जांच में दुपहिया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखते हैं।

- (ii) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित/ आपूर्ति न किए गए कापीराइट सहित या रिहत आकार/डिजाइन/स्टाइल आदि के ए आर डब्ल्यू को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद में 12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नही, शामिल हैं और इसमें उपर नोट किए गए अनुसार दुपहिया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू शामिल नहीं है। घरेलू उद्योग या तो विचाराधीन उत्पाद में शामिल ए आर डब्ल्यू के सभी आकारों का विनिर्माण करता है या फिर उसके पास इनके विनिर्माण की क्षमता है। इसके अलावा, किसी ए आर डब्ल्यू की डिजाइन (कापीराइट वाली डिजाइनों सहित) किसी मोटरवाहन विनिर्माता द्वारा निर्धारित एक सौंदर्यगत पहलू है। इस प्रकार किसी विशेष ए आर डब्ल्यू की डिजाइन, भले ही उस पर कापीराइट हो, से वह ए आर डब्ल्यू की दूसरी डिजाइन से भिन्न नहीं बन जाती है जहां तक ये दोनों पाटनरोधी नियमावली के दायरे के भीतर तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय होती हैं।
- (iii) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि ओ ई एम तथा ए एम खण्डों हेतु ए आर डब्ल्यू को पृथक उत्पाद माना जाना चाहिए और तदनुसार विश्लेषण किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ओ ई एम और बाजार पश्चात (ए एम) सम्बद्ध वस्तु के वितरण के दो माध्यम हैं न कि वस्तु। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, ओ ई एम तथा बाजार पश्चात को आपूर्ति किए गए उत्पाद में समान मूलभूत उत्पाद विशेषताएं होती हैं, उनका अंतिम उपयोग समान होता है और दोनों प्रकार के व्हील समान वस्तुएं हैं और संपूर्ण स्थानापन्न है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों चैनलों में बेची गई सम्बद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमों के अनुसार समान वस्तुएं हैं।
- (iv) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं बाजार और वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। आवेदक और प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत उत्पाद तथा आयात के आंकड़ों की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। विनिर्माण प्रक्रिया में समानता और प्रतिस्थापनीयता को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस मामले में "विचाराधीन उत्पाद" को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ दोनों को समान एवं एक ही उत्पाद मानना अपेक्षित है।
- (v) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि कि.ग्रा./मी.ट. के संबंध में व्हीलों का परिवर्तन उचित नहीं है क्योंकि केवल वजन ही विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करते समय प्रमुख कारक नहीं हो सकता, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और बिक्री विभिन्न आकारों और अलग-अलग वजन में की जाती है। इसके परिणामस्वरूप अलग-अलग प्रकार और वजन के उत्पाद की लागत और कीमत उसके आकार और वजन के अनुसार भिन्न होना लाजिमी है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत और लागत की तुलना करने के लिए अलग-अलग आकारों वाले व्हील का उनके समतुल्य वजन में परिवर्तन करना एक अत्यंत उचित कार्यप्रणाली है।
- (vi) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि घरेलू उद्योग कास्टफ्लो एवं फोर्ज्ड जैसी नई प्रौद्योगिकियों के बजाय लो प्रैसर डाइ कास्टिंग (एल पी डी सी) अथवा ग्रेविटी डाइ कास्टिंग प्रौद्योगिकी अपनाता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अलग-अलग प्रौद्योगिकियों से अंतिम उत्पाद अलग नहीं बन जाता है।
- 19. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों की जांच एवं उनका विश्लेषण करने के पश्चात प्राधिकारी विचाराधीन उत्पादों की चीन जन.गण., कोरिया आरपी और थाईलैंड में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित "12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के, मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्युमिनियम एलाय व्हील्स अथवा अलाय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो या न हो—के रूप में संपुष्टि करते हैं। इस विचाराधीन उत्पाद में पेंटेड या अनपेंटेड या क्रोम प्लेटेड, परिष्कृत या अर्धपरिष्कृत एआरडब्ल्यू शामिल है। प्राधिकारी पुन: यह नोट करते हैं कि 12 इंच से 24 इंच तक के व्यास के अलावा अन्य एआरडब्ल्यू तथा दुपहिया वाहनों के लिए बनाए गए एआरडब्ल्यू इस उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं है।

# घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

## उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

20. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के बारे में जांच की कार्रवाई के दौरान उत्पादकों/ निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- (i) 100 प्रतिशत ई ओ यू होने के कारण याचिकाकर्ता को घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता। इसलिए याचिकाकर्ता का उत्पादन उसके आधार के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डी टी ए) में आपूर्ति हेतु उसकी पात्रता तक सीमित होगा। ऐसे मामले में कुल घरेलू उत्पादन में याचिकाकर्ता का हिस्सा 30 प्रतिशत से भी कम होगा। इस प्रकार याचिकाकर्ता का यह याचिका दायर करने का आधार नहीं है।
- (ii) जांच की शुरूआत के समय याचिकाकर्ता ने यह अनुरोध किया था कि भारतीय बाजार में केवल दो अन्य उत्पादक हैं। तथापि, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने भारत में सम्बद्ध वस्तु के तीन और उत्पादकों के नाम बताए। यह याचिकाकर्ता द्वारा आवश्यक तथ्यों के वास्तविक अप्रकटन का स्पष्ट मामला बनता है जिसका याचिकाकर्ता के सुने जाने के अधिकार पर सीधा प्रभाव पड़ता है और इसलिए जांच समाप्त कर दी जानी चाहिए।
- (iii) याचिकाकर्ता सिनरजीज कास्टिंग्स लिमिटेड और भारत में अन्य घरेलू उत्पादकों अर्थात नियो व्हील्स, एंकी व्हील्स, मिंडा कोसाई एंड डेल्ट्रानिक्स, सिनरजीज कास्टिंग्स के उत्पादन पर विचार करते हुए उनका उत्पादन भारत में समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग नहीं बनता है।
- (iv) याचिकाकर्ता समर्थकारी साक्ष्य के साथ यह प्रदर्शित करने में समर्थ नहीं रहा है कि एंकी और नियो व्हील्स को अलग क्यों रखा जाना चाहिए।
- (v) याचिकाकर्ता का यह दावा संदिग्ध है कि विदेशी मुद्रा की उसकी निवल प्राप्ति निवल विदेशी मुद्रा विनिमय भुगतान से अधिक है जिससे घरेलू बाजार में उसकी बिक्री तय होती है। वर्ष 2008-09, 2009-10 और 2010-11 के लिए याचिकाकर्ता कंपनी की वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार विदेशी मुद्रा का भुगतान विदेशी मुद्रा अर्जन से काफी अधिक है। यदि याचिकाकर्ता सकारात्मक एन एफ ई प्राप्त करने में असमर्थ है तो उसके द्वारा डी टी ए में बिक्री नहीं की जा सकती।

# घरेलू उद्योग द्वारा लिए गए प्रस्तुतिकरण

- 21. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के बारे में जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्ननुसार हैं :-
  - (i) याचिकाकर्ता के ई ओ यू दर्जे का घरेलू उद्योग की परिभाषा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। आधार संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सिनरजीज कास्टिंग्स लिमिटेड (एस सी एल) का उत्पादन जांच अविध के दौरान घरेलू उद्योग का समग्र उत्पादन है, क्योंिक दो अन्य उत्पादक स्वयं सम्बद्ध वस्तु के आयातक हैं और वे पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनने के पात्र नहीं हैं। हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुमानों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है कि इकाई एक एन एफ ई सकारात्मक इकाई नहीं हो सकते। एस सी एल अपना एन एफ ई स्तर सकारात्मक रखती है। इसके अलावा विदेश व्यापार नीति के अंतर्गत सकारात्मक एन एफ ई प्राप्त करने के बाद डी टी ए बिक्री हेतु 100 प्रतिशत ई ओ यू इकाई पर मात्रा संबंधी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है जैसा कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने आरोप लगाया है।
  - (ii) यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से एल्यूमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ए ए आई) द्वारा दायर की गई है। इसके एक सदस्य सिनेरजी कास्टिंग्स लिमिटेड (एस सी एल) जो भारत में सम्बद्ध वस्तु का सबसे बड़ा उत्पादक है और जो 100 प्रतिशत ई ओ यू है, ने पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन से संगत समस्त सूचना प्रदान की है। जांच अविध के लिए संगत सम्बद्ध वस्तु तीन अन्य उत्पादक थे। एस सी एल को छोड़कर एंकीव्हील्स (इंडिया) एलौय लिमिटेड तथा नियोव्हील्स को भारत में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादक के रूप में अभिज्ञात किया गया था जो जांच अविध के दौरान सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे थे। एन्कीव्हील्स ने न तो जांच का समर्थन किया है और न ही उसका विरोध। तथापि, नियोव्हील्स में जांच की शुरूआत के बाद प्राधिकारी को लिखे पत्र द्वारा याचिका का समर्थन किया है। बाजार सूचना के अनुसार जांचोत्तर अविध में 2 और उत्पादकों अर्थात मिण्डा कोसाई और डेल्ट्रानिक्स ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन शुरू किया। तथापि, मिण्डा कोसाई ने वर्तमान जांच का समर्थन किया है। एंकी और नियोव्हील्स को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि वे आयात कार्यकलापों में संलग्न हैं। इस प्रकार याचिकाकर्ता नियम के अंतर्गत आधार संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है और एस सी एल का उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और वह जांच अविध के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा समूचा घरेलू उत्पादन करता है।
  - (iii) ई ओ यू स्कीम में घरेलू और विदेशी ग्राहक की बेहतर सेवा करने के लिए प्रतिस्पर्धी लाभ का प्रावधान है, बशर्ते उचित बाजार की स्थिति मौजूद हो। अतः ई ओ यू को पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर नहीं माना जा सकता। भारत में वे काफी अधिक संख्या में उद्योग में है।
  - (iv) वर्तमान याचिका में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) की अपेक्षाएं पूरी होती हैं और सिनरजीज कास्टिंग्स लिमिटेड को नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए।

- (v) याचिकाकर्ता पर कोई निर्यात दायित्व नहीं है। एक ई ओ यू होने के कारण विदेश व्यापार नीति में इकाई से एक एन एफ ई सकारात्मक होने की अपेक्षा की गई है और एन एफ ई को पांच वर्ष के खंडों में प्राप्त करने की जरूरत है जिसकी अवधि आगे बढ़ाई जा सकती है और याचिकाकर्ता द्वारा इसकी प्राप्ति की गई थी।
- (vi) हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे का कोई कानूनी आधार नहीं है कि याचिकाकर्ता का घरेलू निष्पादन निर्यात पर निर्भर होता है। घरेलू उद्योग अपनी बिक्री में उस समय मामूली बढ़ोतरी कर सका जब उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि हुई थी और याचिकाकर्ता के पास पर्याप्त अप्रर्युक्त क्षमता उपलब्ध थी। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को बिक्री का सीधा नुकसान हआ है।

## प्राधिकारी द्वारा जांच

- 22. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के बारे में वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न अनुरोधों की निम्नानुसार जांच कर उनका समाधान किया गया है:-
  - (i) वर्तमान जांच में आवेदन 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई मैसर्स सिनरजीज कास्टिंग लिमिटेड की ओर से एल्यूमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर किया गया है। आवेदक के दावे के अनुसार जांच अविध के दौरान भारत में विचाराधीन उत्पाद के दो अन्य उत्पादक अर्थात मैसर्स एंकी व्हील्स (इंडिया) लिमिटेड और मैसर्स नियोव्हील्स दोनों ने जांच अविध के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु का आयात किया है। प्राधिकारी ने सूचना का अनुरोध करते हुए उक्त दोनों घरेलू उत्पादकों को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना उपलब्ध कराई। यद्यपि उक्त दोनों घरेलू उत्पादकों ने अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है, तथापि नियोव्हील्स ने वर्तमान जांच का समर्थन किया है और एनकी व्हील्स ने प्राधिकारी को सूचित किया कि उन्होंने जांच की अविध के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जैसा कि घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है, मिण्डा कोसाई और डेल्ट्रोनिक्स ने जांचोत्तर अविध के दौरान उत्पादन शुरू किया है और इस प्रकार मिन्डा कोसाई और डेल्ट्रानिक्स द्वारा किया गया उत्पादन वर्तमान जांच के लिए संगत नहीं है। ऐसा होते हुए भी प्राधिकारी नोट करते हैं कि मिण्डा कोसाई और डेल्ट्रानिक्स ने वर्तमान जांच का समर्थन किया है।
  - (ii) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों का इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता 100 प्रतिशत ईओयू है इसलिए उस पर घरेलू उद्योग के रूप में विचार नहीं किया जा सकता, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग का निम्नानुसार परिभाषित किया गया है-
    - (ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"
  - (iii) उपर्युक्त नियम के अनुसार ई ओ यू को घरेलू उद्योग के दायरे के बारे में कोई स्पष्ट अपवर्जन नहीं है। तथापि, अधिकारी नोट करते हैं कि ई ओ यू इकाईयां भारत की विदेश व्यापार नीति के अंतर्गत अनुमत उनकी पात्रता की सीमा के भीतर अपनी घरेलू बिक्री की मात्रा तक घरेलू उद्योग का भाग बन सकती हैं।
  - (iv) जहां तक 100 प्रतिशत ई ओ यू इकाईयों की पात्रता और डी टी ए में बिक्री की शर्तों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विदेश व्यापार नीति, 2009-14 के पैरा 6.8 (क) और (ज) में संगत प्रावधान निम्नानुसार निर्धारित हैं :
  - (v) "6.8 ई ओ यू/ई एच टी पी/एस टी पी/बी टी पी इकाईयों के समग्र उत्पादन का निर्यात निम्नलिखित के अधीन किया जाएगाः
    - (क) रत्न एवं आभूषण इकाइयों से भिन्न इकाइयां रियायती शुक्ल के भुगतान पर सकारात्मक एन एफ ई की पूर्ति के अधीन निर्यातों के एफ ओ बी मूल्य के 50 प्रतिशत तक वस्तु की बिक्री कर सकती हैं। डी टी ए बिक्री की पात्रता के भीतर इकाई डी टी ए में उस वस्तु के समान अपने उत्पादों की बिक्री कर सकती है जिसका इकाईयों से निर्यात किया जाता है या निर्यात किए जाने की संभावना होती है। तथापि, जो इकाईयां एक से अधिक उत्पाद का विनिर्माण और निर्यात कर रही हैं, वे विशिष्ट उत्पादों के निर्यात के एफ ओ बी मूल्य के 90 प्रतिशत तक डी टी ए में इनमें से किसी उत्पाद की बिक्री कर सकती हैं जो इस शर्त के अधीन है कि डी टी ए में कुल बिक्री उपर यथानिर्धारित उक्त इकाई के लिए निर्यातों के एफ ओ बी मूल्य की 50 प्रतिशत की समग्र पात्रता से अधिक नहीं होगा। मोटर कारों, अल्कोहालिक मादक पेयों, पुस्तकों, चाय (इंस्टेंट चाय को छोड़कर), काली मिर्च और काली मिर्च के उत्पादों, संगमरमर और ऐसी अन्य मदों, जिन्हें समय-समय पर अधिसूचित किया जाए, के संबंध में रियायती शुल्क पर डीटीए में किसी बिक्री की अनुमित नहीं दी जाएगी। ऐसी डीटीए बिक्री पैकेजिंग/लेबलिंग/ पृथक्ककरण/ रेफरीजरेशन/कम्पैकिंटग/ माइक्रोनाइजेशन/पुलवराइजेशन/ग्रेनुलेशन/रसायन के मोनोहाइडेड रूप का एनहाइड्ड सर्ण में अथवा विलोमतः परिवर्तन के

कार्यकलापों में संलग्न इकाईयों को भी प्रदान नहीं की जाएगी। एस ई जैड में किसी इकाई को की गई बिक्री को भी ई ओ यू द्वारा निर्यात का एफ ओ बी मूल्य निकालने के प्रयोजनार्थ हिसाब में लिया जाएगा। वशर्ते ऐसी बिक्री हेतु भुगतान एस ई जैड इकाई के विदेशी मुद्रा खाते से किया गया हो। डी टी ए को बिक्री भी भेषजीय उत्पाद पंजीकरण (बल्क औषधि सहित) की अनिवार्य जरूरत के अधीन होगी। सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम,1975 की धारा 9क के अंतर्गत आयात के समय उदगृहणीय पाटनरोधी शुल्क के बराबर राशि का भुगतान उक्त इकाई से डी टी ए में निकासी की गई वस्तु के विनिर्माण या प्रसंस्करण के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त वस्तु पर किया जाएगा।"

- "(ज) **ई ओ यू/ई एच टी पी/एस टी पी/बी टी पी इकाईयां** विकास आयुक्त को सूचना देते हुए पूर्ण शुल्क के भुगतान पर काली मिर्च और काली मिर्च के उत्पादों तथा संगमरमर, जो एफ टी पी के अंतर्गत डी टी ए में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं, को छोड़ कर तैयार उत्पादों की बिक्री कर सकती हैं, बशर्ते उन्होंने सकारात्मक एन एफ ई प्राप्त कर लिया हो, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम,1975 की धारा 9क के अंतर्गत आयात के समय उदगृहणीय पाटनरोधी शुल्क के बराबर राशि का भुगतान उक्त इकाई से डी टी ए में निकासी की गई वस्तु के विनिर्माण या प्रसंस्करण के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त वस्तु पर किया जाएगा।"
- 23. विदेश व्यापार नीति के उक्त प्रावधान यह दर्शाते हैं कि ईओयू को डीटीए में बिक्री करने से विवर्जित नहीं किया जाता है और पैरा 6.8(क) के अंतर्गत स्कीम यह उल्लेख करती है कि निर्यातोन्मुख इकाइयां शुल्क की रियायती दरों पर निर्यात के एफओबी मूल्य के 50 प्रतिशत तक की वस्तु की ब्रिकी कर सकती हैं। तथापि इस स्कीम के पैरा 6.8(ज) के प्रावधान निर्यातोन्मुख इकाई पूर्ण शुल्कों का भुगतान करने पर डीटीए को आपूर्तियों पर कोई सीमा निर्धारित नहीं करते हैं। उपर्युक्त दोनों ही परिदृश्यों के अंतर्गत यह स्कीम 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाइयों को एक सकारात्मक एनएफई बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध करती हैं जिसकी गणना पांच वर्षों के ब्लाक में की जाती है और जिसे यूनिट के अनुरोध पर बढ़ाया भी जा सकता है। याचिकाकर्ता के प्रस्तुतिकरण से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वे भारी मात्रा में पाटित माल की मौजूदगी के कारण जांच की अविध के दौरान इस स्कीम के पैरा 6.8(क) के अनुसार अनुमेय मात्रा की भी बिक्री नहीं कर सके।
- 24. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कतिपय विगत मामलों में जिनमें ईओयू शामिल थीं, प्राधिकारी ने भारत की विदेश व्यापार नीति के अंतर्गत अनुमत उनकी हकदारी की सीमा के अंतर्गत की गई घरेलू बिक्रियों के लिए उन्हें घरेलू उद्योग का दर्जा प्रदान किया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि रक्षोपाय महानिदेशक ने सैचुरेटिड वसीय अल्कोहलों के मामले में एक 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई द्वारा दायर एक आवेदनपत्र के आधार पर अपने दिनांक 19.02.2014 की फाइल संख्या डी 22011/26/2013 की अपनी अधिसूचना के तहत एक रक्षोपाय जांच प्रारंभ की है।
- 25. याचिकाकर्ता के प्रस्तुतिकरण से प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि अन्य दो उत्पादकों अर्थात् एन्की व्हील्स (इंडिया) लिमिटेड और नियो व्हील्स ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है और याचिकाकर्ता के इस दावे का एन्की व्हील्स (इंडिया) लिमिटेड और निओ व्हील्स द्वारा न तो विरोध किया गया है और न ही वे उससे असहमत हैं। यहां तक कि विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने भी यह दावा किया है कि एन्की व्हील्स (इंडिया) लिमिटेड और निओ व्हील्स द्वारा किया गया आयात बहुत अधिक नहीं है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियम 2(ख) ऐसे उत्पादकों को प्रतिवारित करता है जो घरेलू उद्योग के दायरे से स्वयं आयातक हैं, इस प्रकार सिनर्जीज कास्टिंग्स लिमिटेड एकमात्र घरेलू उत्पादक है जो वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग बनता है।
- 26. विगत पैराग्राफों में किए गए उल्लेख के अनुसार तथ्यात्मक एवं विधिक प्रावधानों की विस्तृत जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निश्चित करता हैं कि मैसर्स सिनरजीज कास्टिंग लिमिटेड का उत्पादन जांच अविध के दौरान सम्बद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और इस प्रकार वह नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार संबंधी मानदंड को पूरा करता है।

#### ड. गोपनीयता

## उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 27. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न अनुरोधों की निम्नानुसार जांच कर उनका समाधान किया गया है:-
  - (i) याचिका में अत्यधिक गोपनीयता बरती गई है। याचिका में वितरण माध्यमों, कमीशन/छूट नीति, ऋण शर्तों, सामान्य मूल्य की गणना आदि के बारे में याचिकाकर्ता की नीति के संबंध में कोई भी सूचना नहीं है।
  - (ii) घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और उसे इस अर्थ में इसकी अनुमित दी गई है कि उन्होंने सार्वजनिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई है। घरेलू उद्योग ने अपनी निर्यात बिक्री, निर्यात दायित्व (ई ओ यू होने के नाते) और घरेलू बाजार के लिए उपलब्ध मात्रा के ब्यौरे भी उपलब्ध नहीं कराए हैं।
  - (iii) याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि निर्यातक ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। प्रतिवादी यह मानता है कि उसने अनुरोधों का उचित अगोपनीय रूपांतरण दायर किया है। इसके विपरीत याचिकाकर्ता ने ऐसी कोई वास्तविक सूचना प्रकटित नहीं की है जिसे याचिका के साथ उपलब्ध किया जाना चाहिए था।

(iv) याचिकाकर्ता ने आयात आंकड़ों में संशोधन करने के लिए प्रयुक्त कार्यप्रणाली, व्हीलों की संख्या को मी.ट./िक.ग्रा. में परिवर्तन करने के लिए प्रयुक्त परिवर्तनकारक के बारे में कई महत्वपूर्ण सूचनाओं, सम्बद्ध वस्तु के बारे में सूचना अर्थात् आकार, गुणवत्ता, श्रेणी और प्रयोग, अन्य उत्पादकों की मौजूदगी और उनके उत्पादन के बारे में सूचना, गंवाई गई बिक्री से संबंधित आर्डर का साक्ष्य, कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट आदि का प्रकटन नहीं किया है।

# घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 28. गोपनीयता के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न अनुरोधों की निम्नानुसार जांच कर उनका समाधान किया गया है:-
  - (i) निर्यातकों द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है।
  - (ii) याचिकाकर्ता ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में उपलब्ध अनुमित के अनुसार प्रदत्त सूचना पर गोपनीयता का दावा किया है और ऐसी सूचना का सार्थक सारांश भी उपलब्ध कराया गया है। हितबद्ध पक्षकारों के ये दावे निराधार हैं कि याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

- 29. गोपनीयता के बारे में वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न अनुरोधों की निम्नानुसार जांच कर उनका समाधान किया गया है:-
  - (i) सूचना की गोपनीयता के बारे में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार उपबंध है:-
    - गोपनीय सूचनाः (1) नियम 6 के उप नियमों और (7), नियम 12 के उप-नियम (2) (3) (2), नियम 15 के उप-नियम (4) और नियम 17 के उप-नियम (4) में किसी बात के होते हुए भी नियम (5) के उप-नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियों अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी को जांच के दौरान किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त किसी अन्य सूचना को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट होने के बाद उसके द्वारा गोपनीय माना जाएगा और ऐसी किसी सूचना का प्रकटन ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को नहीं किया जाएगा।
    - (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है तो ऐसा पक्षकार ऐसे कारणों का एक विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है कि सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है।
    - (3) उप-नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है या सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्यीकृत रूप में या सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।
  - (ii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराया।
  - (iii) जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता को सार्वजनिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध करानी चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट का आर ओ सी रूपांतरण पहले ही उपलब्ध करा दिया है।

## च. विविध प्रस्तुतिकरण

## उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 30. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विविध अनुरोध निम्नानुसार है:-
  - (i) याचिका त्रुटिपूर्ण है इसलिए जांच को समाप्त करने की जरूरत है।
  - (ii) जांच तथा क्षति अवधि का चयन दोषपूर्ण है।
  - (iii) आयातकों को प्रश्नावली का उत्तर दायर करना जरूरी है ताकि उन्हें सहयोगी आयातक माना जा सके। उत्तर दायर न करने अथवा अधूरा उत्तर दायर करने से किसी हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध करने के अधिकार में कमी नहीं आती है।

- (iv) ईयू तथा आस्ट्रेलिया द्वारा चीन जन.गण. से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का भारतीय स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- (v) बाजारी स्थिति, प्रतिस्पर्धा की स्थितियां, घरेलू उत्पादक के विकास के स्तर में देश दर देश अंतर होता है। जांच प्राधिकारी के एक पहलू पर निकाले गए जांच परिणाम को दूसरे देश के जांच प्राधिकारी के निर्णय का आधार नहीं बनाया जा सकता। प्राधिकारी को ईयू तथा आस्ट्रेलिया के जांच परिणामों पर भरोसा करने की जरूरत नहीं है। प्राधिकारी के लिए अपने खुद के घरेलू कानूनों और न्याय शास्त्र के आधार पर पाटनरोधी जांच करना अपेक्षित होता है।
- (vi) इस समय घरेलू उद्योग मुश्किल के दौर से गुजर रहा है और उसकी बिक्री अत्यधिक न्यून स्तर पर है। इस स्तर पर पाटरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से उत्पादन लागत तथा उसकी कीमत में और अधिक वृद्धि होगी।
- (vii) द्वितीय मौखिक सुनवाई स्थापित कर दी जानी चाहिए और प्राधिकारी द्वारा एक उपयुक्त नोटिस देकर सुनवाई का एक अन्य मौका दिया जाना चाहिए।

# घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 31. घरेलू उद्योग द्वारा वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विविध अनुरोध निम्नानुसार हैः-
  - (i) प्राधिकारी को आयातकों द्वारा किए गए अनुरोध अस्वीकृत कर दिए जाने चाहिए क्योंकि उन्होंने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है।
  - (ii) ईयू और आस्ट्रेलिया ने चीन जन.गण. से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ पाटनरोधी उपाय लागू किए हैं। प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच में ईयू तथा आस्ट्रेलिया के जांच परिणामों के तथ्यों पर विचार किया जाना चाहिए। चीन जन. गण. से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ ईयू तथा आस्ट्रेलिया द्वारा पाटनरोधी उपाय लगाए जाने का भारत को चीन से होने वाले निर्यातों पर प्रभाव पड़ता है।
  - (iii) प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 के उप-नियम (6) के अंतर्गत एक पूर्ण मौखिक सुनवाई का आयोजन पहले ही कर दिया है। ऐसी स्थिति में जब कि यह जांच दिनांक 09.06.2014 तक पूरी की जानी अपेक्षित है द्वितीय मौखिक सुनवाई को स्थिगत कर दिए जाने का अनुरोध वर्तमान जांच में व्यवधान डालने के आशय से किया गया है।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

- 32. वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न विविध मुद्दों की निम्नानुसार जांच की गई है:-
  - (i) जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि याचिका त्रुटिपूर्ण है और इसलिए जांच को समाप्त करने की जरूरत है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच घरेलू उद्योग द्वारा पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध को प्रदर्शित करते हुए और अधिनियम तथा नियमों के अनुसार जांच की शुरूआत को न्यायोचित ठहराते हुए प्रस्तुत किए गए प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर शुरू की गई थी। प्राधिकारी ने जहां अपेक्षित हुआ है वहां अतिरिक्त सूचना भी मांगी है और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया है।
  - (ii) जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि क्षति अविध और जांच अविध का चयन भारत में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में निहित उपबंधों के प्रतिकूल है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अविध और क्षति अविध का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित उपबंधों और पद्धति के अनुसार किया गया था।
  - (iii) अन्य देशों के जांचकर्ता प्राधिकारियों के जांच परिणामों के तथ्य, यद्यपि वे भारतीय प्राधिकारी पर बाध्यकारी नहीं है, फिर भी प्राधिकारी द्वारा उन पर सहयोगी मूल्य होने के कारण विचार किया जा सकता है।
  - (iv) इससे पहले प्राधिकारी द्वारा 03 दिसम्बर, 2013 को एक मौखिक सुनवाई का आयोजन किया गया था। और आटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) मामले में वर्ष 2006 की सिविल अपील संख्या 949 में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिनांक 07 जनवरी, 2011 को दिए गए निर्णय के अनुरूप हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 30.05.2014 को मौखिक सुनवाई का एक अन्य अवसर प्रदान किया। पदधारी निर्दिष्ट प्राधिकारी में दिनांक 29 मई, 2014 को परिवर्तन होते ही, हितबद्ध पक्षकारों को, प्राधिकारी के पास वर्तमान जांच में निष्कर्ष निकालने के लिए उपलब्ध दिनांक 09 जून, 2014 तक की समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी नियमावली के नियम 17 में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप दिनांक 29 मई, 2014 को द्वितीय मौखिक सुनवाई का आयोजन दिनांक 30 मई, 2014 को किए जाने की अनुसूची से सूचित कर दिया गया। यद्यपि इस द्वितीय मौखिक सुनवाई के बारे में सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को सूचना दे दी गई थी, इसलिए घरेलू उद्योग सहित कुछ हितबद्ध पक्षकार इस सुनवाई में आए और उन्होंने मौखिक प्रस्तुतिकरण किए। कुछ अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने इस द्वितीय सुनवाई में आने से अपनी असमर्थता जताई, उन्हों भी उन परिस्थितियों की जानकारी दे दी गई जिन परिस्थितियों में इस सुनवाई के आयोजन किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों को लिखित प्रस्तुतिकरण करने के लिए 2

जून, 2014 के अपराहन 5.00 बजे तक का समय दिया गया और फिर उन पर अपना प्रति प्रत्युत्तर दायर करने के लिए 4 जून, 2014 को अपराहन 5.00 बजे तक का समय दिया गया। इस प्रकार, प्राधिकारी के पास उपलब्ध सीमित समय के बावजूद द्वितीय मौखिक सुनवाई आयोजित करने और हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक एवं लिखित प्रस्तुतिकरण करने तथा उन पर प्रति प्रत्युत्तर दायर करने का पर्याप्त अवसर दिया गया। किसी भी हाल में प्राधिकारी इससे बेहतर अवसर प्रदान नहीं कर सकते थे क्योंकि यह जांच पाटनरोधी नियमावली के नियम 17 के अंतर्गत पूरी करने और प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी करने के लिए 09 जून, 2014 तक का ही समय है। वर्तमान जांच को दिनांक 09 जून, 2014 तक पूरा करने के सांविधिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए कुछ हितबद्ध पक्षकारों के द्वितीय मौखिक सुनवाई को आस्थिगत रखने और उपयुक्त नोटिस देकर एक अन्य मौखिक सुनवाई का मौका देने के अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा नहीं माना गया।

(v) जहां तक विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क का संबंध है कि ऑटो उद्योग इस समय मुश्किलों के दौर से गुजर रहा है और उसकी बिक्री का स्तर न्यूनतम स्तर पर है और इस स्तर पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से उसके उत्पादन लागत तथा कीमत में और अधिक वृद्धि होगी, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच का आधारभूत उद्देश्य कथित पाटन तथा उस पाटन के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के तथ्य सुस्थापित करना तथा पाटन के क्षतिकारी प्रभाव को निष्क्रिय करने तथा घरेलू उद्योग एवं पाटित आयातों के लिए समान अवसरों का सृजन करने हेतु केंद्रीय सरकार द्वारा अधिरोपित करने के लिए एक उपयुक्त एवं समुचित पाटनरोधी साधन की सिफारिश करना है। पाटनरोधी उपाय आयातों को न तो प्रतिबंधित करते हैं और न ही उनका निवारण करते हैं। उपभोक्तागण, जिसे पाटित कीतों से लाभ होने की संभावना है, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने के पश्चात्, उचित कीमतों पर संबद्ध वस्तु क्रय कर सकते हैं।

# छ. बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

- 33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में भारत और डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन ज.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। नियमों के अनुसार चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उक्त अनुमान के खंडन के अधीन है।
- 34. पाटनरोधी नियमावली के पैरा-8, अनुबंध-1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है। चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:-
  - (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत, लागत और निविष्टि तथा प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
  - (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
  - (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चतता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
  - (घ) विनिमय दर का परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है।
- 35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरूआत संबंधी सूचना जारी करने के परिणामस्वरूप चीन के निम्नलिखित नमूनाकृत उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली उत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने की मांग की है।
- (i) सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड
- (ii) बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने सम्बद्ध कंपनियों अर्थात हेवाई लिजहांग नॉन फेरस मैटल ग्रुप कंपनी लिमिटेड (कच्ची सामग्री का संबंधित आपूर्तिकर्ता), क्विन हुआंग डाओ डिकामरी व्हील कं0लि0, तेयानजिन डिकास्टल व्हील मैन्यू0कं0लि0 और तेयानजिन लिजहाँग व्हील कं0लि0 के साथ।
- (iii) झेझियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड

## सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.

- 36. मैसर्स सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड, चीन गणराज्य द्वारा दायर मैट जवाब में, यह उल्लेख किया है कि कम्पनी चीन सिटिक ग्रुप (चीन अंतर्राष्ट्रीय ट्रस्ट एवं निवेश निगम के रूप में पूर्व में ज्ञात) जो पूर्ण रूप से राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनी है, की एक सिनो विदेशी (ताइवान, हॉगकॉग, मकाउ) संयुक्त उद्यम कंपनी है। यह उल्लेख किया है कि चीन की सिटिक ग्रुप की स्थापना चीन के आर्थिक सुधार के आरंभिक वर्षों में की गई थी। यह उल्लेख किया है कि इस ग्रुप की चीन तथा विदेश में 40 सहायक कम्पनियां हैं। सिटिक ग्रुप का अपनी 100 प्रतिशत सहायक कम्पनी मैसर्स सिटिक ग्रुप इनवेस्टमेंट होल्डिंग के माध्यम से मैसर्स सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड, (प्रतिवादी कम्पनी) पर नियंत्रण है। जैसा कि मैट के उत्तर में उल्लेख किया है, सिटिक ग्रुप और सिटिक डिकास्टल (प्रतिवादी कम्पनी) के वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति राज्य परिषद् द्वारा की जाती है जो इस समूह के बड़े निर्णयों में शामिल है। मैट के जवाब में आगे यह उल्लेख किया है कि सिटिक डिकास्टल की कुछ सहायक कम्पनियां सम्बद्ध वस्तुओं में शामिल हैं लेकिन सिटिक डिकास्टल ने पीओआई के दौरान भारत को केवल सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात किया। जैसा कि मैट के जवाब में उल्लेख किया है, श्री जूओग्जू, सिटिक डिकास्टल का मुख्य कार्यपालक अधिकारी सम्पूर्ण समूह के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है।
- 37. प्राधिकारी द्वारा जारी की गई कमी संबंधी पत्र के प्रति उत्तर में यह उल्लेख किया गया है कि मैसर्स सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड, चीन गणराज्य की मूल रूप से स्थापना बोहाई एल्मूनियम अलॉय कॉस्टिंग कम्पनी लिमिटेड के नाम से मई 1988 में की गई थी। मूल निवेशक सिटिक डवलेपमेंट कम्पनी लिमिटेड, टॉप विनर डवलेपमेंट लिमिटेड और वाईटिलिटि मोटर कम्पनी लिमिटेड से। उपर्युक्त तीनों निवेशकों का निवेश अनुपात क्रमश: \*\*\*/\*\*\*और \*\*\* प्रतिशत है। बोहाई एल्मूनियम अलॉय कॉस्टिंग कम्पनी लिमिटेड का फिर मई 1988 में डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड तथा बाद में अक्टूबर 2007 में सिटिक व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड नाम रखा गया है। इसके अलावा, जुलाई 2012 में सिटिक डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने अपना नाम बदलकर सिटिक डिकास्टल कंपनी लिमिटेड रखा। आगे कम्पनी द्वारा यह स्वीकार किया गया है कि सिटिक ग्रुप को वित्त मंत्रालय, चीन द्वारा निधि प्रदान किया जाता है। आगे प्रतिवादी कम्पनी द्वारा यह स्वीकार किया गया है कि उन्हें चीन सरकार से काफी मात्रा में आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। इसके अलावा, समूह कम्पनी तथा संबंद्ध वस्तुओं में निहित सहायक कम्पनियों/संबंधित कम्पनियों ने भी उत्तर नहीं दिया है।
- 38. यद्यपि, प्राधिकारी द्वारा किए गए स्थल सत्यापन के दौरान अपेक्षित प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करके सिटिक डिस्काटल कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा किया है, तथापि, कंपनी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एनएमई) दर्जे का खंडन नहीं कर सकी और वह कोई दस्तावेजी साक्ष्य देकर एमईटी दावे को साक्ष्यांकित नहीं कर सके। इसके बजाय, सिटिक डिस्टकाटेल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे (एमईटी) का अपना दावा लिखित में वापस ले लिया। इसके अतिरिक्त, जहां तक कंपनी का व्यक्तिगत निर्यात कीमत के दावे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्यों द्वारा उत्पादित तथा कंपनी द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु के निर्यात की भारी मात्रा के संबंध में संपूर्ण मूल्य शृंखला भी निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करके संबंधित उत्पादकों द्वारा प्राधिकारी के समक्ष नहीं लाई गई है। प्राधिकारी ने सिटिक डिस्काटल कंपनी चीन जन.गण. के स्थल सत्यापन रिपोर्ट उनकी टिप्पणियों के लिए प्रस्तुत की। तथापि, कंपनी ने प्राधिकारी के प्रेक्षणों का विरोध करते हुए कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने सिटिक डिस्काटल कपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान नहीं किया गया है।

# हेविलजॉग नॉनफेरस मेट्ल्स ग्रुप कम्पनी लिमिटेड नामक संबंधित कम्पनियों के साथ-साथ बौडिंग लिजांग व्हील मैन्यूफेक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड (संबंधित कच्चा माल आपूर्तिकर्ता), किनह्वाँगडाँ डिकामरी व्हील कम्पनी लिमिटेड, तियानजीन डिकास्टल व्हील मैन्यूफेक्चरिंग लिमिटेड तथा तियानजीन लिजाँग व्हील कम्पनी लिमिटेड।

39. बौडिंग लिजॉग व्हील मैन्यूफेक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड द्वारा दायर किया गया मैट के प्रत्युत्तर में यह उल्लेख किया है कि कम्पनी की मूल रूप से स्थापना तीन चीनी अलग-अलग शेयर होल्डरों नामतः \*\*\*, \*\*\*(पूर्व में \*\*\* के रूप में ज्ञात) तथा \*\*\* (पूर्व में \*\*\* के रूप में ज्ञात) द्वारा अगस्त 1995 में की गई थी। 5 जुलाई, 2004 को सभी शेयरों को \*\*\*, सिंगापुर को हस्तांतरित कर दिया गया तथा इस प्रकार बौडिंग लिजॉग व्हील मैन्यूफेक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, चीन गणराज्य पूर्ण रूप से विदेशी स्वामित्व वाली कम्पनी बन गई। दिसम्बर 2005 में चीन व्हील होल्डिंग प्रा. लिमिटेड का नाम पुनपरिंवर्तित करके चीन व्हील होल्डिंग लिमिटेड तथा फरवरी 2008 में लिजॉग व्हील ग्रुप लिमिटेड के रूप में रखा गया। लिजॉग व्हील ग्रुप लिमिटेड का संबंध संबंद्ध वस्तुओं के चीन के तीन उत्पादकों नामतः \*\*\*, \*\*\* और \*\*\* से है, जिसने इन वस्तुओं का उत्पादन किया तथा चीन के बाजार में इन वस्तुओं की बिक्री की परन्तु जांच की अवधि के दौरान भारत को इन वस्तुओं का निर्यात नहीं किया। यह उल्लेख किया है कि प्रतिवादी कम्पनी अपनी संबंधित कम्पनी नामतः हेवई लिजांग नॉनफेरस मेटल्स ग्रुप कम्पनी लिमिटेड जिसने भी उपर्युक्त तीन अन्य संबंधित कम्पनी सहित सम्पूर्ण ग्रुप का सर्वोच्च स्वामी एवं नियंत्रक \*\*\* परिवार है। संबद्ध वस्तु में उनकी अंतर्ग्रस्तता के बावजूद मैट का प्रति उत्तर इस समूह कम्पनी अर्थात मैसर्स लिजांग व्हील ग्रुप लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है।

40. यद्यपि बाओडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने अपनी संबद्ध कंपनियों नामश: हीबेई लिजहांग नान-फेरस मेटल ग्रुप कंपनी लिमिटेड (कच्चे माल की संबंधित आपूर्तिकर्ता) िक्वनहुआंगडाओ डिाकामरी व्हील कंपनी लिमिटेड, टिआनजिन डिस्काटल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड और टियानखिन लिजहांग व्हील कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. ने अपेक्षित प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करके बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा किया है, तथापि, प्राधिकारी द्वारा किए गए स्थल सत्यापन के दौरान बाओडिंग लिजहांग व्हील्स गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एनएमई) दर्जे का खंडन नहीं कर सकी और वह अपने एमईटी दावे को दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा साक्ष्यांकित नहीं कर सकी और उसने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे (एमईटी) के अपने दावे को लिखित रूप में वापस ले लिया। प्राधिकारी ने यह स्थल सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी हेतु बाओडिंग लिजहांग व्हील्स को प्रदान की। तथापि, कंपनी ने ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की जो प्राधिकारी के विपरीत हो। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी चीन की ऊपर उल्लिखित कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान नहीं करते हैं।

# जिजियांग यूअलिंग कम्पनी लिमिटेड

- 41. मैट के उत्तर में उल्लेख किया है कि जिजियांग यूअलिंग कम्पनी लिमिटेड एक चीनी लिमिटेड कम्पनी है जिनमें चीन के सात बड़े लोगों का शेयर होल्डिंग है। जिजियांग यूअलिंग कम्पनी लिमिटेड की संबंधित कम्पनियां \*\*\*, \*\*\* तथा \*\*\* हैं। इनमें से जैसा कि मैट के उत्तर में उल्लेख किया है जिजियांग यूअलिंग कम्पनी लिमिटेड \*\*\* का वास्तविक नियंत्रक है। इसके अलावा जैसा कि वार्षिक लेखाओं में उल्लेख किया है, जिजियांग यूअलिंग कम्पनी लिमिटेड का पूर्व नाम यूअलिंग व्हील हब मैकिंग कम्पनी लिमिटेड है जिसकी स्थापना मई 1998 में की गई थी। सितम्बर 2010 में, यह उल्लेख किया है कि इस कम्पनी का नाम यूअलिंग व्हील हब मेकिंग कम्पनी लिमिटेड से बदलकर जिजियांग यूअलिंग कम्पनी लिमिटेड कर दिया गया था। जैसा कि मैट के उत्तर से स्पष्ट है, प्रतिवादी कम्पनी न केवल वेनलिंग सिटी बॉडी के अधीन है बिल्क इसे काफी मात्रा में सरकारी आर्थिक सहायता भी प्राप्त हुई है। इसके अलावा, ऐसा लगता है कि प्रतिवादी कम्पनी प्रथम श्रेणी के राज्य की स्वामित्व वाले उपक्रमों से प्रमुख कच्चा माल खरीद रही है।
- 42. स्थल सत्यापन करने से पहले झेजियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड को लिखित रूप में यह सूचित किया गया था कि वह स्थल सत्यापन के प्रयोजनार्थ संगत सूचना/अभिलेख तैयार रखे। स्थल सत्यापन के दौरान कंपनी से अनुरोध किया गया कि वह अपनी अवस्थापना, विकास तथा अपनी मूल/संबद्ध कंपनियों सिहत कंपनी के इतिवृत्त से संबंधित दस्तावेज प्रदान करके अपने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के दावे के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत करे। कंपनी से यह भी अनुरोध किया गया था कि वह अपनी शेयर धारिता, निवेश, क्रय बीजकों सिहत अचल पिरसंपित्तियों और मूल्यांकन रिपोर्टों, बैंक ऋण, यदि कोई हो, सिहत वित्तपोषण के स्रोतों के संबंध में दस्तावेजी विवरण भी प्रदान करे। उनसे पुन: यह कहा गया कि वह विद्युत आदि सिहत प्रमुख कच्चे माल और उपयोगी वस्तुओं की खरीद तथा चीन की सरकार से कंपनी को प्रापत परिदानों, जैसा कि उसकी वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, के ब्यौरों से संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध कराए। परंतु झेजियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड ने अपने बाजार अर्थव्यवस्था दावे के समर्थन में सत्यापन हेतु अपेक्षित दस्तावेज प्रदान करके सहयोग नहीं किया और न ही उन्होंने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एनएमई) दर्जे का पर्याप्त साक्ष्यांकित सूचना प्रदान करके खंडन किया है। इसके अतिरिक्त, स्थल सत्यापन के दौरान झेजियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड ने भारतीय क्रेताओं से संपूर्ण निर्यात अर्जन की रसीद भी दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में प्रदर्शित नहीं की और इसके परिणामस्वरूप प्राधिकारी ने निर्यात से संबंधित उनकी सूचना को भरोसेमंद नहीं माना। प्राधिकारी ने यह स्थल सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी करने हेतु झेजियांग यूलिंग कंपनी को प्रदान की। तथापि कपनी ने ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की जिससे प्राधिकारी के प्रेक्षणों का विरोध होता हो। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी झेजियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. को वर्तमान जांच में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जी प्रदान नहीं करते हैं।
- 43. जांच की गई कार्रवाई के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य तथा डिम्पंग मार्जिन के संबंध में की गई प्रस्तुतियां तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए तथ्य नीचे दिये गए हैं:
  - (i) पिछले तीस वर्षों के दौरान चीन में एक पूर्ण बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली स्थापित है। आज तक डब्ल्यू टी ओ के 97 सदस्यों ने चीन को पूर्ण बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना है तथा उसे भारत के प्राधिकारियों ने भी मान्यता दी जानी चाहिए। याचिकाकर्ता का यह तर्क कि चीन में सभी उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में कार्य कर रहे हैं, पूर्व कल्पना पर आधारित है तथा आधारहीन है।
  - (ii) याचिकाकर्ता द्वारा अपनी याचिका में निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत को सही नहीं माना जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता ने अपने परिकलन को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।
  - (iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी एंटी डम्पिंग नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 7 के संबंध में चीन के लिए सामान्य मूल्य के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया है।
  - (iv) याचिकाकर्ता द्वारा यह तर्क दिया गया है कि चूंकि चीन में एल्यूनियम की कीमतें राज्य के हस्तक्षेप को दर्शाती हैं अतः इस प्रकार की कीमतों पर स्वस्थ बाजार दरों के रूप में विचार नहीं किया जा सकता है। तथापि ईसी तथा आस्ट्रेलिया दोनों मामलों में प्राधिकारियों ने निष्कर्ष दिया है कि चीन में एल्मूनियम की बाजार कीमत एलएमई में एल्मूनियम की कीमत से कम है। इस प्रकार याचिकाकर्ता के तर्क को अस्वीकार किये जाने की आवश्यकता है।

- (v) याचिकाकर्ता का यह तर्क कि ईसी ने सिटिक डिकास्टल के वित्तीय स्थितियों में गंभीर विकृतियां पाई हैं, आधारहीन है। ईसी ने स्पष्ट रूप से बताया है कि सिटिक डिकास्टल ने मैट के मापदण्डों को पूरा किया है।
- (vi) बॉडिंग उन मानदण्डों को पूरा करता है जिसे बाजार अर्थव्यवस्था कम्पनी के रूप में माना जाता है तथा इसे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया जाए। डीजीएडी ने चीन के उन निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दे दिया है जिसने वैसी ही परिस्थितियों में कार्य किया है।
- (vii) ओईएम क्षेत्र एलॉय व्हील्स का सबसे बड़ा उपभोक्ता है तथा बाजार के बाद का क्षेत्र कुल भारतीय बाजार में एक बहुत छोटा हिस्सा है। चूंकि भारत में व्हीलों की कुल खरीद ओईएम द्वारा की जाती है अतः यह निर्णय ओईएम का है, न कि व्हील विनिर्माताओं का, जो व्हीलों के बाजार के बारे में निर्णय करता है। इसके अलावा, ओईएम में वैश्विक वैकल्पिक विनिर्माता शामिल होते हैं जो वैश्विक निविदा प्रक्रिया का सहारा लेते हैं। ऐसी स्थिति में यह नहीं कहा जा सकता है कि व्हीलों को भारत में इम्प किया जा रहा है।
- (viii) यह निर्णय कि पाटनरोधी जांच में शामिल होना किसी विशिष्ट पक्ष का निर्णय है तथा जीएमके द्वारा सहयोग को इस कारण से अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि सभी उत्पादकों जिनसे संबंद्ध वस्तुओं को सहयोगी निर्यातकों द्वारा खरीदा गया होगा, को जांच में भाग लेना चाहिए यद्यपि ऐसे उत्पादक निर्यातक से संबंधित नहीं हैं।
- (ix) मारूति सुजुकी लिमिटेड द्वारा थाईलैंड से अपने आयात के संबंध में प्रदान कराई गई सूचना को थाईलैंड के लिए पाटन एवं क्षति मार्जिन का निर्धारण करने हेतु सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के रूप में विचार किया जाना चाहिए।
- 44. घरेलू उद्योग द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य कीमत, निर्यात मूल्य तथा डिम्पिंग मार्जिन के संबंध में की गई प्रस्तुतियों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई तथ्य नीचे दिये गए हैं:
  - (i) चीन का कोई भी निर्यातक पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के अंतर्गत निर्धारित विभिन्न मानदण्डों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में विचार किये जाने के लिए पात्र नहीं है।
  - (ii) संबंद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत का प्रायः 50 से 55 प्रतिशत मुख्य कच्चा माल अर्थात एल्यूमिनियम के कारण है जो अत्यधिक राज्य हस्तक्षेप को दर्शाता है। इसके अलावा, ईयू तथा आस्ट्रेलिया के निष्कर्षों में भी चीन के निर्यातकों को बाजार अर्थव्यस्था के अंतर्गत कार्यरत के रूप में विचार नहीं किया गया।
  - (iii) बॉडिंग ने इस दावे पर अपना विश्वास रखा है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के लिए पूर्ण रूप से विदेशी स्वामित्व वाली एक कम्पनी है। लेकिन केवल स्वामित्व से राज्य के हस्तक्षेप के तत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। बॉडिंग ने चीन के उत्पादकों द्वारा ईयू में डम्प किये गये एआरडब्ल्यू से संबंधित हाल में यूरोपीय यूनियन द्वारा एक जांच के माध्यम से मैट को नहीं माना है। इस प्रकार बॉडिंग को केवल ईयू द्वारा लिये गये निर्णयों के तथ्यों के आधार पर एनएमई स्थितियों में कार्यरत के रूप में माना जाए।
  - (iv) डिकास्टल ने अत्यधिक विश्वसनीय आंकड़े प्रस्तुत किये हैं तथा इन्हें अस्वीकार किये जाने की आवश्यकता है डिकास्टल पर ईयू तथा आस्ट्रेलिया में पाटनरोधी शुल्क लग रहा है। यह विश्वास करने के पर्याप्त कारण है कि कम्पनी सभी विकासशील बाजारों पर पाटन कर रहा है।
  - (v) सिटिक डिकास्टल ने कहा है कि वे केवल ओईएम को आपूर्ति करते हैं। परन्तु सिटिक डिकास्टल द्वारा निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यह दर्शाया गया है कि उन्होंने भारत से असंबद्ध पक्षों से खरीदी गई एआरडब्ल्यू की आपूर्ति की है जो निर्यातक के इस दावे के प्रतिकूल है कि वे केवल ओईएम को आपूर्ति करते हैं क्योंकि ओईएम की पद्धति न केवल ओईएम से खरीदे गये उत्पादों को खरीदना है बल्कि उनकी खरीद विनिर्माण केन्द्रित होती है।
  - (vi) जीएम कोरिया कम्पनी द्वारा प्रश्नावली के संबंध में प्रस्तुत उत्तरों को उत्पादकों में से एक उत्पादक जिन्होंने जीएम कोरिया कम्पनी को सामग्री की आपूर्ति की है, के रूप में अस्वीकार किया जाना चाहिए क्योंकि इसमें कोई ईक्यूआर नहीं दी है तथा इस प्रकार निर्यात की श्रृंखला पूरी नहीं है।
  - (vii) चीन जन.गण. राज्य के एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था होने की स्थिति में सामान्य मूल्य चीन के उत्पादकों के लिए एक उपयुक्त प्रतिनिधि देश के रूप में भारत पर विचार करते हुए पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 के अनुबंध-1 के अनुसार समझा जाना चाहिए।
  - (viii) कोरिया गणराज्य में सामान्य मूल्य के लिए याचिकाकर्ता ने कोरिया के एक उत्पादक की मूल्य सूची पर भरोसा किया है। इस प्राधिकारी द्वारा भी उसी पर विश्वास किया गया क्योंकि कोरिया के निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना अपूर्ण और अविश्वसनीय है।
  - (ix) थाईलैंड के मामले में, थाईलैंड में उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के प्रयास किये गए थे हालांकि ऐसी कोई सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। वैकल्पिक रूप से थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य का

निर्धारण एलएमई दरों तथा थाईलैंड में बिजली की दरों के अनुसार एल्यूनियम की कीमत को शामिल कर भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर किया जाता है। वर्तमान जांच में निष्कर्षों पर पहुंचने के उद्देश्य से उस पर विचार किया जा सकता है।

- (x) काफी संख्या में आयातकों जिन्होंने वर्तमान जांच में भाग लिया है, ने किसी भी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। उसको देखते हुए निर्यातकों द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत विश्वसनीय प्रतीत नहीं होता है। प्राधिकारी को निर्यातकों द्वारा दावा की गई निर्यात कीमतों की तुलना भारतीय सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा रिपोर्ट की गई निर्यात कीमतों से करना चाहिए।
- (xi) मारूति का यह दावा कि थाईलैंड से आयातों के संबंध में उनके द्वारा प्रदान कराई गई सूचना को पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के रूप में माना जाए, एकपक्षीय और अविश्वसनीय है थाईलैंड से कोई उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में, थाई निर्यात के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा डिम्पिंग मार्जिन का निर्धारण याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सुचना के आधार पर किया जाये।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

- 45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन की वे कंपनियां, जिन्होंने एमईटी प्रत्युत्तर दायर किया है और वर्तमान जांच में सहयोग किया है और जिनकी सूचना का प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया है, दसतावेजी साक्ष्य देकर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रकल्पना का खंडन नहीं कर सकी। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में चीन की किसी भी कंपनी को एमईटी दर्जा प्रदान नहीं किया है।
- 46. चीन जन. गणराज्य में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबंद्ध वस्तुओं पर आस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय यूनियन में पाटनरोधी शुल्क भी लगता है। उनके अंतिम निष्कर्ष में आस्ट्रेलियाई प्राधिकारी ने इस आधार पर चीन की कम्पनियों को मैट की अनुमित नहीं दी कि चीन सरकार की कार्रवाई का सीधा प्रभाव चीन में एल्मूनियम की कीमतों के मूल्य पर पड़ा है जिससे इनकी कीमतों सरकार के हस्तक्षेप के बिना उनकी कीमतों की तुलना में कम हो गई। उसी प्रकार ईयू में प्राधिकारी ने इस आधार पर अपने अंतिम निष्कर्षों में चीन की कम्पनियों को मैट देने से इन्कार कर दिया कि चीन राष्ट्र की प्राथमिक एल्यूनियम कीमतों के निर्धारण में प्रमुख भूमिका है तथा यह अनेक प्रकार से लगातार बाजार में हस्तक्षेप करता है। इसके अलावा, जैसा कि ईयू नें पाया है, राज्य शंघाई प्रयूचर्स एक्सचेंज (एसएचएफई), जो चीन की पंजीकृत कम्पनियों तथा चीन के नागरिकों के लिए बंद एक्सचेंज है, में मूल्य निर्धारण तंत्रों के साथ हस्तक्षेप करता है तथा एसएचएफई में मूल्य निर्धारण तंत्रों के साथ राष्ट्र का हस्तक्षेप स्टेट रिजर्व ब्यूरो तथा राज्य के अन्य निकायों के माध्यम से प्राथमिक एल्यूनियम के केता और विक्रेता दोनों के रूप में संबद्ध है। इसके अलावा यह राष्ट्र एसएचएफई के नियमों के माध्यम से दैनिक आधार पर मूल्य की सीमा का निर्धारण करता है जिसे राष्ट्र के विनियामक, चीन सिक्युरिटीज रेग्यूलेटरी कमीशन द्वारा अनुमोदन किया गया है।
- 47. प्रमुख कच्चे माल की कीमतों के निर्धारण में सरकार के बहुत अधिक हस्तक्षेपों के अलावा ईयू ने सिटिक डिकास्टल और बॉडिंग लिजांग ग्रुप जैसे चीन की प्रमुख प्रतिवादी कम्पनियों की वित्तीय स्थिति में बहुत अधिक विकृतियां देखी हैं। सिटिक डिकास्टल और बॉडिंग लिजांग ग्रुप के संबंध में, ईयू के अंतिम निष्कर्ष में निम्नलिखित बातें सामने आई हैं।
  - (41) बॉडिंग लिजांग ग्रुप द्वारा यह दावा किया गया है कि मौलिक नियम के अनुच्छेद 2 (7) (ग) में स्पश्ट रूप से यह अपेक्षा है कि विकृतियां पूर्व के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली द्वारा उत्पन्न की गई; ग्रुप ने दावा किया है कि चूंकि यह निजी स्वामित्व वाले समूह के रूप में कथित रूप से हमेशा कार्य किया होगा, विकृतियां "पूर्व" गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली का परिणाम नहीं हो सकती है क्योंकि इस ग्रुप ने कभी भी राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनियों के रूप में कार्य नहीं किया है। इस तर्क को स्वीकार किया जा सकता है। जैसा कि वर्तमान मामले में सिद्ध है, कम्पनियों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति में किसी कम्पनी के राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनी के रूप में कार्य करने अथवा न करने पर ध्यान दिये बिना पूर्व की गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त व्यापक विकृतियां हो सकती हैं।
  - (42) इसके अलावा, बॉडिंग लिजांग ग्रुप, वाईएचआई मैन्यूफैक्चरिंग (शंघाई) कम्पनी लिमिटेड तथा सिटिक डिकास्टल ने अनंतिम विनियमन लागू करने के पूर्व प्रस्तुत स्तर को दोहराया है और इस तथ्य आधार पर जोर डाला है कि इन कम्पनियों द्वारा प्राप्त लाभ बहुत अधिक नहीं है। तथापि अनंतिम विनियमन के उद्धृरण (50) में यथा उल्लिखित, जांच से यह तथ्य सामने आया है कि इस ग्रुप की वित्तीय स्थिति में विकृतियां बहुत अधिक थी। (बल दिया गया)
  - "(53) सिटिक डिकास्टल के संबंध में, यह राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनी है जिस पर सीधा नियंत्रण राज्य का है (इसके अधिकांश शेयर राज्य के हैं)। राज्य का हस्तक्षेप इतना है कि यह उन उपायों को घुमा फिराकर अनुमति दे देता है यदि इसे अलग दर पर शुल्क प्राप्त हो। अन्य शब्दों में, राज्य के नियंत्रण वाली अन्य कम्पनियों के उत्पादन को सिटिक डिकास्टल के माध्यम से पुनः भेजा जा सकता है। सिटिक डिकास्टल द्वारा प्रस्तुत अन्य तर्क के संबंध में, यह तथ्य कि यह विशिष्ट रूप से ओईएम बाजार में कार निर्माताओं को आपूर्ति करता है इससे भविष्य में अन्य ग्राहकों को आपूर्ति करने

से इसे नहीं रोकता है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सिटिक डिकास्टल को आईटी नहीं दिया जाना चाहिए।"

- 48. जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षों के इस तर्क का प्रश्न है कि याचिकाकर्ता को अपनी याचिका में की गई सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत को यथार्थ के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता ने अपने परिकलन को सही ठहराने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है, प्राधिकारी नोट करता है कि वर्तमान जांच आवेदक द्वारा प्रस्तुत पाटन, क्षित तथा कारणात्मक संबंध के प्रथमदृश्टया साक्ष्यों के आधार पर शुरू की गई थी। तथापि, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ देश को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानते हुए किया है।
- 49. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों का यह तर्क कि ओईएम क्षेत्र एलॉय व्हील्स का सबसे बड़ा उपभोक्ता है तथा बाजार के बाद का क्षेत्र कुल भारतीय बाजार में एक बहुत छोटा हिस्सा है और अतः यह निर्णय ओईएम का है न कि व्हील विनिर्माताओं का, जो व्हीलों के बाजार के बारे में निर्णय करता है। इसके अलावा, ओईएम में वैश्विक वैकल्पिक विनिर्माता शामिल होते हैं जो वैश्विक निविदा प्रक्रिया का सहारा लेते हैं और न कि डम्प करने का प्राधिकारी नोट करता है कि इस निष्कर्ष में यथा उल्लिखित जांच के तथ्य इस संबंध में स्वतः स्पष्ट हैं।

# ज. सामान्य मूल्य का निर्घारण चीन जन. गणराज्य में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्घारण

- 50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गणराज्य से नमूने के रूप में कोई भी उत्पादक/ निर्यातक को इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 6 के संबंध में चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति के अंतर्गत कार्य करता हुआ नहीं पाया गया है। इन परिस्थितियों में यह प्राधिकारी चीन की उपुर्यक्त कम्पनियों पर इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के प्रावधानों को लागू करने की स्थिति में नहीं है तथा यह प्राधिकारी इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाही करेगा।
- 51. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देशों में मूल्य अथवा निर्धारित मूल्य अथवा भारत सिहत अन्य देशों से ऐसे तीसरे देष से मूल्य अथवा जहां यह संभव नहीं हो अथवा किसी अन्य तार्किक आधार पर जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत जिसकी आवश्यकता पड़ने पर उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित किया गया हो, के आधार पर किया जायेगा।"

- 52. इन नियमों के अनुसार चीन जन गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी भी आधार पर किया जा सकता है:
  - क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में मूल्य के आधार पर अथवा
  - ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्धारित मूल्य के आधार पर अथवा
  - ग) भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों से मूल्य के आधार पर
  - घ) यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर नहीं किया जा सकता है तब नामित प्राधिकारी उचित लाभ निर्दिष्ट शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत सहित किसी अन्य तार्किक आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकता है।
- 53. यह प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए, घरेलू बिक्री अथवा तीसरे देष के निर्यात बिक्री तथा तीसरे देश में ऐसे उत्पादकों के उत्पादों तथा सहयोग की लागत संबंधी पूर्ण और व्यापक आंकड़े अपेक्षित हैं। इन बाजारों में प्रचलित मूल्यों और लागतों के संबंध में कोई ऐसी सूचना न तो आवेदक अथवा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दी गई है और न ही किसी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना प्राप्त की जा सकती है और न ही उत्तर देने वाले चीन की कम्पनियों ने इस समय उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में कोई दावा किया है। इन मामलों में अंतिम निर्धारण के उद्देश्य से यह प्राधिकारी किसी अन्य तार्किक आधार पर सामान्य मूल्य को निर्धारित करेंगे।
- 54. यह प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के दूसरे परन्तुक के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करते हैं। तदनुसार विचाराधीन उत्पाद का एक्सवर्क्स सामान्य मूल्य का निर्धारण तर्कसंगत लाभ और प्रमुख कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को जोड़कर घरेलू उद्योग की बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च तथा लाभ को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित उत्पादन के निर्धारित लागतों के आधार पर किया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अमेरिकी डॉलर/ प्रति किग्रा. है।

कोरिया गणराज्य तथा थाईलैंड में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण कोरिया गणराज्य में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 55. धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का आशय निम्नलिखित है:
  - (i) समान वस्तु जब उसका आशय उप धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में खपत से हो, के लिए सामान्य व्यापार की स्थिति में तुलनीय कीमत अथवा
  - (ii) निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलु बाजार में बाजार की सामान्य स्थिति में समान वस्तुओं की कोई बिक्री न होती हो अथवा जब किसी खास बाजार स्थिति अथवा निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलु बाजार में बिक्री की मात्रा कम हो तब ऐसी बिक्री के लिए उचित तुलना की अनुमति नहीं हो, सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :
    - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उप धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा क्षेत्र अथवा किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात किया गया हो
    - (ख) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उचित वृद्धि के साथ-साथ मूल देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत।

बशर्ते कि मूल देश के अलावा किसी देश जहां इस वस्तु को केवल निर्यातक देश से लदान करके लाया गया है अथवा ऐसी वस्तु निर्यातक देश में उत्पादित न हो, से इस वस्तु के आयात के संबंध में, निर्यातक देश में कोई तुलनीय मूल्य न हो, सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश में इसकी कीमत के संबंध में किया जायेगा।

- 56. कोरिया गणराज्य से नमूने लिये गए निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक के प्रश्नावली का उत्तर दिया है।
  - अर्टिसन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमिटेड (उत्पादक)
  - ii. जीएम कोरिया कम्पनी (निर्यातक)
  - iii. हैंड्स कोरपोरेशन (निर्यातक)
  - iv. हुन्डेई ग्लोविस कम्पनी लिमिटेड (निर्यातक)
- 57. प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच परिणाम में अच्छी तरह से उल्लिखित कारणों से मैसर्स जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गणराज्य (निर्यातक) तथा मैसर्स अर्टिसन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमिटेड, कोरिया गणराज्य (उत्पादक) द्वारा प्रस्तुत उत्तरों को स्वीकार नहीं किया है। जहां तक हैंड्स कोरपोरेशन और हुन्डेई ग्लोविस कम्पनी लिमिटेड का संबंध है, वे कोरिया गणराज्य में संबंद्ध वस्तुओं के उत्पादक नहीं हैं और चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित संबंद्ध वस्तुओं के निर्यातक हैं। इस स्थिति को देखते हुए कोरिया गणराज्य से सहकारी उत्पादक/निर्यातक के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण संभव नहीं है। इसके अतिरिक्त, जांच की अविध के दौरान कोरिया आरपी में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के संबंध में सूचना, पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत यथानिर्धारित, किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है और न ही सार्वजनिक रूप से उस तक पहुंच बनाई जा सकी है। अतः कोरिया गणराज्य से उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य को तर्कसंगत लाभ और प्रमुख कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को जोड़कर घरेलू उद्योग की बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा लाभ शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित उत्पादन की आंकलित लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है। इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\*अमरीकी डॉलर/प्रिति किग्रा. है।

# थाईलैंड में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

58. चूंकि थाईलैंड से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और जांच की अविध के दौरान थाईलैंड में संबद्ध वसतु के सामान्य मूल्य के संबंध में कोई सूचना, पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत यथानिर्धारित, िकसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है और नहीं सार्वजनिक रूप से उस तक पहुंच बनाई जा सकी है, इसलिए प्राधिकारी द्वारा थाईलैंड में उत्पादकों/निर्यातकों के प्रमुख कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार करते हुए और तर्कसंगत लाभ को जोड़कर घरेलू उद्योग की बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय को शामिल करते हुए, विधिवत समायोजन करके किया गया है। थाईलैंड के लिए प्राधिकारी द्वारा इस तरह निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डॉलर/प्रति किग्रा. है।

## झ. निर्यात कीमत

## चीन जन.गण. के नमूनाशुदा निर्यातक

- क) सिटिक डिस्काटल लिमिटेड, चीन जन.गण.
- 59. सिटिक डिस्काटल द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के उनके कुल निर्यात का 75 प्रतिशत उसके मैसर्स \*\*\* और \*\*\* नमक दो असंबद्ध निर्यातकों से आउटसोर्स किया गया था। कंपनी ने दावा किया है कि यह आउटसोर्सिंग या तो तत्काल अत्यावश्यक आर्डरों को पूरा करने के लिए की गई थी अथवा संगत रूप से उन छोटे-छोटे आर्डरों को पूरा करने

के लिए की गई थी जिन्हें स्वयं के उत्पादन हेतु कंपनी के लिए लाभदायक नहीं माना गया। प्रारंभिक जांच के स्तर पर प्राधिकारी ने सत्यापन लंबित होने के कारण सिटिक डिस्काटेल द्वारा दावाकृत निर्यात कीमत को स्वीकार नहीं किया था। स्थल सत्यापन के दौरान कंपनी ने अपने पुराने तर्क को ही पुन: दोहराया और यह सूचित किया कि भारतीय ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए इस कंपनी को दीर्घकालिक सहयोग युक्त चीन के अपने कुछ असंबद्ध उत्पादकों से वस्तु की खरीद करनी पड़ी थी। परंतु कंपनी इस तथ्य को न्यायोचित नहीं ठहरा सकी कि उन उत्पादकों ने, जिनके साथ उनका दीर्घकालिक सहयोग है, वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर क्यों नहीं किया है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए सिटिक डिस्काटल द्वारा जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों की भारी मात्रा (75 प्रतिशत) के संबंध में संपूर्ण मूल्य शृंखला के अभाव, के परिणामस्वरूप प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सिटिक डिस्काटल द्वारा दावाकृत निर्यात कीमत को भरोसेमंद के रूप में नहीं माना जा सकता है। प्राधिकारी ने स्थल सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी हेतु सिटिक डिस्काटल को प्रदान कराई। तथापि, कंपनी ने ऐसी कोई टिप्पणी प्रदान नहीं की जिससे प्राधिकारी के प्रेक्षणों का विरोध होता हो। इसलिए प्राधिकारी सिटिक डिस्काटल लिमिटेड, चीन जन.गण. द्वारा दावाकृत निर्यात कीमत को विश्वसनीय कीमत के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं ओर कंपनी को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं

# ख) झेजियांग आटोम एल्युमिनियम व्हील्स कंपनी लिमिटेड

- 60. झेजियांग आटोम एल्युमिनियम व्हील्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. ने जांच की अविध के दौरान भारत को कुल \*\*\* यूएस डालर बीजक मूल्य की \*\*\* एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात करने का दावा किया है। चूंकि कंपनी द्वारा दावाकृत बीजक मूल्य प्राधिकारी के पास उपलब्ध खेपवार सीमाशुल्क आंकड़ों से मेल नहीं खाता है, और उसे निर्यातक द्वारा दावाकृत कीमत की तुलना में प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ अत्यधिक न्यूनतर पाया गया, इसलिए प्राधिकारी ने कंपनी के संबंध में निवल निर्यात कीमत का निर्धारण प्राधिकारी के पास उपलब्ध सीमाशुल्क आंकड़ों के आधार पर, निर्यातक द्वारा यथा दावाकृत उचित समायोजन करने के पश्चात किया गया है।
- 61. स्थल सत्यापन के दौरान कंपनी, भारतीय क्रेताओं से कंपनी द्वारा संपूर्ण निर्यात अर्जन की प्राप्ति का कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्शित नहीं कर सकी। प्राधिकारी ने स्थल सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी करने हेतु झेजियांग आटोम को प्रदान की। तथापि, कंपनी ने ऐसी कोई टिप्पणी प्रदान नहीं की जिससे प्राधिकारी द्वारा किए गए प्रेक्षणों का विरोध होता हो। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी झेजियांग आटोम एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड द्वारा दावाकृत निर्यात कीमत को भरोसेमंद के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं और इसलिए कंपनी को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

# ग. झेजियांग बुयांग आटो व्हील्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.

- 62. झेजियांग बुयांग आटो व्हील्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. ने जांच की अविध के दौरान भारत को \*\*\* एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात करने का दावा किया है। चूंकि कंपनी द्वारा दावाकृत बीजक मूल्य प्राधिकारी के पास उपलब्ध खेपवार सीमाशुल्क आंकड़ों से मेल नहीं खाता है, और उसे निर्यातक द्वारा दावाकृत कीमत की तुलना में प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ अत्यधिक न्यूनतर पाया गया, इसलिए प्राधिकारी ने कंपनी के संबंध में निवल निर्यात कीमत का निर्धारण प्राधिकारी के पास उपलब्ध सीमाशुल्क आंकड़ों के आधार पर, निर्यातक द्वारा यथा दावाकृत उचित समायोजन करने के पश्चात किया गया है।
- 63. स्थल सत्यापन के दौरान कंपनी, भारतीय क्रेताओं से कंपनी द्वारा संपूर्ण निर्यात अर्जन की प्राप्ति का कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्शित नहीं कर सकी। प्राधिकारी ने स्थल सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी करने हेतु झेजियांग आटोम को प्रदान की। तथापि, कंपनी ने ऐसी कोई टिप्पणी प्रदान नहीं की जिससे प्राधिकारी द्वारा किए गए प्रेक्षणों का विरोध होता हो। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी झेजियांग बुयांग आटो व्हील्स कंपनी लिमिटेड द्वारा दावाकृत निर्यात कीमत को भरोसेमंद के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं और इसलिए कंपनी को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

# घ. झेलियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड

- 64. झेलियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. ने जांच की अविध के दौरान भारत को \*\*\* यूएस डालर कुल बीजक मूल्य की \*\*\* एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात करने का दावा किया है। चूंकि कंपनी द्वारा दावाकृत बीजक मूल्य प्राधिकारी के पास उपलब्ध खेपवार सीमाशुल्क आंकड़ों से मेल नहीं खाता है, और उसे निर्यातक द्वारा दावाकृत कीमत की तुलना में प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ अत्यधिक न्यूनतर पाया गया, इसलिए प्राधिकारी ने कंपनी के संबंध में निवल निर्यात कीमत का निर्धारण प्राधिकारी के पास उपलब्ध सीमाशुल्क आंकड़ों के आधार पर, निर्यातक द्वारा यथा दावाकृत उचित समायोजन करने के पश्चात किया गया है।
- 65. स्थल सत्यापन के दौरान कंपनी, भारतीय क्रेताओं से कंपनी द्वारा संपूर्ण निर्यात अर्जन की प्राप्ति का कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्शित नहीं कर सकी। प्राधिकारी ने स्थल सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी करने हेतु झेजियांग आटोम को प्रदान की। तथापि, कंपनी ने ऐसी कोई टिप्पणी प्रदान नहीं की जिससे प्राधिकारी द्वारा किए गए प्रेक्षणों का विरोध होता हो। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी झेजियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा दावाकृत निर्यात कीमत को भरोसेमंद के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं और इसलिए कंपनी को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

# ड. बाओडिंग लिझांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड और हुन्डई ग्लोविस, कोरिया आरपी और हुन्डई मोबिस, हांग-कांग के जरिए।

66. कंपनी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/सूचना का प्राधिकारी द्वारा स्थल सत्यापन किया गया। यह सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणियों हेतु कंपनी को प्रदान कराई गई। सत्यापन के पश्चात, कंपनी ने कोई संगत टिप्पणी प्रदान नहीं की। सत्यापित आंकड़ों के आधार पर यह पाया गया कि बाओडिंग लिझांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. ने जांच की अविध के दौरान भारत को \*\*\* यूएस डालर बीजक मूल्य के \*\*\* एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात प्रत्यक्षत: और \*\*\* यूएस डालर बीजक मूल्य की \*\*\* एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात अपने निर्यातकों के जरिए अर्थात हुन्डई ग्लोविस कोरिया आरपी तथा हुन्डई मोबिस, हांग-कांग के जरिए किया था। प्राधिकारी ने अंतरदेशीय भाड़ा, पत्तन एवं प्रहस्तन के कारण समायोजन किया है और उक्त समायोजन करने के पश्चात \*\*\* यूएस डालर/किग्रा के रूप में फैक्टरी बाह्य भारित औसत निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

#### चीन जन गण. के अन्य निर्यातक

67. चीन जन.गण. के असहयोगकर्ता निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) में उल्लिखित शर्तों के आधार पर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया है। तदनुसार, चीन जन.गण. के असहयोगकर्ता निर्यातकों के संबंध में निवल निर्यात कीमत का निर्धारण, समुद्री भाड़ा, समुद्रपारीय बीमा, पत्तन व्ययों, अंतरदेशीय भाड़ा, बैंक प्रभारों तथा ऋण लागत आदि के कारण विधिवत समायोजन करने के पश्चात प्राधिकारी द्वारा \*\*\* यूएस डालर/किग्रा के रूप में किया गया है।

#### कोरिया आरपी के निर्यातक

- 68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया आरपी के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने नमूना प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तृत किया है :
- क. आरटीजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि., वांजू गन, चुनबुक, कोरिया गण (उत्पादक)
- ख. जीएम कोरिया कम्पनी बूपियांग गू, इनचियन, कोरिया गण (निर्यातक)
- ग. हैंड कारपोरेशन, गाजवा डांग सीओगू, इनचियन, कोरिया गण (उत्पादक)
- घ. हुनडेई ब्लोविस कम्पनी लिमि., गंगनाम गू, सीओल, कोरिया गण (निर्यातक)
- 69. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि कोरिया गण के ऊपर सूचीबद्ध सभी उत्पादकों और निर्यातकों को नमूना प्रक्रिया में चुना गया है।
- 70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया गण के उपर्युक्त उत्पादकों/निर्यातकों में से हैंड कारपोरेशन (उत्पादक), जिसकी संबंद्ध वस्तु के बारे में हुनडेई ग्लोबिस कम्पनी लिमिटेड द्वारा निर्यात किये जाने का दावा किया गया था, ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। तथापि हुनडेई ग्लोबिस कम्पनी लिमिटेड, कोरिया गण ने नमूना प्रश्नावली भी दायर की और बाद में चीन के उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात बाओडिंग लिझोंग व्हील मैन्यफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, चीन जन गण के साथ निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया।
- 71. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण ने कोरिया के दो उत्पादकों अर्थात आर्टिजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमिटेड तथा डेयू स्मार्ट एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित संबंद्ध वस्तु के निर्यात का दावा करते हुए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। कोरिया गण के उपर्युक्त उत्पादकों में से यद्यपि आर्टीजन स्प्रिट एंड एलॉक कम्पनी लिमिटेड ने प्राधिकारी द्वारा नमूना लिये जाने के बाद नमूना प्रश्नावली और निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर भी दायर किया है तथापि अन्य उत्पादक अर्थात डेयू स्मार्ट एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड, कोरिया गण ने नमूना प्रश्नावली दायर नहीं की और इसलिए प्राधिकारी ने उसका नमूना नहीं लिया। डेयू स्मार्ट एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड, कोरिया गण द्वारा उत्पादित संबंद्ध वस्तु का जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण द्वारा किया गया निर्यात जांच अविध के दौरान जीएम कोरिया कम्पनी द्वारा भारत को किये गये कुल निर्यातकों के 1 प्रतिशत से कम बनता है जबिक डेयू स्मार्ट एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड, कोरिया गण द्वारा उत्पादित संबंद्ध वस्तु का 99 प्रतिशत निर्यात करने वाले जीएम कोरिया कम्पनी ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण द्वारा और आर्टीजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी द्वारा उत्पादित वस्तु के निर्यात कीमत को कम्पनी द्वारा जांच अविध के दौरान भारत को किये गये कुल निर्यातों की निर्यात कीमत की प्रतिनिधिक नहीं मानते हैं। अतः प्राधिकारी जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण (निर्यातक) और आर्टीजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमिटेड, कोरिया गण (उत्पादक) द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर स्वीकार नहीं करते हैं। इसके अलावा यह नोट किया जा सकता है कि मैसर्स आर्टीजन स्प्रट एंड एलॉय कम्पनी लिमिटेड (उत्पादक) ने पर्यात अवसर दिये जाने के बावजूद

प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रशिष्टों के अनुसार लागत/कीमत निर्धारण के संबंध में सूचना दायर नहीं की है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने मैसर्स आर्टीजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि. (उत्पादक) का उत्तर स्वीकार नहीं किया है।

72. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि बाओडिंग लिझोंग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, चीन जन गण द्वारा उत्पादित संबंद्ध वस्तु का हुनडेई ग्लोबिस कम्पनी लिमिटेड, कोरिया गण द्वारा किये गये निर्यात को छोड़कर कोरिया गण का कोई भी निर्यातक विशिष्ट निर्यात कीमत का पात्र नहीं है और इसलिए ये अविशष्ट श्रेणी में आते हैं। कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, अंतरदेशी भाड़े, बैंक प्रभारों और ऋण लागत के लिये समायोजन किये हैं। तदनुसार, कोरिया गण के मामले में कारखाना स्तर पर निबल निर्यात कीमत \*\*\* अम. डॉ. प्रति किग्रा. निर्धारित की जाती है।

## थाईलैंड के निर्यातक

73. थाईलैंड के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए थाईलैंड के मामले में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया है। कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, अंतरदेशी भाड़े, बैंक प्रभारों और ऋण लागत के लिये समायोजन किये हैं। तदनुसार, थाईलैंड के मामले में कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति किग्रा. निर्धारित की जाती है।

#### ञ. पाटन मार्जिन

# चीन जन गण के नमूनाशुदा निर्यातक

74. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यातक की कीमत पर विचार करते हुए चीन जन गण के नमूनाशुदा निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

			0.5		- ·	~		~
豖.	निर्यात	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य	निर्यात	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन -	पाटन मार्जिन
सं.	का			मूल्य - अम.	मूल्य -	- अम. डॉ. /	%	रेंज - %
	माध्यम			डॉ. / किग्रा	अम. डॉ. /	किग्रा	, ,	
					किग्रा			
1	चीन- भारत	<b>बाओडिंग</b> लिझांग व्हील्स	बाओडिंग लिझांग		1021			
		मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी	व्हील्स मैन्यूफैक्च					
		लिमिटेड, चीन	रिंग कंपनी					
		जन.गण.	लिमिटेड,					
			चीन					
			जन.गण.	***	***	***	***	45-55
2	चीन- हांगकांग	<b>बाओडिंग</b> लिझांग व्हील्स	हुंडई ग्लोविस					
	_	मैन्यूफैक्चरिंग	कंपनी					
	कोरिया	कंपनी	लिमिटेड					
	– भारत	लिमिटेड, चीन	कोरिया					
	- 41(0	जन.गण.	आरपी					
			हुन्डई मोविस					
			हांगकांग	***	***	***	***	45-55
3	बाओडिंग	लिझांग व्हील मैन्यू	फैक्चरिंग					
		मिटेड, चीन जन.ग	•					
	भारित			***	***	***	***	45-55

# चीन जन गण के गैर नमूनाशुदा निर्यातक

75. निम्नलिखित निर्यातकों जिन्होंने नमूना प्रश्नावली के उत्तर में स्वयं की पहचान बताई परन्तु जिनका प्राधिकारी द्वारा नमूना नहीं लिया गया, के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 18 (2) के अनुसार उपर्युक्त नमूनाशुदा निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन के भारित औसत के आधार पर किया गया है। चीन जन.गण. के गैर नमूनाशुदा निर्यातकों के संबंध में का निर्धारण पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार है।

<del>क्र</del> .	विवरण	पाटन		
सं.		मार्जिन -		
		अम. डॉ.	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
		/किग्रा	- %	रेंज - %
	सियेन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई) कंपनी लि., शंघाई, चीन जन. गण.			
1	(उत्पादक) एवं शंघाई जर्नल मोटर्स कोरपोरेशन लि. पूडॉग, शंघाई, चीन			
	जन.गण. (निर्यातक)			
	झिजियांग बओकांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लि., शंघाई टाउन, बुई			
2	झिजियांग, चीन जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
	झिजियांग जेंट ऑटो व्हील कंपनी लि., योंगकॉग सिटी, झिजियांग, चीन			
3	जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
4	झिजियांग जिनफेईकेडा व्हील कंपनी लि., जिनहूआ सिटी, झिजियांग, चीन			
4	जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
_	वियूक्सी सिटी वानएक्यॉग मैटल प्रोडेक्षन कंपनी लि., वूएक्सी सिटी,			
5	जिअंग्स्, चीन जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
0	झिजियांग शुगुआंग इंडस्ट्रीरियल कपंनी लि., वूयी, झिजियांग चीन			
6	जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
7	एक्सीनयांग हेनगडे ऑटो पाटर्स कंपनी लि., एक्सीनयांग, हूबेई प्रोविन्स,			
7	चीन जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
	कुनशांग लियूफेंग मषीनरी इंडस्ट्री कंपनी लि., सूजोउ सिटी, जिआंग्यू	***	***	
	प्रोविन्स, चीन जन.गण. (उत्पादक) एवं लिओ फूंग इन्टरनेशनल	***	***	
8				
	कारपोरेशन, कुनशान डेवेलपमेंट जॉन, जिआंगसू प्रोविन्स, चीन जन.गण.			
	(निर्यातक)			45-55

## चीन जन गण के अन्य सभी निर्यातक

76. प्राधिकारी द्वारा चीन जन गण के अन्य सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

	सामान्य मूल्य	निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन		
	- अम. डॉ.	- अम. डॉ.	- अम. डॉ.	पाटन मार्जिन	
विवरण	/किग्रा	/किग्रा	/किग्रा	- %	पाटन मार्जिन रेंज - %
सभी अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	60-70

#### कोरिया गणराज्य के मामले में पाटन मार्जिन

# हुनडेई ग्लोविस कम्पनी लिमि., कोरिया गण (निर्यातक), हुनडेई मोबिस, हाँग काँग (निर्यातक) और बाओडिंग लिझांग, व्हील मन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि., चीन जन गण (उत्पादक) के लिए पाटन मार्जिन

77. प्राधिकारी द्वारा हुनडेई ग्लोविस कम्पनी लिमि., कोरिया गण (निर्यातक), हुनडेई मोबिस, हॉग कॉग (निर्यातक) और बाओडिंग लिझांग, व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि., चीन जन. गण. (उत्पादक) के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण उसी प्रकार किया गया है जैसा कि उत्पादक बाओडिंग लिझांग, व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लि., चीन जन. गण. के मामले में किया जा चुका है।

## कोरिया गण के अन्य सभी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन

78. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात की कीमत की तुलना करते हुए कोरिया गण के संबंध में प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर किया गया है:

विवरण	सामान्य मूल्य - अम. डॉ.	निर्यात मूल्य - अम. डॉ.	पाटन मार्जिन - अम. डॉ.	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
	/किग्रा	/किग्रा	/किग्रा		
सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	25-35

## थाईलैंड के मामले में पाटन मार्जिन

79. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात की कीमत की तुलना करते हुए थाईलैंड के संबंध में प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर किया गया है :

	सामान्य मूल्य - अम. डॉ./	निर्यात कीमत - अम.	पाटन मार्जिन - अम. डॉ./	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
विवरण सभी उत्पादक/निर्यातक	किग्रा ***	डॉ./ किग्रा ***	किग्रा ***	***	20-30

# ट. क्षति निर्घारण की कार्यप्रणाली और क्षति तथा कारणात्मक संबंध की जांच उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 80. जांच की कार्रवाई के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरण निम्नानुसार है :
  - i) चीन से आयातों में वृद्धि भारत में उच्च मांग तथा भारतीय व्हील उद्योग की अपर्याप्त आपूर्ति क्षमता के बीच भारी अंतर का नसैर्गिक परिणाम है। एक बड़े भाग रखने का दावा करने वाली याचिकाकर्ता कम्पनी (भले ही गलती से) एआरडब्ल्यू की कुल भारतीय मांग के आधे भाग की पूर्ति करने में भी समर्थ नहीं है क्योंकि यह एक ईओयू इकाई है और यह अपनी वस्तु के कम से कम 50 प्रतिशत का निर्यात करने के लिए और सकारात्मक एनएफई प्राप्त करने के लिए बाध्य है। इसके परिणामस्वरूप जब मांग उत्पन्न होती है तो डीटीए में बिक्री करने के लिए आगे तक आवेदक घरेलु उत्पादक को विकास आयुक्त से अनुमति न मिलने पर उपभोक्ता अन्य घरेलू उत्पादकों से संबंद्ध वस्तु की खरीद करने अथवा आयात करने के लिए बाध्य हो जाते हैं।
  - ii) क्षति मार्जिन 22 प्रतिशत पूंजी आय दर क्षति रहित कीमत के उचित परिकलन हेतु काफी अधिक है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को उस अवधि के दौरान जब पाटन का कोई आरोप नहीं था, घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित वास्तविक लाभ को उचित आय की गणना के आधार के रूप में अपनाना चाहिए।
  - iii) डीजीएडी को कमतर शुल्क नियम लागू करने हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ।।। के अनुसार कार्यप्रणाली अपनानी चाहिए जो घरेलू उद्योग को अनुचित लाभ देने के लिए अत्यंत स्वैच्छिक है।
  - iv) याचिकाकर्ता द्वारा अमरीका में अपनी सहायक कम्पनी को एआरडब्ल्यू का निर्यात किया जा रहा है और वह भारी घाटा उठा रहा है। यह नोट किया जाता है कि एआरडब्ल्यू के निर्यात हेतु वर्ष 2010-11 के लिए उसकी अमरीकी सहायक कम्पनी पर भारी राशि बकाया है। अतः याचिकाकर्ता का यह दावा गलत है कि याचिकाकर्ता ने निर्यात बाजार में भारी वृद्धि दर्ज की है।

- v) डीजीएडी के लिए न केवल याचिकाकर्ता कम्पनी अपितु बाजार में अन्य घरेलू उत्पादकों के आंकड़ों की जांच करनी अपेक्षित होती है। जैसा कि याचिकाकर्ता ने बताया है बाजार में 5 उत्पादक हैं। ऐसा मामला होने के कारण डीजीएडी द्वारा अन्य उत्पादकों के बारे में याचिकाकर्ता को सूचना प्रस्तुत करने अथवा क्षति के मूल्यांकन के प्रयोजनार्थ आवश्यक सूचना प्रदान करने का निर्देश दिया जाना चाहिए।
- vi) याचिकाकर्ता ने किसी औचित्य के बिना अर्द्ध तैयार एआरडब्ल्यू को उत्पाद के दायरे में शामिल किया है। अर्द्ध तैयार एआरडब्ल्यू का वजन अधिक होता है और तैयार एआरडब्ल्यू की तुलना में उनकी लागत कम होती है और इसलिए उसे क्षति विश्लेषण से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए।
- vii) यद्यपि क्षति अवधि के दौरान आयात की कीमत में वृद्धि हुई है तथापि समूची क्षति अवधि के दौरान याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत स्थिर रही है। अतः याचिकाकर्ता के इस दावे में कोई दम नहीं है कि पाटित आयातों से लाभप्रदता उसकी बिक्री की कीमत में वृद्धि करने की अक्षमता प्रभावित हो रही है। कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।
- viii) उत्पादन, उत्पादन क्षमता, बिक्री, रोजगार, उत्पादकता (प्रतिदिन और प्रति कर्मचारी) आदि में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति में कोई दम नहीं है।
- ix) याचिकाकर्ता कोई आरोपित क्षति का मूल कारण संबंद्ध वस्तु का पाटन नहीं है बल्कि यह विद्युत आपूर्ति, घरेलु बिक्री को प्रभावित करने वाला निराशाजनक निर्यात निष्पादन, अन्य घरेलु उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा, विनिमय दर में घट-बढ़, ओईएम बाजार के गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में अक्षमता आदि जैसे अन्य कारकों के कारण हुई है।
- संबंद्ध वस्तु के लिए दो विशिष्ट बाजार खंड ओईएम खंड और बाजार पश्चात खंड हैं। ओईएम खंड की गितशीलता बाजार पश्चात खंड से पूर्णता भिन्न है और इसीलिए क्षिति विश्लेषण अलग से करने की जरूरत है। आस्ट्रेलिया ने अपनी जांच परिणाम में ओईएम तथा बाजार पश्चात दोनों खंडों के लिए अलग-अलग क्षिति एवं कारणात्मक संबंध का विश्लेषण किया है। ओई बिक्रियां आपूर्तिकर्ता तथा ओई क्रेताओं के बीच दीर्घावधि संविदा द्वारा शासित होती हैं। इसके विपरीत एएम बाजार खंड में बिक्री ऐसे किसी संविदागत दायित्व के अधीन नहीं होती हैं इस प्रकार वह कीमत संवेदनशील होती है।
- xi) ओई बाजार खंड में व्हीलों में ओई क्रेताओं के आईपीआर अनिवार्यता शामिल होते हैं जबिक एएम में ये अधिकार संविदा की शर्तों के अनुसार आपूर्तिकर्ता या क्रेता के पास हो सकते हैं। किसी भी मामले में महत्वपूर्ण बिन्दु यह है कि दोनों बाजार खंडों की विशेषता आईपीआर स्वामित्व की अलग पद्धति से चिन्हित होती हैं।
- xii) घरेलू उद्योग दो अलग-अलग और विशिष्ट बाजार खंडों अर्थात मूल उपकरण बाजार खंड (ओई) प्रतिस्थापन अथवा बिक्री पश्चात बाजार खंड (एएम) की मौजूदगी के बारे में संगत सूचना प्रस्तुत करने में विफल रहा। ओई बाजार खंड में विनिर्माताओं द्वारा बेचे गये व्हीलों में एएम हेतु विशेष रूप से विनिर्मित वस्तु की तुलना में भिन्न तकनीकी विनिर्देशन, डिजाइन, ब्रांडिंग और स्टाइलिंग होती हैं।
- xiii) व्हीलों की विशिष्टता तय करने के लिए स्टाइलिंग, वजन और डिजाइन निर्धारक कारक होते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी की जानकारी में निम्नलिखित तथ्य जानबूझकर नहीं लाये गये हैं। यह कि व्हीलों का कीमत निर्धारण डिजाइन, स्टाइलिंग, आकार, वजन और फिनिश का कार्य होता है। अतः यद्यपि दो अलग-अलग उत्पादकों द्वारा विनिर्मित व्हील एक ही वाहन में लग सकते हैं तथापि कीमत में उपर्युक्त कारकों के वजह से भारी अंतर हो सकता है।
- xiv) कि ओई को आपूर्ति किया गया प्रत्येक व्हील विशिष्ट डिजाइन, स्टाइल और ओई ग्राहक द्वारा प्रदत्त तकनीकी विनिर्देशनों के अनुसार है। अतः ओई को आपूर्ति किया गया प्रत्येक व्हील अद्भुत होता है और उसे विशिष्ट भाग संख्या के रूप में अनिवार्यतः पहचाना जाता है। घरेलु उद्योग का यह तर्क गलत है कि सभी व्हील प्रतिस्थापनीय होते हैं।
- xv) ऐसे कानूनी और संविदागत दायित्व होते हैं जिनकी वजह से ए और डब्ल्यू के सभी उत्पादकों के लिए सभी भाग संख्या की आपूर्ति नहीं की जा सकती है। चूंकि तकनीकी विनिर्देशन, डिजाइन और स्टाइलिंग मौटे तौर पर ओईएम तथा आपूर्तिकर्ता के सामूहिक प्रयास का परिणाम होते हैं। इसलिए यह बाजार सामान्य वस्तु बाजारों से विशिष्ट होता है।
- xvi) भारत में ओईएम द्वारा प्राप्त की गई प्रत्येक भाग संख्या को अनिर्वायतः ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (एआरएआई) द्वारा अनुमोदित कराना होता है। अन-अनुमोदित उत्पादक व्हीलों की बिक्री बाजार पश्चात खंड अथवा विस्थापन बाजार खंड (एएम) में कर सकते हैं जो वाहनों में फीट किये जा सकते हैं परन्तु उन्हें तकनीकी या वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं माना जा सकता है।
- xvii) घरेलू उद्योग का यह तर्क न केवल गुण रहित है अपितु अतार्किक भी है कि व्हीलों की कीमत मुख्यतः व्हील के वजन द्वारा निर्धारित की जाती है। यदि इस तर्क को स्वीकार किया जाता है तो इससे यह पूर्णता अस्वीकार निष्कर्ष निकलेगा

- कि वजन जितना अधिक होगा कीमत उतनी ही अधिक होगी। वास्तविकता यह है कि व्हील का वजन जितना कम होगा वह उतना ही मंहगा होगा।
- xviii) घरेलू उद्योग 100 प्रतिशत ईओयू इकाई है इसलिए ईओयू इकाई होने के नाते उन्हें निर्यात बाजार में लाभ मिलते हैं और घरेलू बाजार में आपूर्ति के लिए कुछ सीमाएं होती हैं अथवा वे अन्य घरेलू प्रतिस्पर्धियों की तुलना में घाटे में रहते हैं। इस प्रकार याचिकाकर्ता स्थानीय बाजार में किसी मात्रा की बिक्री तब तक नहीं कर सकता जब तक कि वह विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) के अध्याय 6.5 और 6.8 में उल्लिखित अपने दायित्वों को पूरा नहीं करता है। अन्य घरेलू उत्पादकों के पास पूरा करने के लिए ऐसा कोई दायित्व नहीं होता है। ऐसे किसी दायित्व से बड़ी संविदाएं स्वीकार करने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है जो ओई आपूर्तियों के लिए अनिवार्य है।
- xix) आवेदक की कुल आय एफओबी मूल्य के 50 प्रतिशत की उच्चतम सीमा से अधिक नहीं हो सकती जैसा एफटीपी के अध्याय 6.8 में निर्धारित किया गया है। अतः आवेदक का कुल घरेलू बिक्री मूल्य केवल उसके निर्यात निष्पादन पर निर्भर होता है। यदि याचिकाकर्ता/घरेलू उद्योग निर्यात नहीं करता है तो वह घरेलू बाजार में भी बिक्री नहीं कर सकता। ऐसे दायित्व अन्य घरेलू प्रतिस्पर्धियों के पास नहीं होते हैं। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह आवश्यक है कि वह समूची क्षति अविध के दौरान उनके निर्यात निष्पादन और भारतीय बाजार में बिक्री करने की उनकी क्षमता पर उसके प्रभाव का विश्लेषण करें।
- xx) जैसा कि पहले भी उल्लेख किया गया है कि आवेदक घरेलू उद्योग का निष्पादन केवल निर्यात निष्पादन पर पूर्णतः निर्भर होता है क्योंकि जब तक उनका निर्यात राजस्व नहीं बढ़ता है तब तक वह घरेलू बाजार में अपने उत्पाद की कीमत नहीं बढ़ा सकता। यदि निर्यात राजस्व में वृद्धि किये बिना वे अपनी कीमतें बढ़ाते हैं तो उन्हें घरेलू बाजार में अपनी मात्रा कम करनी होगी क्योंकि मूल्य के संबंध में घरेलू बिक्री पर उच्चतम सीमा लागू है। घरेलू उद्योग ओई के साथ अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सकता जिसका कारण उनके साथ दीर्घावधिक वचनबद्धताएं हैं।
- xxi) जांच अविध में आयात मात्रा में बिक्री का मूल्यांकन इस तथ्य पर विचार करने के बाद करना होता है कि इन आपूर्तिकर्ताओं को ऑर्डर कम से कम एक-दो वर्ष पूर्व दिये गए थे।
- xxii) घरेलू उद्योग अपनी घरेलू बिक्री बढ़ाने की स्थिति में नहीं है क्योंकि उसने स्पष्ट रूप से पूर्ववर्ती वर्षों में अपनी डीटीए पात्रता को पार कर लिया है।
- xxiii) घरेलू उद्योग की लागत को क्षमता, क्षमता उपयोग, उच्च निर्धारित ऊपरी व्यय, उनकी दीर्घावधिक संविदाओं में कीमत वचनबद्धता, ओई बाजार हेतु निविदाओं में बोली के समय प्रदत्त लागत संरचना आदि के कारण समुचित ढंग से समायोजित किये जाने की जरूरत है।
- xxiv) लाभ में गिरावट के बारे में घरेलू उद्योग का दावा पूर्णतः भ्रामक है क्योंकि दावा की गई गिरावट की जांच उनके निर्यात निष्पादन और ऐसे निर्यात दायित्वों के संबंध में करनी होगी जिनका घरेलू बाजार में भी उनके वित्तीय निष्पादन पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।
- xxv) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि संबंद्ध देषों से हुए आयातों के कारण उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री में गंभीर हुई है। क्षमता में अत्यधिक वृद्धि का तथ्य भी याचिकाकर्ता के दावे का विरोधाभासी है।
- xxvi) याचिकाकर्ता का दावा है कि संबंद्ध देशों से पाटन के प्रभाव के रूप में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तेजी से और काफी अधिक गिरावट आई है और वह जांच अविध के दौरान नगण्य स्तर पर रही है। तथापि यह समझना किठन है कि भारी घाटा क्यों हो सकता है जबिक जांच अविध के दौरान बिक्री लागत और घरेलू बिक्री कीमत स्थिर रही है। ओईएम एआरडब्ल्यू विनिर्माताओं द्वारा ओईएम एआरडब्ल्यू विनिर्माताओं के लाभ के अनुपात का निर्धारण नहीं किया जाता है। इसके बजाय इसका अंततः निर्धारण कार निर्माताओं द्वारा किया जाता है।
- xxvii) याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि उसने संबंद्ध देशों के निर्यातकों के लिए सीधे बड़ी संख्या में बिक्री ऑर्डर गंवाये हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता द्वारा सार्वजनिक फाइल में इस बारे में कोई समर्थन कार्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- xxviii) क्षति विश्लेषण हेतु वर्तमान विनिमय दर को लिया जाना चाहिए। यदि डीजीएपी प्रचलित विनिमय दर की बजाय याचिकाकर्ता द्वारा विचारित 50.25 की पुरानी विनिमय दर के आधार पर घेरलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करता है तो क्षति विष्लेशण से सही स्थिति प्रदर्शित नहीं होगी और निर्यातक वास्तव में वास्तविक क्षति मार्जिन की तुलना में शुल्क की उच्चतर दर के बोझ से दब जायेंगे।
- xxix) यद्यपि याचिकाकर्ता कुछ सीमा तक क्षमता को बढ़ाने में सफल रहा है तथापि याचिकाकर्ता पूंजी की अड़चनों के कारण क्षमता में आगे और वृद्धि नहीं कर सका। यह याचिकाकर्ता कम्पनी में सबसे बड़े शेयरधारक कुबेर क्रास बॉर्डर फण्ड लिमिटेड की रिपोर्ट से स्पष्ट हो जाता है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि पूंजी की कमी के कारण प्रबंधन ने मजबूत

- ऑर्डर बुक होने के बावजूद क्षमता को न बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि क्षमता में वृद्धि के संबंध में निर्णय संबंद्ध देशों से आरोपित पाटित वस्तु के कारण नहीं लिया गया है।
- xxx) घरेलू उद्योग ने निर्यात बिक्री, दीर्घावधिक संविदा के ब्यौरे और कीमत तथा लागत पर इसके प्रभाव जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण सूचना प्रदान नहीं की है जिसके अभाव में प्राधिकारी द्वारा क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में कोई सार्थक क्षति विश्लेषण नहीं किया जा सकता।
- xxxi) जहां तक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के मुद्दे का संबंध है, यह दौहराया जाता है कि घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी को भ्रामक विश्लेषण प्रस्तुत किया है। कीमत तुलना में इस तथ्य की अनदेखी की गई है कि संविदा की वास्तविक निबंधन और शर्तों को वास्तविक आपूर्ति की तारीख से काफी पहले अंतिम रूप दिया गया था।
- xxxii) घरेलू उद्योग के निष्पादन और संबंद्ध वस्तु के आयात के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। ऑटो उद्योग के स्वरूप तथा अन्य वस्तुओं के कारण जांच अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा किये गये क्षति के किसी दावे का विश्लेषण विशिष्ट संविदाओं के समय तथा निबंधन और शर्तों के बारे में पूरी सूचना प्राप्त करने के बाद ही करना होता है।

# घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 81. घरेलू उद्योग द्वारा किये गये और प्राधिकारी द्वारा संगत मान गए क्षति संबंधी प्रस्तुतिकरण निम्नानुसार है :
  - (i) संबंद्ध देशों के घरेलू उद्योग को हुई क्षित का संचयी निर्धारण करना उचित होगा क्योंकि शामिल वस्तुएं समान वस्तुएं हैं और ये समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही है, आयातित उत्पादों की बिक्री वितरण के तुलनीय माध्यम के जिरये और ग्राहकों की तुलनीय श्रेणी को की जा रही है, संबद्ध देशों के उत्पादों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हो रही है।
  - (ii) प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ।।। के उपबंधों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित करनी चाहिए।
  - (iii) जांच अवधि के दौरान देश में उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि प्रदर्शित होती है। तथापि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट पाटित आयातों के कारण आई है।
  - (iv) संबंद्ध देशों से हुए आयातों में समग्र रूप में और कुल आयात में, भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग के हिस्से में तेजी से गिरावट आई है।
  - (v) भारित औसत आयात की कीमत (मूल सीमा शुल्क और लागू शिक्षा उपकर को शामिल करने के बाद) घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रही है और इस प्रकार कीमत में भारी कटौती हुई है। यद्यपि आयात कीमतों में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हो रही है परन्तु ऐसी आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना में अभी भी काफी कम है।
  - (vi) बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से कम रही थी और इस प्रकार पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत हासकारी प्रभाव पड़ रहा है।
  - (vii) घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है। इसके अलावा वर्तमान स्थिति जारी रहने की दशा में घरेलू उद्योग को लगातार क्षति होने का खतरा है।
  - (viii) उपलब्ध क्षमता के बावजूद घरेलू उद्योग पाटित सामग्री की मौजूदगी के कारण बढ़ी हुई मांग में भागीदार नहीं बन सका और इसके बदले उसने भारी मात्रा में बाजार हिस्सा गंवाया। पाटित आयातों के अभाव में घरेलू उद्योग को उपर्युक्त मापदण्डों में विधि संवत और उचित वृद्धि प्राप्त करने में मदद मिल सकती थी।
  - (ix) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में संबंद्ध देशों में पाटन के प्रभाव के कारण तेजी से और वास्तविक रूप से गिरावट आई है और वह जांच अवधि के दौरान नगण्य स्तर पर रही है।
  - (x) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है जबकि संबंद्ध देशों से आयातों के हिस्से में भारी वृद्धि हुई है।
  - (xi) यद्यपि उत्पाद की मांग में हुई वृद्धि को पाटित आयातों द्वारा लगभग पूरी तौर पर पूरा कर दिया गया था तथापि रोजगार में उचित संख्या में उस स्तर तक वृद्धि नहीं हुई है जिस स्तर तक घरेलू उद्योग को मांग में वृद्धि का उचित हिस्सा दिये जाने की स्थिति में संभव हो सकती थी।
  - (xii) आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में भारी वृद्धि हुई है।
  - (xiii) निवेश पर आय में तीव्र गिरावट आई है। निवेश पर आय का वर्तमान स्तर वांछनीय और विधिसम्मत स्तर की तुलना में काफी कम है जिसे घरेलू उद्योग द्वारा पाटित आयातों के अभाव में उसके द्वारा किये गये भारी निवेश पर विचार करते हुए प्राप्त किया जाना चाहिए था।
  - (xiv) जांच अवधि के दौरान माल सूची में वर्षानुवर्ष भारी वृद्धि हुई है।

- (xv) बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, प्रति किग्रा. लाभ, पीवीआईटी, आरओआई आदि के संबंध में घरेलू उद्योग के वृद्धि संबंधी समग्र मापदण्ड नकारात्मक रहे हैं।
- (xvi) घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध अपर्युक्त क्षमता के बावजूद पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अविध के दौरान मांग में हुई समग्र वृद्धि की पूर्ति पाटित आयातों के जरिये की गई है।
- (xvii) संबंद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु काफी ज्यादा है।
- (xviii) याचिकाकर्ता ने संबंद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों, जिन्होंने पाटित कीमतों की पेशकश की है, से सीधे ही बड़ी संख्या में बिक्री ऑर्डर गंवाये हैं।
- (xix) घरेलू उद्योग को संबंद्ध देशों से संबंद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- (xx) ऐसी कोई दीर्घावधि संविदाएं नहीं हैं जिनसे याचिकाकर्ता को क्षति हो सकती है। इसका एकमात्र कारण पाटन है और प्रतिवादी द्वारा दिया गया कोई अन्य सुझाव केवल भ्रामक है।
- (xxi) एआरडब्ल्यू की अधिक मौजूदगी के स्तर के आधार पर उत्पाद की मांग बढ़ रही है। तथापि उनके द्वारा प्रस्तावित पाटित कीमतों के कारण पाटित आयातों द्वारा मांग में हुई ऐसी समस्त वृद्धि समाप्त कर दी गई है। समूची भारतीय मांग को पूरा करने वाले याचिकाकर्ता के प्रश्न का विधिवत समाधान कर दिया गया है क्योंकि शुल्क लागू करना केवल पाटन के व्यापार विकृतकारी प्रभाव को दूर करना है न कि आयातों को रोकना। भारत किसी भी हालत में मांग पूरी कर सकता है वशर्ते भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा का समान स्तर उपलब्ध कराया गया हो।
- (xxii) यह तर्क पूर्णतः गलत है कि आयातों में वृद्धि भारत में मांग-आपूर्ति में अंतर के कारण हुई है। पाटनरोधी उपाय आयात रोकने के लिए नहीं हैं। पाटनरोधी उपायों से पाटन के व्यापार विकृतिकारी प्रभाव समाप्त होंगे। आयातों की अनुमित दी जा सकती है परन्तु पाटित कीमतों पर नहीं।
- (xxiii) समूची क्षति अवधि के दौरान कीमत कटौती काफी अधिक हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित और संबंद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित कीमतों के बीच भारी अंतर है। इस प्रकार घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट पाटन के परिणामस्वरूप आई है।
- (xxiv) यद्यपि घरेलू उद्योग इष्टतम से कम कीमत की पेशकश करने के लिए बाध्य हुआ है तथापि यह एक ओर अपनी बिक्रियां गंवा रहा है और दूसरी ओर लाभप्रदता को अव्यवहार्य स्तर तक कम कर रहा है।
- (xxv) घरेलू उद्योग को निविष्टि लागत में हुई वृद्धि की सीमा तक अपनी कीमत बढ़ाने से वंचित करने वाले अत्यंत कम कीमत पर हुए आयात की मौजूदगी जिससे आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का न्यूनीकरण हो रहा है।
- (xxvi) लाभ में कमी सीधे तौर पर लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ में गिरावट के कारण आई है। घरेलू उद्योग पूंजी लागत वसूलने में समर्थ नहीं रहा है। इस प्रकार लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकद प्रवाह तथा नकद लाभ में गिरावट प्रत्यक्ष तौर पर पाटित आयातों के कारण आई है।
- (xxvii) बिक्री मात्रा में गिरावट का उत्पादन और क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इस प्रकार उत्पादन और क्षमता उपयोग में होने वाली वृद्धि में गिरावट पाटित आयातों के कारण आई है।
- (xxviii)घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाली विद्युत की कमी के बारे में तर्क निराधार है। मामले की वास्तविकता यह है कि घरेलू उद्योग संबंद्ध देशों से पाटित सामग्री से मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण संभव सीमा तक उत्पादन और बिक्री नहीं कर सका।

## प्राधिकारी द्वारा जांच

- 82. डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह उपबंध है कि क्षित के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"
- 83. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।। के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

- 84. प्राधिकारी द्वारा नीचे किए गए क्षति विश्लेषण से हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों का स्वतः समाधान हो जाता है। तथापि, जांच की कार्रवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विशिष्ट अनुरोधों का प्राधिकारी ने निम्नानुसार समाधान किया है:
  - (i) जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि चीन से आयातों में हो रही वृद्धि भारत में उच्च मांग तथा भारतीय व्हील उद्योग की अपर्याप्त आपूर्ति क्षमता के बीच भारी अंतर का नैसर्गिक परिणाम है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त क्षमता के अभाव से पाटित आयात न्यायोचित नहीं बन जाते हैं। इसके अलावा, पाटनरोधी उपायों का उद्देश्य आयातों को रोकना नहीं है बल्कि इसके बजाए पाटित आयातों के मुकाबले घरेलू उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धा का समान अवसर उपलब्ध कराना है।
  - (ii) जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता कंपनी 100 प्रतिशत ई ओ यू होने के कारण घरेलू उद्योग की मांग को तब तक पूरा करने में समर्थ नहीं है जब तक कि वह अपने निर्यात दायित्व की पूर्ति नहीं करता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत की विदेश व्यापार नीति के अनुसार रत्न एवं आभूषण इकाइयों से भिन्न, ईकाइयां रियायती शुल्क के भुगतान पर सकारात्मक एनएफई की पूर्ति के अधीन निर्यातों के एफओबी मूल्य के 50 प्रतिशत तक वस्तु की बिक्री कर सकते हैं। इसके अलावा, ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी इकाइयां भी कालीमिर्च एवं कालीमिर्च के उत्पादों तथा संगमरमर, जो एफटीपी के अंतर्गत डीटीए में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं, को छोड़कर पूर्ण शुल्क का भुगतान कर विकास आयुक्त को सूचना देते हुए तैयार उत्पादों की बिक्री कर सकती हैं वशर्ते उन्होंने सकारात्मक एनएफई प्राप्त कर लिया हो। घरेलू उद्योग ने विदेश व्यापार नीति के प्रावधानों के अनुसार जांच अविध के दौरान सकारात्मक एनएफई प्राप्त किया है।
  - (iii) जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि 22 प्रतिशत पूंजी आवक दर काफी अधिक है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।।। के उपबंधों और प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई सुसंगत पद्धति के अनुसार किया गया है।
  - (iv) जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता द्वारा यूएसए में अपनी सहायक कंपनी को एआरडब्ल्यू का निर्यात किया जा रहा है और भारी घाटा उठाया जा रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में क्षिति विश्लेषण घरेलू उद्योग के घरेलू और निर्यात निष्पादन को अलग करने के बाद किया गया है। अतः यह तर्क कि घरेलू उद्योग को उसके निर्यात के कारण घाटा, यदि कोई हो, प्राधिकारी द्वारा किए गए क्षिति विश्लेषण पर वास्तविक प्रभाव नहीं डालता है।
  - (v) जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि डीजीएडी के लिए न केवल याचिकाकर्ता कंपनी अपितु बाजार में अन्य घरेलू उत्पादकों के आंकड़ों की भी जांच करनी अपेक्षित होती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता कंपनी नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग है। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान अन्य घरेलू उत्पादकों ने प्राधिकारी के अनुरोध के बावजूद अपेक्षित सूचना दायर नहीं की है।
  - (vi) जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता ने किसी औचित्य के बिना अर्ध तैयार एआरडब्ल्यू को भी उत्पाद क्षेत्र में शामिल किया है और अतः इसे क्षित विष्लेशण से बाहर रखा जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते है कि अर्धपरिष्कृत एआरडब्ल्यू व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए एआरडब्ल्यू हैं इसलिए उन्हें क्षिति विश्लेषण के दायरे से अलग नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं भरोसा किए गए आयात आंकड़ों के अनुसार अर्धपरिष्कृत के रूप में रिपोर्ट किए गए कतिपय एआरडब्ल्यू जांच की अविध के दौरान चीन जन.गण. से किए गए आयात लेनदेनों के संबंध में ही रिपोर्ट किए गए हैं। प्राधिकारी पुन: यह नोट करते हैं कि यह आयात केवल 6 एमटी (जांच की अविध के दौरान चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के कुल आयातों का केवल 0.06 प्रतिशत) हैं।
  - (vii) जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि संबद्ध वस्तु के दो विशिष्ट बाजार खंड-ओईएम खंड और बाजार पश्चात खंड हैं और क्षिति विश्लेषण अलग-अलग किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि बाजार खंडों में अंतर होने से विचाराधीन उत्पाद भिन्न नहीं बन जाता है। स्टाइलिंग, वजन और स्वामित्वाधिकारों सहित अथवा पेटेंटिंग से भी उत्पाद भिन्न नहीं बन जाता है। पाटनरोधी जांच का उद्देश्य संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षिति, यदि कोई हो, का पता लगाना है। बाजार के खंडीय स्वरूप से वर्तमान जांच में प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षिति विश्लेषण निष्फल नहीं हो जाता है।
  - (viii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तर्क सही नहीं है कि व्हीलों की कीमत का निर्धारण व्हीलों के वजन द्वारा नहीं किया जाता है बल्कि व्हीलों के स्टाइल और डिजाइन द्वारा किया जाता है। यद्यपि, आकार, स्टाइल, डिजाइन, गुणवत्ता, ब्रांड, पेटेंट आदि का योगदान बाजार में किसी उत्पाद की कीमत में हो सकता है, तथापि, किसी उत्पाद की लागत और कीमत का प्राथमिक निर्धारक कारक उत्पाद में प्रयुक्त निविष्टियों की कीमत होती है।

(ix) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के अन्य तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी ने उन पर पूर्ववर्ती पैराग्राफों और नीचे भी समुचित निस्तारण किया है।

#### झ. संचयी निर्धारण

- 85. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में यह अपेक्षित है कि जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि :
  - (i) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात का सात प्रतिशत से अधिक बनता है; तथा
  - (ii) आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।
- 86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में पाटित आयात साथ-साथ प्रवेश कर रहे हैं। अतः इन स्रोतों से वे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी निर्धारण के मुद्दे की जांच उपर्युक्त मानदंडों के संबंध में की गई है और यह देखा गया था कि:
  - (i) प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पादों का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
  - (ii) प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पादों की आयात मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;
  - (iii) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है।
- 87. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उचित समझते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों का पाटन मार्जिन और उनकी मात्रा निर्धारित सीमाओं से अधिक है।
- 88. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ में यह उपबंध है कि क्षित के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी को इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।
- 89. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।। के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर अर्जन या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सिहत उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

- 90. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-।। (IV) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थित पर प्रभाव डालने वाले अन्य संकेतकों पर विचार किया है।
- ञ. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव
- (क) मांग और बाजार हिस्सा

91. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग अथवा उसकी प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा के योग के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

# (i) <u>मांग</u>

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
मांग	मी.टन	7,298	9,913	16,006	16,410
अनुक्रमित	प्रवृति	100	136	219	225
संबद्ध देशों से आयात	मी.टन	3,066	4,719	12,039	12,497
अन्य देशों से आयात	मी.टन	1,317	1,420	531	550
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.टन	2,545	2,966	2,636	2,603
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री (अनुमानित)	मी.टन	370	808	800	760

# (ii) मांग में बाजार हिस्सा

92. विभिन्न स्रोतों से हुए आयातों और भारतीय उत्पादकों की बिक्री पर विचार करते हुए भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से की जांच की गई थी। वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :-

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
संबद्ध देशों से आयात	%	42.01	47.61	75.21	76.15
अन्य देशों से आयात	%	18.04	14.32	3.32	3.35
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	34.87	29.92	16.47	15.86
अन्य भारतीय					
उत्पादकों की बिक्री	%	5.07	8.15	5.00	4.63

93. यह देखा जाता है कि समूची क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान भी देश में उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। यद्यपि, संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा जो आधार वर्ष में 42.01 प्रतिशत था, वह जांच अवधि में बढ़कर 76.15 प्रतिशत हो गया, तथापि, घरेलू उद्योग का हिस्सा आधार वर्ष में 34.87 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि में 15.86 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार संबद्ध देशों के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है जबिक घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट की प्रवृति प्रदर्शित हुई है।

# (ख) आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

- 94. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा यथाप्रदत्त संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा (जो गौण स्रोत के आयात आंकड़ों अर्थात आई बी आई एस पर आधारित है) की जांच की है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गौण स्रोतों (आई बी आई एस) से प्राप्त आयात आंकड़ों की तुलना डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात आंकड़ों के साथ करने के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों ही स्रोतों के आंकड़ों के अनुसार सम्बद्ध देशों से भारत में हुए आयातों की मात्रा के संबंध में कोई खास अंतर प्रदर्शित नहीं होता है, लेकिन डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित इकाई कीमत आई बी आई एस द्वारा सूचित कीमत की तुलना में असामान्य रूप से कम है। अतः प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गौण स्रोतों (आई बी आई एस) के आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों से आयात की मात्रा न्यूनतम स्तर से अधिक पाई गई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।
- 95. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात की मात्रा निम्नानुसार रही है :

विवरण	विवरण		2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
	संबद्ध देश	मी.टन	3,066	4,719	12,039	12,497
	अन्य देश मी.ट		1,317	1,420	531	550
मात्रा	कुल आयात	मी.टन	4,383	6,139	12,570	13,047
आयातों का बाजार	संबद्ध देश	%	69.96	76.88	95.77	95.78
हिस्सा	अन्य देश	%	30.04	23.12	4.23	4.22

96. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों में भारी वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों का भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों में एक बड़ा हिस्सा बनता है।

# (ग) उत्पादन की तुलना में पाटित आयातों का हिस्सा

97. प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों में घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हो जाता है।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
संबद्ध देशों से आयात	मी.टन	3,066	4,719	12,039	12,497
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी.टन	3,361	5,496	5,818	5,715
घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में पाटित आयात	%	91.23	85.88	206.94	218.65

# (ड.) क्षमता एवं क्षमता उपयोग

98. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
क्षमता मी. टन	मी.टन	6,760	6,760	8,060	8,060
क्षमता उपयोग	%	49.72	81.30	72.18	70.91

- 99. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई परंतु उसके बाद जांच अविध सिहत उसमें गिरावट आई। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि क्षमता उपयोग में ऐसी गिरावट उसी अविध में पाटित आयातों में हुई वृद्धि के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आई है। मांग में जब वृद्धि हुई है तब क्षमता उपयोग में गिरावट आने से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभावों का पता चलता है जिसका कारण पाटित आयातों द्वारा मांग में हुई ऐसी वृद्धि को खपा लेना है।
- 100. आगे यह देखा जाता है कि वर्ष 2011-12 की अविध में क्षमता में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता के अनुरोधानुसार क्षमता में ऐसी वृद्धि उत्पाद की विशिष्टता और बढ़ती हुई मांग पर विचार करते हुए की गई थी। तथापि, देश में पाटित आयातों की भारी मौजूदगी की स्थिति में घरेलू उद्योग अपने उत्पादन में तद्नुसार वृद्धि करने में असमर्थ रहा है।

# (च) उत्पादन

101. घरेलू उद्योग के उत्पादन संबंधी आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं :

			`		
	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन मी.टन	मी.टन	3,361	5,496	5,818	5,715
प्रवृति	सूचीबद्ध	100	164	173	170
मांग	मी.टन	7,298	9,913	16,006	16,410
प्रवृति	सूचीबद्ध	100	136	219	225
मांग की तुलना में उत्पादन	%	46.06	55.44	36.35	34.83

102. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वर्ष 2011-12 तक वृद्धि हुई है। हालांकि इसमें जांच की अविध में कुछ गिरावट आई। जबिक इसी अविध में मांग में भारी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यद्यपि मांग में तेजी से वृद्धि हुई है, तथापि, पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपना उत्पादन बढ़ाने से वंचित हुआ है।

### (छ) बिक्री मात्रा

103. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
घरेलू बिक्री	मी.टन	2,545	2,966	2,636	2,603
प्रवृति	सूचीबद्ध	100	117	104	102
मांग	मी.टन	7,298	9,913	16,006	16,410
प्रवृति	सूचीबद्ध	100	136	219	225
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	34.87	29.92	16.47	15.86

104. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में वर्ष 2009-10 और 2010-11 के बीच वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और तत्पश्चात उसमें जांच अविध तक गिरावट आई है। यद्यपि, जांच अविध के दौरान उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि हुई है, तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री स्थिर रही है अथवा उसमें मामूली वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि ऐसी स्थित पाटित आयातों के प्रभाव के कारण उत्पन्न हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग ने अत्यधिक बाजार हिस्सा गंवाया है।

# ट. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

105. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत (सीओपी), भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की अवसारित पहुंच लागत के साथ की गई है।

### i. कीमत कटौती

106. निवल बिक्री प्राप्ति की गणना भुगतान किए गए भाङे और करों की कटौती करने के बाद की गई थी। आयातों के अवसारित मूल्य की गणना लागू उप-कर सहित 1 प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार तथा लागू मूल सीमा-शुल्क को संबद्ध आयातों के सीआईएफ मूल्य में जोड़कर की गई है। आयातों के अवसारित मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई थी और यह पाया गया था कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में निम्नलिखित तालिका के अनुसार कटौती हो रही है।

चीन जन.गण.

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
अवसारित मूल्य	रू./किग्रा.	188.83	208.96	224.22	238.78
निवल बिक्री प्राप्ति	रू./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रू./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	25-35	15 - 25	25-35	15 - 25

### कोरिया जन.गण.

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
अवसारित मूल्य	रू./किग्रा	220.48	232.01	251.83	256.68
निवल बिक्री प्राप्ति	रू./किग्रा	***	***	***	***
कीमत कटौती	रू./किग्रा	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	15-25	10-20	15-25	15 – 25

### थाइलैंड

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
अवसारित मूल्य	रू./किग्रा	220.36	247.36	258.14	262.84
निवल बिक्री प्राप्ति	रू /किग्रा	***	***	***	***
कीमत कटौती	रू /किग्रा	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	15-25	5-15	15-25	10-20

संबद्ध देश

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
अवसारित मूल्य	रू./किग्रा.	201.64	216.67	232.17	242.22
निवल बिक्री प्राप्ति	रू./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रू./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	20 - 30	15 - 25	20-30	15 – 25

107. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। यद्यपि, पहुंच कीमत में इन वर्षों के दौरान वृद्धि प्रदर्शित हुई थी, तथापि, वे घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कीमतों से अभी भी कम थीं।

# ii. कम कीमत पर बिक्री

108. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षिति निर्धारण का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। क्षिति रहित कीमत की गणना की गई है और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकालने के लिए उसकी तुलना संबद्ध वस्तु के अवसारित मूल्य के साथ की गई है। क्षितिरहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।।। के अनुसार जांच अविध के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया गया है। विष्लेशण से यह पता चलता है कि संबद्ध आयातों का अवसारित मूल्य क्षिति रहित कीमत से कम था जैसाकि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	कोरिया	थाइलैंड
अवसारित कीमत	रू./किग्रा	***	***	***
पहुंच कीमत (जांच अवधि)	रू./किग्रा.	238.78	256.68	262.84
कम कीमत पर विक्री	रू./किग्रा	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री				
	% रेंज	25-35	20-30	20-30

# iii. कीमत हास्र /न्यूनीकरण

109. प्राधिकारी ने इस बात की जांच है कि क्या पाटित आयातों के प्रभाव से भारत में समान वस्तु की कीमतों का हास्र हुआ है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन की लागत	रू.किग्रा/.	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	103	119	119
बिक्री कीमत	रू.किग्रा/.	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	101	118	113
अवसारित मूल्य	रू./किग्रा.	201.64	216.67	232.17	242.22

110. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि उत्पादन लागत 2009-10 में 100 से बढ़कर जांच अवधि में 119 हो गई है, बिक्री कीमत इसी अवधि के दौरान 100 से बढ़कर केवल 113 हुई है जिससे पाटित आयातों के कारण कीमत का न्यूनीकरण हुआ है चूंकि घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमत को बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा था।

# ठ. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

### i. लाभ/हानि

111. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
लाभ	रू./किग्रा	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	76	106	50
नकद लाभ	रू./किग्रा	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	80	98	66
लगाई गई पूंजी पर अर्जन	%	***	***	***	***
	सूचीबद <u>्ध</u>	100	71	69	38

112. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि वर्ष 2011-12 क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है। आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान नकद लाभ और निवेश पर आय में गिरावट आई है।

### ii. नकद प्रवाह

113. घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति पर पाटन के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने नकद लाभ में प्रवृत्तियों की जांच की है। घरेलू उद्योग के नकद लाभ के बारे में सुचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
नकद लाभ	रू./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृति	सूचीबद्ध	100	80	98	66

114. यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के नकद लाभ में गिरावट आई है। यह गिरावट जांच की अवधि में और अधिक हुई।

# iii. मालसूची

115. घरेलू उद्योग के मालसूची में उतार-चढ़ाव निम्नानुसार रहा है :

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
औसत स्टॉक	मी.ट.	234	395	935	1,075
बिक्री दिवसों की संख्या के रूप में स्टॉक	दिन	9	9	22	25

116. यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास मालसूची में वृद्धि हुई है ।

### iv. उत्पादकता

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उत्पादन के समान प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। उत्पादकता में वर्ष 2011-12 तक वृद्धि हो रही थी और जांच अवधि में उसमें गिरावट आई।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट./सं.	***	***	***	***
प्रति दिन उत्पादकता	मी.ट./दिवस	9.21	15.06	15.94	15.66

# v. रोजगार और मजदूरी

118. निम्नलिखित तालिका से यह देखा जाता है कि समूची क्षिति अविध के दौरान रोजगार के स्तर में वृद्धि हुई है और जांच अविध में वह स्थिर रहा है। तथापि, आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अविध के दौरान प्रति किग्रा. समग्र मजदूरी में गिरावट प्रदर्शित हुई है।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	116	140	140
मजदूरी	रू./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	84	95	98

# vi. पाटन की मात्रा

119. उस सीमा के संकेतक के रूप में जहां तक पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी ज्यादा है।

### vii. वृद्धि

120. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही थी। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि अत्यधिक कीमत कटौती के साथ पाटित आयातों में हुई वृद्धि के कारण बढ़ रही मांग का लाभ लेने से उन्हें वंचित किया गया था।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन	%		63.51	5.86	(1.76)
क्षमता उपयोग	%		31.58	(9.12)	(1.27)
घरेलू बिक्री	%		16.54	(11.12)	(1.26)
मालसूची	%		68.42	136.94	15.01
लाभ/किग्रा.	%		23.95	38.86	(52.56)
आरओआई	%		(3.43)	(0.19)	(3.71)

# viii. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

121. आवेदक के प्रस्तुतिकरणों से प्राधिकारी नोट करते हैं कि एआरडब्ल्यू नई पीढ़ी का उत्पाद है और घरेलू उद्योग ने देश में उत्पाद की उत्पन्न होने वाली भारी मांग का पूंजीकरण करने की आशा करते हुए एआरडब्ल्यू के उत्पादन में निवेश किया था। तथापि, पाटित आयात भारतीय बाजार में उस समय आने शुरू हुए जब भारत में उत्पाद ने गित प्राप्त की और मांग में होने वाली ऐसी किसी वृद्धि को ऐसे पाटित आयातों ने समाहित कर लिया। आगे यह नोट किया जाता है कि उत्पाद में किसी अतिरिक्त निवेश को बढ़ाने की घरेलू उद्योग की क्षमता बाजार की स्थिति पर निर्भर करती है जैसा कि स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में जांच अविध तक कुछ तीव्र गिरावट आई है। अतः उत्पाद के पाटन से घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर निश्चित तौर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा होगा।

# ix. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक

122. संबद्ध देशों तथा अन्य देशों से आयात कीमतों, लागत ढांचे में परिवर्तन घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों की जांच व करने से यह प्रदर्शित होता है कि संबद्ध देशों से आयातित माल का अवसारित मूल्य घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत और बिक्री कीमत से कम है जिससे भारतीय बाजार में भारी कीमत अधोरदन एवं कीमत अधोविक्रयण हो रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अविध के दौरान इस वस्तु की मांग में वृद्धि प्रदर्शित हुई और इसलिए घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला यह एक कारक नहीं हो सकता है। अत: घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रधान कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का अवसारित मूल्य है।

# ड. वास्तविक क्षति के बारे में निष्कर्ष

- 123. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के हुए पाटित आयातों में समग्र रूप में और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है। उत्पाद के आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी। इसके अलावा घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण वस्तु की लागत में वृद्धि के अनुरूप बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं कर सका। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत कम हो रही थी। यह नोट किया जाता है कि उत्पाद की मांग में काफी अधिक वृद्धि हुई लेकिन घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में गिरावट आई है क्योंकि पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सा गंवाया जिसके परिणामस्वरूप अन्य क्षति मापदंडों पर प्रभाव पड़ा।
- 124. घरेलू उद्योग को उस स्थिति में अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमताओं का सामना करना पड़ा जब बाजार में उत्पाद की मांग काफी अधिक थी। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई। लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ में लाभ के समान प्रवृत्ति रही। जांच अविध के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ, दोनों में नकारात्मक वृद्धि देखी गई। अतः उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, नकद लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय, बाजार हिस्सा एवं मालसूची आदि जैसे अधिकांश मापदंडों के संबंध में होने वाली वृद्धि का घरेलू उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव प्रदर्शित होता है। अतः अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

### ढ. कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

\_125. घरेलू उद्योग की कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण के प्रभावों के संबंध में उसकी कीमतों पर पाटित आयातों के कारण होने वाली वास्तविक क्षति, आयातों की मात्रा और कीमत प्रभावों की मौजूदगी की जांच करने के बाद भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। तद्नुसार, निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है:-

# (क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

126. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से इतर देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा नगण्य रही है। अतः अन्य देशों से हुए आयातों के बारे में यह नहीं माना जा सकता कि उनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई होगी।

# (ख) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

127. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र बाजार है जहां संबद्ध देशों से हुए पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त संबद्ध वस्तु के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और इनका समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में उपयोग किया जाता है। विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

### (ग) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

128. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान भी उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग में कमी के कारण नहीं हुई थी।

# (घ) प्रौद्योगिकी विकास

129. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि प्रौद्योगिकी में हुए किसी खास परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

# (ड.) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

130. याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निर्यातों का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

अवधि	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
मात्रा मी. टन में	***	***	***	***
<b>मू</b> चीबद्ध	100	322	324	326

131. घरेलू और निर्यात बाजार के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन को पृथक किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निर्यातों में क्षिति अविध और जांच अविध के दौरान भी उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित हुई है। अतः निर्यात निष्पादन में आई कोई संभावित गिरावट होने वाली किसी क्षिति का कारण नहीं हो सकती है। बहरहाल, प्राधिकारी ने कीमत मापदंडों पर प्रभाव का पता लगाने के लिए केवल घरेलू प्रचालनों पर विचार किया है।

# (च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

- 132. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में लगातार वृद्धि हुई है। तथापि, उत्पादकता के स्तर में परिवर्तनों पर ध्यान दिए बिना घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में लगातार गिरावट प्रदर्शित की है।
- 133. पूर्वोक्त से प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अन्य कारकों की वजह से होने वाली क्षति का कोई साक्ष्य नहीं है।

# ण. कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने वाले कारक

- 134. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि निम्नलिखित आधारों पर की जाती है:
  - (क) मांग में पर्याप्त वृद्धि के साथ-साथ संबद्ध देशों से हुए आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में अपना हिस्सा गंवा दिया;
  - (ख) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। परिणामतः आयात मात्रा में भारी वृद्धि हुई है;
  - (ग) पाटित आयातों के कारण हो रही कीमत कटौती से घरेलू उद्योग अपनी कीमत बढ़ाने से वंचित हो रहा है। इसके विपरीत घरेलू उद्योग को कीमत को कम करने के लिए बाध्य किया गया है जबकि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है;
  - (घ) आयात मात्रा में हुई वृद्धि और आयात कीमतों के कारण घरेलू उद्योग कीमतों को कम करने के लिए बाध्य हुआ है;
  - (ड.) पाटित आयातों का कीमत न्यूनकारी प्रभाव घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आई भारी गिरावट से देखा जाता है;
  - (च) पाटित आयातों के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप लाभ, लगाई गई पूंजी पर लाभ और नकद लाभ में गिरावट आई है;
  - (छ) पाटित आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है;
  - (ज) कीमत से जुड़े कई आर्थिक मापदंडों और मात्रात्मक मापदंडों के संबंध में भी घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक बन गई है।
- 135. प्राधिकारी का यह मत है कि उपर्युक्त आधारों से पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षिति के बीच कारणात्मक संबंध की स्पष्ट तौर पर पुष्टि होती है। अतः वर्तमान अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षिति संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

# थ. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

136. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण यथासंशोधित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर किया है। इस प्रकार से निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की अवसारित कीमत के साथ की गई है :

豖.	निर्यात का	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित		क्षति मार्जिन -	क्षति मार्जिन -	क्षति मार्जिन
सं	माध्यम			कीमत -	अवसारित	अम. डॉ./	%	रेंज - %
				अम. डॉ./	कीमत - अम.		70	,,
				जन. डा. <i>।</i> किग्रा	डॉ. /किग्रा	किग्रा		
		<u> </u>	<u> </u>	किग्री	७।. /।यग्प्रा			
1.	चीन-भारत	झिजियांग यूएलिंग कंपनी	झिजियांग					
		लिमिटेड, चीन	यूएलिंग					
		जन.गण.	कंपनी					
			लिमिटेड,					
			चीन	***	***	***	***	
			जन गण					30-40
2.	चीन-हॉग	बॉर्डिंग लिझांग व्हील	हूनडेई					
	कांग-	मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी	ग्लोविस क.					
	कोरिया-	 लिमिटेड, चीन जन. गण.	लिमि.					
	भारत		कोरिया गण.					
			एवं हुनडेई					
			मोबिस हॉग	***	***	***	***	20-30
			कांग					20-30
3.	बॉडिंग लिझॉ	ग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी	लिमिटेड, चीन					
		भारित औसत						
	जन, गण, का	नारत भारत						
				***	***	***	***	20-35

# चीन के गैर नमूनाशुदा निर्यातक

137. निम्नलिखित निर्यातकों जिन्होंने नमूना प्रश्नावली के उत्तर में स्वयं की पहचान बताई परन्तु जिनका प्राधिकारी द्वारा नमूना नहीं लिया गया, के लिए क्षिति मार्जिन का निर्धारण उपर्युक्त नमूनाशुदा निर्यातकों के लिए निर्धारित क्षिति मार्जिन के आधार पर किया गया है। चीन जन. गण. के गैर नमूनाशुदा निर्यातकों के संबंध में क्षिति मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार है:

क्र. सं.	विवरण	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		- अम. डॉ./	- %	रेंज - %
		किग्रा		
1.	सियेन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई) कंपनी लिमिटेड, शंघाई, चीन जन.गण.			
	(प्रो.) एवं शंघाई जर्नल मोटर्स कोरपोरेशन लिमिटेड पूडाॅग, शंघाई, चीन			
	जन.गण. (निर्यातक)			
2.	झिजियांग बओकांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, वांघाई टाउन,			
	झिजियांग, चीन जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
3.	झिजियांग जेंट ऑटो व्हील कंपनी लिमिटेड, योंगकॉग सिटी, झिजियांग,			
	चीन जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)	***	***	20-30
4.	झिजियांग जिनफेईकेडा व्हील कंपनी लिमिटेड, जिनहूआ सिटी,			
	झिजियांग, चीन जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
5.	वियूक्सी सिटी वानएक्यॉग मैटल प्रोडेक्षन कंपनी लिमिटेड, वूएक्सी			
	सिटी, जिअंग्सू, चीन जन. गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
6.	झिजियांग शुगुआंग इंडस्ट्रीरियल कंपनी लिमिटेड, वूयी, झिजियांग चीन			
	जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)			

7.	एक्सीनयांग हेनगडे ऑटो पार्ट्स कंपनी लिमिटेड, एक्सीनयांग, हूबेई प्रोविन्स, चीन जन गण. (उत्पादक एवं निर्यातक)	
8.	कुनशांग लियूफेंग मशीनरी इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, सूजोउ सिटी, जिआंग्यू प्रोविन्स, चीन जन.गण. (उत्पादक) एवं लिओ फूंग इन्टरनेशनल	
	कारपोरेशन, कुनशान डेवेलपमेंट जॉन, जिआंगसू प्रोविन्स, चीन जन.गण.	
	(निर्यातक)	

### चीन जन. गण. के अन्य सभी निर्यातक

138. प्राधिकारी द्वारा चीन जन. गण. के अन्य सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है:

-1141 ( 1 ( 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1					
विवरण	क्षति रहित	पहुंच कीमत	क्षति मार्जिन -	क्षति मार्जिन	   क्षति मार्जिन रेंज - %
	कीमत - अम.	- अम. डॉ./	अम. डॉ. <i>/</i>	- %	
	डॉ./ किग्रा	किग्रा	किग्रा		
सभी अन्य उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***	55-65

### कोरिया आरपी और थाईलैंड

139. कोरिया गण. और थाइलैंड के मामले में घरेलू उद्योग की क्षति अवसारित कीमत की तुलना भारत में हुए आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है क्योंकि शून्य उत्तर/त्रुटिपूर्ण उत्तर वास्तव में प्राप्त हुआ था और क्षति मार्जिन की तुलना कमतर शुल्क लागू करने के लिए पाटन मार्जिन के साथ की गई है। इस प्रकार निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	विवरण	क्षति रहित कीमत – अम.डा./किग्रा.	अवसारित कीमत – अम.डा./कि ग्रा.	क्षति मार्जिन -अम.डा./ किग्रा	<b>क्षति मार्जिन</b> - %	क्षति मार्जिन रेंज - %
1.	कोरिया जन.गण से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	25-35
2.	थाइलैंड से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	20-30

# थ. अनंतिम जांच परिणाम पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियां

- 140. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनंतिम जांच परिणाम के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पणियां की गई और प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत माना गया है :-
  - जांच शुरूआत अधिसूचना और प्रारंभिक जांच पिरणाम विधि विरूद्ध हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने शुल्कों की प्रवचना को निवारण करने के लिए अर्धपिरिष्कृत व्हील्स पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश, विधि के विशिष्ट उपबंधों का उल्लेख किए बिना, कर देने से एक आधिकारिक त्रुटि की है।
  - (ii) जांच की शुरूआत करने के 13 महीने पशुचात् , 13 जनवरी, 2014 को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करना अवैध है।
  - (iii) घरेलू उत्पादक, जो आयात भी करते हैं, घरेलू उद्योग के आधार से स्वत: ही अपवर्जित नहीं हो जाते हैं। पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार किसी उत्पादक को जो एक आयातक भी है, अंतर्वेशित करना या अपवर्जित करना, डीजीएडी के विवेक पर निर्भर करता है। इस विवेक के प्रयोग का प्रदर्शन जांच परिणाम में किए जाने की आवश्यकता है।
  - (iv) आधार की अपेक्षाओं का मूल्यांकन करने के लिए जीडीएडी ने याचिकाकर्ता के संपूर्ण उत्पादन पर विचार किया है। याचिकाकर्ता एक 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई होने के कारण, प्राधिकारी को केवल डीटीए हकदारी से संबंधित उत्पादन की जांच करना अपेक्षित है।
  - (v) किसी निर्यातोन्मुख इकाई को घरेलू उद्योग के रूप में मानना गलत है। निर्यातोन्मुख इकाइयों को केवल निर्यात के प्रयोजनार्थ सामाजिक दर्जा दिया जाता है और जब वे निवल विदेशी विनिमय (एनएफई) को पूरा करने की स्थित में होती हैं, उन्हें तभी ही विशिष्ट प्रतिबंधों के साथ डीटीए में बिक्री करने की अनुमित दी जाती है।

- (vi) उन विनिर्देशनों युक्त प्रतिमानों को, जिनका याचिकाकर्ता द्वारा दिया जाना चाहिए। आयातित ग्रेड या उत्पाद जो घरेलू समान वस्तु के साथ प्रतिस्पर्धा में नहीं है, उनके लिए यह नहीं कहा जा सकता है कि उनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (vii) बौद्धिक संपदा अधिकार/प्रतिलिप्याधिकार द्वारा संरक्षित संबद्ध वस्तु को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग सहित कोई भी अन्य पक्षकार बौद्धिक संपदा अधिकार/प्रतिलिप्याधिकार धारक से विशिष्ट अनुमित लिए बिना ऐसा उत्पाद का विनिर्माण करने से प्रतिवारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित या बिक्री न किए गए उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए।
- (viii) विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा प्रारंभिक जांच परिणाम तथा जांच शुरूआत अधिसूचना दोनों में ही अस्पष्ट है। विचाराधीन उत्पाद में अनुषंगियों का विवरण दिए बिना ''अनुषंगियों युक्त या अनुषंगियों रहित'' अलाय रोड व्हील्स को शामिल किया गया है।
- (ix) सिटिक डिस्काटेल का उसके असंबद्ध उत्पादकों पर कोई नियंत्रण नहीं है जिससे वह वर्तमान जांच में सहयोग देने के लिए उन पर दबाव डाल सके। अत:, प्राधिकारी द्वारा उसकी निर्यात कीमत को इन आधारों पर नामंजूर कर देना उचित नहीं है।
- (x) संबंधित उत्पाद के लगभग सभी प्रयोक्ता मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) हैं, जो विनिर्दिष्ट मानदंडों युक्त वैश्विक निविदाएं निकालते हैं। इस उत्पाद की कीमत का निर्धारण करने में निर्यातकों की अधिक भूमिका नहीं होती है।
- (xi) प्राधिकारी ने एसएआईएम जीएम वुलिंग आटोमोबाइल कंपनी लिमिटेड (एस जी एम डब्ल्यू) और एस ए आई सी जीएम वुलिंग (लिन्जोऊ) इम्पोर्टेशन एंड एक्सपोर्टेशन कंपनी लिमिटेड (एस जी एम डब्ल्यू आई एंड ई) को त्रुटिपूर्ण ढंग से असहयोगकर्ता निर्यातक की श्रेणी में रखा है। एस जी एम डब्ल्यू और उस जी डब्ल्यू एम आई एंड ई, डिस्काटेल लिंक उत्पादक सहित व्यक्तिगत पाटन मार्जिन के हकदार हैं।
- (xii) जीएम कोरिया को भारत में उनकी निर्यात कीमत तथा प्राधिकारी द्वारा विनिर्मित सामान्य मूल्य के आधार पर व्यक्तिगत पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन प्रदान की जा सकती है।
- (xiii) प्राधिकारी ने चीन के सभी नमूनाकृत उत्पादकों को सामान्य मूल्य का दावा अस्वीकार कर दिया। इस संदर्भ में यह नोट किया जा सकता है कि प्राधिकारी चीन के गैर-नमूनाकृत उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु वास्तविक निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए चीन के अन्य सभी गैर-नमूनाकृत उत्पादकों से सूचना मंगा सकते हैं।
- (xiv) इस प्रस्तुतिकरण के बावजूद कि समुचित क्षति विश्लेषण करने के लिए उक्त अवधि हेतु औसत विनिमय दर को अपनाया जाना चाहिए परंतु प्रारंभिक जांच परिणाम में बिना किसी युक्तियुक्तता के प्रचलित विनिमय दर को अपनाया गया है।
- (xv) यद्यपि, समर्थनकारी दस्तावेज देकर इसे साक्ष्यांकित किया गया था कि याचिकाकर्ता पूंजीगत अवरोधों के कारण अपनी पूंजी क्षमता में वृद्धि नहीं कर सकता परंतु प्रारंभिक जांच परिणाम में इसका उपयुक्त रूप से समाधान नहीं निकाला गया।
- (xvi) प्राधिकारी ने अपनी प्रारंभिक जांच में यह नोट किया है कि सिनर्जीज कास्टिंग्स के अलावा भारत में इस संबद्ध वस्तु के चार अन्य उत्पादक हैं। प्राधिकारी को इन घरेलू उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा की जांच स्वयं करना चाहिए क्योंकि हर उत्पादक की नजर एक बाजार पर है।
- (xvii) विगत में यह प्रस्तुत किया गया था कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रदाय किए गए घटिया गुणवत्ता वाले उत्पाद के कारण आर्डरों का अपवर्तन हुआ और उसके परिणामस्वरूप बहुत बड़ी क्षति हुई। इस महत्वपूर्ण तथ्य की समुचित जांच किए जाने की जरूरत है।
- (xviii) याचिकाकर्ता यूएसए स्थित अपनी एक अनुषंगी कंपनी को एआरडब्ल्यू का निर्यात कर रहा है और भारी घाटा उठा रहा है। यह नोट किया जाना चाहिए कि याचिकाकर्ता के इसकी यूएस स्थित अनुषंगी पर वर्ष 2010-11 में एआरडब्ल्यू के निर्यात के लिए भारी बकाया प्राप्य थे। इसलिए याचिकाकर्ता का यह दावा कि याचिकाकर्ता को निर्यात बाजार में भारी वृद्धि हुई है, गलत एवं असत्य है।
- (xix) जहां जांच के प्रयोजनार्थ एक उत्पाद समूह में बहु उत्पाद प्रकारों को शामिल किया जाता है वहां क्षति विश्लेषण के लिए प्रत्येक उत्पाद प्रकार की कीमत पर विचार करना आवश्यक होता है।
- (xx) इस संबद्ध वस्तु के लिए दो सुस्पष्ट बाजार प्रखंड है ओईएम प्रखंड और बाजार पश्च प्रखंड/बाजार के इन दोनों प्रखंडों के लिए क्षति विश्लेषण अलग-अलग की जानी चाहिए।
- (xxi) अर्धनिष्कृत एआरडब्ल्यू का आयात परिष्कृत वस्तु की कीमत की तुलना में कम कीमत पर किया जाता है। इसलिए अर्धपरिष्कृत एआरडब्ल्यू को क्षति विश्लेषण से अलग कर दिया जाना चाहिए।
- (xxii) ओईएम अपने घरेलू उद्योग से अपनी जरूरतों के 15 प्रतिशत को पूरा करता है और उनकी क्षमता का पूर्ण उपयोग हो जाता है। अत: घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई।

- (xxiii) घरेलू उद्योग न्यून दाव डाई कास्टिंग (एलपीडीसी) या ग्रेविटी डाई कास्टिंग टेक्नालोजी का प्रयोग कर रहा है। कास्ट फ्लो फार्म और फोर्ण्ड व्हींल्स आधुनिकतर प्रौद्योगिकियां हैं जिससे लाइट वेट (कम वजन) बेहतर यांत्रिक विशिष्टताएं और बेहतर स्टायलिंग ऐपीयरेन्स प्राप्त होती है। दोनों प्रौद्योगिकियों के लिए लागत एवं कीमत निर्धारण अलग-अलग किया जाना चाहिए।
- (xxiv) ओई ब्रिकियों को आपूर्तिकर्ता एवं ओई क्रेताओं के बीच दीर्घावधिक संविदा द्वारा शासित किया जाता है। प्राधिकारी को इन दीर्घावधिक संविदाओं के घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना चाहिए।
- (xxv) पाटनारोधी शुल्क भारतीय आटो उद्योग के लिए घातक है। भारतीय उद्योग कुल भारतीय मांग के केवल 19 प्रतिशत को पूरा कर सकता है और शेष का आयात करना होता है। पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण का भारतीय आटोमोबाइल विनिर्माताओं पर अनुचित लागत बोझ पड़ेगा।
- (xxvi) वर्ष 2010-11 के पश्चात् आंध्र प्रदेश राज्य में भारी विद्युत कटौती हुई जिसके परिणामस्वरूप सिनर्जीज कास्टिंग्स लिमिटेड के क्षमता उपयोग में भारी कमी आई न कि पाटन के कारण।
- (xxvii) डीजीएडी ने इस तथ्य का प्रकटन नहीं किया है कि असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण कैसे किया गया है।
- (xxviii) घरेलू उद्योग को भारी गोपनीयता की अनुमित दी गई है और उसे ही प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम में अपनाया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किए गए निष्कर्ष और प्रारंभिक जांच परिणाम गोपनीय रखे गए हैं। इसके अतिरिक्त ईयू और आस्ट्रेलिया ने अपने विश्लेषण कीमत आधार पर किए हैं।
- (xxix) मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने संबद्ध वस्तु का असाही टेक एल्युमिनियम थाईलैंड से आयात किया है। थाईलैंड के संबंध में पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का निर्धारण मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रदान कराई गई आयात सूचना के आधार पर किया जाना चाहिए।
- (xxx) भार आधार पर अधिरोपित शुल्क त्रुटिपूर्ण है।
- 141. इस अनंतिम जांच परिणाम पर घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित टिप्पणियां की गई और प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत माना गया :
  - (i) झेजियांग आटोम एल्युमिनियम व्हील्स कंपनी लिमिटेड, झेजियांग बुयान्ग आटो व्हील्स कंपनी लिमिटेड, झेजियांग यूलिंग कंपनी लिमिटेड के लिए, उनकी निर्यात कीमतों में अनंतिम रूप से पाई गई सकल विसंगतियों के आलोक में अलग-अलग निर्यात कीमत मना कर दी जानी चाहिए।
  - (ii) सिटिक डिस्काटेल द्वारा अपनी निर्यात कीमत के संबंध में किए गए प्रस्तुतिकरण में घोर एवं गंभीर असंगतियां एवं चूकें हैं और निर्यातक द्वारा की गई स्वीकृति दर्शाती है कि उनके द्वारा दावाकृत निर्यात कीमत बहुत अधिक अविश्वसनीय एवं अप्रतिनिधिक हैं। व्यक्तिगत निर्यात कीमत के संबंध में सिटिक डिस्काटेल के दावे को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

- 142. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के पश्चात् हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियां/प्रस्तुतिकरण अधिकांशत: उनके द्वारा इससे पहले किए गए प्रस्तुतिकरणों की ही पुनरावृत्ति हैं, इन सभी प्रस्तुतिकरणों का इस अंतिम जांच परिणाम में समुचित ढंग से एवं पर्याप्त रूप से समाधान कर दिया गया है। प्रारंभिक जांच परिणाम के पश्चात किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरणों का समाधान निम्नवत कर दिया गया है।
  - (i) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि जांच शुरूआत अधिसूचना और प्रारंभिक जांच परिणाम विधि विरूद्ध हैं क्योंकि प्राधिकारी ने शुल्कों की परिवंचना का निवारण करने के लिए अर्धपरिष्कृत एल्युमिनियम व्हील्स पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने में क्षेत्राधिकार संबंधी भूल की है और अर्ध परिष्कृत एल्युमिनियम व्हील्स को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अर्धपरिष्कृत एआरडब्ल्यू भी व्यावहारिक प्रयोगों के लिए एआरडब्ल्यू होंते हैं। उपर्युक्त तर्क देने वाले हितबद्ध पक्षकारों ने इस बात की किसी दस्तावेजी साक्ष्य से कोई अभिपुष्टि नहीं की है कि संबद्ध देशों से आयातित वस्तु एवं वर्तमान जांच के विचाराधीन उत्पाद में अंतर किस संबंध में और कैसे है। जांच की अविध के दौरान संबद्ध देशों से अर्धपरिष्कृत एल्युमिनियम व्हील्स के आयात की भरोसा किए गए आंकड़ों से मात्रा का परीक्षण प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच में करने पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे अर्धपरिष्कृत एल्यूमिनियम व्हील्स का आयात केवल चीन जन.गण. से किया गया है जो जांच की अविध के दौरान चीन जन.गण. से भारत को संबद्ध वस्तु के किए गए कुल आयातों का एक छोटा सा 0.06 प्रतिशत भाग बनता है। इसके अतिरिक्त डाटाबेस में उपलब्ध विवरण जो सामान्यत: "एल्युमिनियम अलाय व्हील्स (अर्धपरिष्कृतद्व पढ़ा जाता है, विशेष रूप से यह सिद्ध नहीं करता है कि ऐसे व्हील्स विचारधीन उत्पाद से भिन्न हैं। इसलिए, यदि इनका अपवर्जन भी कर दिया जाए तो, अर्धपरिष्कृत के रूप में संबद्ध वस्तु के पाटन से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

- (ii) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि जांच प्रारंभ होने के 13 माह पश्चात् अर्थात 13 जनवरी, 2014 को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करना अवैध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली में प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने की कोई समय-सीमा नियत नहीं की गई है।
- (iii) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि घरेलू उत्पादक, जो आयात भी करते हैं, घरेलू उद्योग की परिधि से स्वत: ही अपवर्जित नहीं हो जाते हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आधार के विभिन्न पहलुओं की यहां ऊपर विस्तार से जांच की गई है। किसी ऐसे घरेलू उत्पादक; जिसने जांच की अविध के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का स्वयं आयात किया है, का अपवर्जन करने या समावेशन करने के लिए प्राधिकारी द्वारा विवेक का प्रयोग तभी हो सकता है जब ये उत्पादक प्राधिकारी के समक्ष आए हों और उन्होंने इस चल रही जांच के समर्थन में या उसके विरोध में सभी संगत सुचना प्रदान करके स्वयं को घरेलू उद्योग के दायरे में शामिल करने का विशेष रूप से अन्रोध किया हो।
- (iv) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में डीजीएडी ने आधार की जरूरत का मूल्यांकन करने के लिए याचिकाकर्ता के संपूर्ण उत्पादन पर विचार किया है और चूंकि याचिकाकर्ता एक 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई है इसलिए प्राधिकारी से उसके केवल डीटीए हकदारी से संबंधित उत्पादन की ही जांच करने की अपेक्षा की जाती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विदेश व्यापार नीति के पैरा 6.8 (क) और (ज) के अनुसार सिनर्जीज कास्टिंग्स लिमिटेड की जांच की अविध के दौरान अपने संपूर्ण उत्पादन की बिक्री डीटीए में करने की हकदारी है। सिनर्जीज कास्टिंग्स लिमिटेड ही एक मात्र ऐसा उत्पादक है जो वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग बनने का पात्र है और सिनर्जीज कास्टिंग्स लिमिटेड का उत्पादन नियमावली के आशय के अंतर्गत 100 प्रतिशत पात्र उत्पादन बनता है।
- (v) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि किसी निर्यातोन्मुख इकाई को घरेलू उद्योग के पक्ष के रूप में मानना गलत है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी निर्यातोन्मुख इकाई की घरेलू उद्योग बनने की पात्रता के पहलू का नियम 2(ख) के अंतर्गत इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में विस्तार से समाधान कर दिया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियम किसी 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई को घरेलू उद्योग के एक भाग के रूप में मानने से प्रतिसिद्ध नहीं करते हैं।
- (vi) इस तर्क के संबंध में संबद्घ वस्तु के डिजायन, रंग आदि विनिर्देशनों युक्त कितपय ऐसे प्रितिमानों का, जिनका याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्माण नहीं किया जाता है, उत्पाद के दायरे की परिधि से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के दायरे और आशय के अंतर्गत समान वस्तु हैं। प्राधिकारी पुन: यह नोट करते हैं कि डिजायन, रंग आदि के विभिन्न विनिर्देशनों युक्त विचाराधीन उत्पाद उसे इस विचाराधीन उत्पाद से भिन्न नहीं बना देता है।
- इस प्रस्तृतिकरण के संबंध में कि वैद्धिक संपदा अधिकारों/लिप्याधिकारों द्वारा सरंक्षित संबद्ध वस्त को विचाराधीन (vii) उत्पाद के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग सहित किसी अन्य पक्षकार को इन उत्पादों का विनिर्माण आईपीआर/प्रतिलिप्याधिकार धारक से विशिष्ट अनुमति लिए बिना करने का प्रतिषेध किया जाता है और यह भी कि घरेलू उद्योग द्वारा जांच की अवधि के दौरान जिन उत्पादों का उत्पादन या उनकी बिक्री नहीं की गई है, उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकरों द्वारा उठाए गए इन मुद्दों का समाधान इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में पहले ही कर दिया गया है। प्राधिकारी एक बार पुन: यह नोट करते हैं कि इस विचाराधीन उत्पाद में, "12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्युमिनियम अलाय व्हील्स अथवा अलाय रोड व्हील्स (एआरडब्ल्य), चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हों अथवा नहीं" आते हैं जिसमें ऊपर नोट किए गए के अनुसार दपहिया वाहनों के लिए एआरडब्ल्यू व्हील्स का अपवर्जन है। घरेलू उद्योग या तो विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत आने वाले सभी आकार के एआरडब्ल्यू व्हील्स का विनिर्माण करता हो या उनका विनिर्माण करने की उसके पास क्षमता हो। इसके अतिरिक्त, किसी भी एआरडब्ल्यू की डिजायन (इसमें लिप्याधिकार वाले एआरडब्ल्यू भी शामिल हैं) उसका सौंदर्य संबंधी एक पहलू होता है, जिसका निर्धारण मोटर वाहन विनिर्माण द्वारा किया जाता है जो विभिन्न एआरडब्ल्यू विनिर्माताओं के संबंध में एक प्रतिसिद्धकारी कारक नहीं है। इस प्रकार, किसी एआरडब्ल्यू की डिजायन, यदि उसका लिप्याधिकार है तब भी, किसी अन्य डिजायन के एआरडब्ल्यू से, जहां तक वे पाटनरोधी नियमावली के आशय के अंतर्गत तकनीकी रूप से एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है. भिन्न नहीं बना देती है। बहरहाल, संबद्ध वस्तु प्राथमिकता एक टेलर-मेड उत्पाद है और ओईएम को, यदि वे इन व्हील्स का उत्पादन, भारतीय उत्पादकों सहित, अपनी इच्छानुसार कराना चाहते हैं तो, एआरडब्ल्यू विनिर्माता के लिप्याधिकार संरक्षित व्हील्स डिजायन को भी शेयर करना होगा।

- (viii) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि विचाराधीन उत्पाद की जांच शुरूआत अधिसूचना तथा प्रारंभिक जांच परिणाम में दी गई परिभाषा अस्पष्ट है और विचाराधीन उत्पाद में सहायक सामग्री का विवरण दिए बिना "सहायक सामग्री युक्त या रहित" अलाय रोड व्हील्स को शामिल किया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस विचाराधीन उत्पाद को वर्तमान अंतिम जांच परिणाम में स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। एक बार पुन: यह नोट किया जाता है कि इस विचाराधीन उत्पाद को सीमा-शुल्क उपर्शीषक "रोड व्हील्स और उनके पार्टस तथा सहायक सामग्री" के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और याचिकाकर्ता की प्रस्तुतिकरण के अनुसार सहायक सामग्री के संदर्भ में सामान्यत: व्हील्स कैप्स, एयर वाल्व और लग नट्स आते हैं।
- (ix) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि सिटिक डिस्काटेल का उसकी असंबद्ध पर ऐसा कोई नियंत्रण नहीं है जिससे वह उन्हें वर्तमान जांच में सहयोग करने के लिए बाध्य कर सके और इस आधार पर उसकी निर्यात कीमत को नामंजूर नहीं करना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे का इस अंतिम जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में समुचित रूप से एवं पर्याप्त रूप से समाधान कर दिया गया है। तथापि, प्राधिकारी एक बार पुन: यह नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा किए गए निर्यात की भारी मात्रा (75 प्रतिशत) का सिटिक डिस्काटेल द्वारा ऐसे अन्य उत्पादकों से आउटर्सोस किया गया है जिन्होंने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करके प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। चूंकि कंपनी द्वारा किए गए अधिकांश निर्यात की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला प्राधिकारी के पास उपलब्ध है ही नहीं, इसलिए प्राधिकारी ने सिटिक डिस्काटेल को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं किया है।
- (x) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि संबंधित उत्पाद के लगभग सभी प्रयोक्ता ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्यूफैक्चरर्स (ओईएम) हैं, जो विशिष्ट मानदंडों सहित वैश्विक निविदाएं निकालते हैं और इस उत्पाद की कीमत निर्धारण में निर्यातकों का अधिक हाथ नहीं होता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के उत्पादक/निर्यातक वर्तमान जांच में पाटन के तथ्य को ओईएम द्वारा वैश्विक निविदा प्रणाली को उत्तरदायी नहीं ठहरा सकते हैं।
- (xi) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि प्राधिकारी चीन के लिए सामान्य मूल्य के संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में विहित प्रक्रिया का अनुसरण करने में असफल रहे हैं और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह भी उल्लेख नहीं किया है कि यदि प्राधिकारी ने अंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला है कि ये फर्में बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांत पर प्रचालन नहीं करती हैं, तो किस देश को प्रतिनियुक्त देश माना जाए, प्राधिकारी ने प्रारंभ जांच परिणाम में यह नोट किया है कि तृतीय देश की लागत और कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उनकी घरेलू बिक्रियों के या तृतीय देश निर्यात बिक्रियों और इस तृतीय देश में इन उत्पादकों की उत्पादन लागत तथा सहयोग के संपूर्ण एवं सर्वसमावेशी आंकड़े अपेक्षित होते हैं। इन बाजारों में प्रचलित कीमत या लागत के संबंध में ऐसी कोई सूचना आवेदक द्वारा या प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रदान नहीं कराई गई है और न ही यह सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और न ही चीन की प्रत्युत्तरदाता कंपनियों ने इस स्तर पर एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के संबंध में कोई दावा किया है। प्राधिकारी पुन: यह नोट करते हैं कि अंतिम जांच परिणाम में स्थिति वैसी ही बनी हुई है क्योंकि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई संगत सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। अत:, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए अनुबंध-1 के पैरा 7 में यथानिर्धारित आधार पर भरोसा किया है।
- (xii) जहां तक इस उत्पादकों का संबंध है कि प्राधिकारी ने चीन में सभी नमूनाबद्ध उत्पादकों के सामान्य मूल्य के दावे को अस्वीकार कर दिया है और यह नोट किया जाना चाहिए कि प्राधिकारी चीन के गैर-नमूनाकृत उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए चीन के अन्य गैर-नमूनाकृत उत्पादकों से सूचना मंगा सकते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर किया गया है जिसमें गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश का उल्लेख है। इस तथ्य के मद्देनजर कि चीन जन.गण. के नमूनाकृत प्रत्युत्तरदाता सहयोगकर्ता उत्पादक अपने एमईटी दावे की अभिपुष्टि करने में असफल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी नमूनाकरण को शासित करने वाले सुस्पष्ट सिद्धांतों के आलोक में इस समय चीन जन.गण. के गैर-नमूनाकृत उत्पादक ने व्यक्तिगत उपचार के लिए समय से कोई अनुरोध नहीं किया है जिससे कि इस समय, जब यह जांच अपने अंतिम स्तर पर है, किसी व्यक्तिगत जांच के अनुरोध का दावा किया जा सके।
- (xiii) इस तर्क के संबंध में इस प्रस्तुतिकरण के बावजूद कि समुचित क्षिति विश्लेषण करने के लिए उस अविध के औसत विनिमय दर को अपनाना चाहिए, प्राधिकारी ने बिना किसी युक्तियुक्तता के प्रारंभिक जांच परिणाम में प्रचलित विनिमय दर को अपनाया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अविध के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 यूएस डालर = 50.25/-रुपए है, जो जांच की अविध के लिए औसत दर है।

- (xiv) इस तर्क के संबंध में कि यद्यपि समर्थनकारी साक्ष्य से यह अभिपुष्टि की गई है कि पूंजीगत अवरोधों के कारण याचिकाकर्ता अपनी क्षमता नहीं बढ़ा सकता और इसका प्रारंभिक जांच परिणाम में पर्याप्त रूप से समाधान नहीं किया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह तर्क इस जांच परिणाम में स्थापित तथ्यों के अनुरूप नहीं है। घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता में व्यापक वृद्धि की है। तथापि, क्षमता उपयोग इष्टतम स्तर से बहत कम रहा।
- (xv) इस तर्क के संबंध में कि डीरजीएडी ने अपने प्रारंभिक जांच परिणाम में यह नोट किया है कि सिनर्जी कास्टिंग्स के अलावा भारत में संबद्ध वस्तु के 4 अन्य उत्पादक भी है और डीजीएडी को इन उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा की जांच करनी चाहिए क्योंकि प्रत्येक उत्पादक की बाजार पर नजर है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि बाजार में विविध उत्पादकों की मौजूदगी उनके बीच कुछ प्रतिस्पर्धा का मृजन कर सकती है परंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा को परस्पर प्रतिस्पर्धा का नाम नहीं दिया जा सकता है, जिसका घरेलु उद्योग के निष्पादन पर क्षतिकारी प्रभाव हो।
- (xvi) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि याचिकाकर्ता द्वारा आपूर्ति किए गए घटिया गुणवत्ता वाले उत्पादों से उनसे आर्डरों का विपथन हुआ और इसके परिणामस्वरूप उनके क्षति हुई, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस दावे की कोई अभिपुष्टि नहीं की गई है।
- (xvii) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि याचिकाकर्ता एआरडब्ल्यू के पर्याप्त भाग का निर्यात यूएस स्थित अपनी अनुषंगी को कर रहा है और भारी घाटा उठा रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में क्षति विश्लेषण घरेलू उद्योग के घरेलू एवं निर्यात निष्पादन को अलग-अलग करके किया गया है।
- (xviii) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि जहां वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ एकल उत्पाद समूह में बहु उत्पाद प्रकारों को शामिल किया गया है और क्षति विश्लेषण में प्रत्येक उत्पाद प्रकार की कीमत पर विचार किया जाना आवश्यक है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद में दुपहिया वाहनों के लिए एआरडब्ल्यू का अपवर्जन करते हुए "12 इंच से लेकर 24 इंच तक के ब्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्युमिनियम अलाय व्हील्स अथवा अलाय रोड व्हील्स (एआरडब्ल्यू), चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हों अथवा नहीं"। प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु को किग्रा या एमटी के समनुरूप परिवर्तित करके समान स्तर पर पाटन एवं क्षति की उद्देश्यपरक जांच का आयोजन किया है। प्राधिकारी पुन: यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में पाटन एवं क्षति दोनों ही का विश्लेषण वस्तु-दर-वस्तु आधार पर किया गया है।
- (xix) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि ओईएम प्रखंड और बाजार पश्च प्रखंड के लिए क्षिति विश्लेषण अलग-अलग किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ओईएम और बाजार पश्च संबद्ध वस्तु का वितरण करने वाले दो माध्यम है, न कि परस्पर वस्तु। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावे के अनुसार ओईएम और बाजार पश्च को आपूर्ति की गई वस्तु के समान आधारभूत उत्पाद विशिष्टताएं और अंतिम प्रयोग होते हैं और दोनों ही व्हील्स समान वस्तुएं है तथा परस्पर प्रतिस्थानी हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों ही माध्यमों को बिक्री की गई संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमावली के अनुसार समान वस्तु है।
- (xx) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि अर्धपरिष्कृत एआरडब्ल्यू का आयात परिष्कृत वस्तु की तुलना में कम कीमत पर किया जाता है और इसलिए अर्धपरिष्कृत एआरडब्ल्यू को क्षिति विश्लेषण से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अर्धपरिष्कृत एआरडब्ल्यू भी व्यावहारिक प्रयोग में आने वाले एआरडब्ल्यू हैं। रिपोर्ट की गई एआरडब्ल्यू की मात्रा का आयात, केवल चीन जन.गण. से किया गया है जो जांच की अविध के दौरान चीन जन.गण. से किए गए कुल आयातों का 0.06 प्रतिशत ही है।
- (xxi) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि ओईएम अपनी जरूरत के 15 प्रतिशत की पूर्ति घरेलू उद्योग से करते हैं और उनकी क्षमता का पूर्ण उपयोग हो जाता है, इसका आशय यह है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षित हुई ही नहीं है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच की अविध के दौरान अपनी क्षमता के केवल 71 प्रतिशत का ही उपयोग किया है। अत: यह दावा कि घरेलू उद्योग की क्षमता ओईएम की 15 प्रतिशत मांग को ही पूरा करने में समाप्त हो गई है, असत्य है।
- (xxii) इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग लो प्रेसर डाई कास्टिंग (एलपीडीसी) या ग्रेविटी डाई कास्टिंग टेक्नालोजी अपना रहा है जब कि कास्ट फ्लो फार्म और फोर्ज्ड व्हील नवीन प्रौद्योगिकियां हैं जिससे कम वजन, बेहतर यांत्रिक विशेषता और बेहतर स्टायलिंग ऐपियरेंस आता है और इन दोनों प्रौद्योगिकियों के लिए लागत एवं कीमत निर्धारण विश्लेषण अलग-अलग किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी विभिन्न प्रौद्योगिकियां अंतिम उत्पाद को भिन्न उत्पाद नहीं बना देती हैं। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के आशय एवं दायरे के अंतर्गत समान वस्तुएं हैं।

- (xxiii) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि प्राधिकारी ने दीर्घकालिक संविदाओं के घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार नहीं किया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी दीर्घकालिक संविदा के कारण क्षति के दावे की न तो अभिपुष्टि की गई है और न ही यह याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत क्षति, जिसका प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया है, से ही स्पष्ट है।
- (xxiv) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि पाटनरोधी शुल्क भारतीय आटो उद्योग के लिए अहितकर है और भारतीय उद्योग अपनी कुल घरेलू मांग के केवल 19 प्रतिशत को ही पूरा कर सकता है और शेष का आयात किया जाता है और इस पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण कर देने से भारतीय आटोमोबाइल विनिर्माताओं पर अनुचित लागत बोझ पड़ेगा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उपयोग सामान्यत: पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को पहुंचाई जाने वाली क्षति का उपशमन करना है जिससे कि भारतीय बाजार में एक ऐसी मुक्त एवं पक्षपातरहित प्रतिस्पर्धा स्थापित हो सके जो देश के हित में हो। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध देशों से होने वाले आयातों को किसी भी रूप में प्रतबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ताओं पर इस उत्पाद की उपलब्धता का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (xxv) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि वर्ष 2010-11 के पश्चात्, आंध्र प्रदेश में भारी विद्युत कटौती हुई, जिसके परिणामस्वरूप सिनर्जी कास्टिंग्स लिमिटेड के क्षमता उपयोग में गिरावट आई, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता के उत्पादन और उसकी क्षमता में आधार वर्ष और वर्ष 2010-11 तथा जांच की अविध के बीच समग्र रूप से वृद्धि हुई है। अत: घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग पर विद्युत कटौती के प्रभाव के संबंध में दिया गया तर्क सही प्रतीत नहीं होता है।
- (xxvi) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि डीजीएडी ने इस तथ्य का प्रकटन नहीं किया है कि असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का निर्धारण कैसे किया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के अनुरूप किया गया है।
- (xxvii) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि घरेलू उद्योग को अत्यधिक गोपनीयता की अनुमित दी गई है कि प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम में अत्यधिक गोपनीयता अपनाई गई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां कहीं आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को, जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर दर्ज करने वाली सूचना का अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ सार्वजनिक फाइल के रूप में सभी को उपलब्ध कराया।
- (xxviii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि भार आधार पर अधिरोपित शुल्क त्रुटिपूर्ण है, यह नोट किया जा सकता है कि चूंकि आयातों को वजन एवं अदद दोनों आधारों पर रिपोर्ट किया जाता है, इसलिए पाटन एवं क्षित का विश्लेषण एवं पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण वजन आधार पर करना उपयुक्त माना गया। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने चीन जन गण. फ्लैट बेस स्टील व्हील्स के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच के संबंध में भी समान क्रियापद्धित अपनाई थी। संबद्ध वस्तु पर आधारभूत सीमाशुल्क का संग्रहण भी भार आधार पर ही किया जाता है।
- (xxix) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि थाईलैंड के संबंध में मार्जिन का निर्धारण मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटैड द्वारा प्रदान कराई गई आयात सूचना के आधार पर किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाईलैंड के निर्यातकों ने इस जांच में सहयोग नहीं किया है। प्राधिकारी पुन: यह नोट करते हैं कि निर्यातकों के संबंध में मार्जिन का नियमानुसार निर्धारण निर्यातक विशिष्ट आंकड़ों के आधार पर किया जाता है न कि किसी आयातक द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर।

# प्रकटन विवरण के पश्चात घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियां

- 143. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन पश्चात निम्नलिखित टिप्पणियां प्रस्तृत की गईं :
- (i) प्राधिकारी को, पाटनरोधी शुल्क से बचने के इरादे से आयात मूल्य की गलत घोषणा पर विचार करते हुए यूएस डालर/किग्रा के रूप में शुल्क के निर्धारित स्वरूप के अधिरोपण की सिफारिश करनी चाहिए।
- 144. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात की गई टिप्पणियां और प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई टिप्पणियां निम्नलिखित हैं :
  - (i) प्राधिकारी एसएआईसी जीएम वुलिंग आटोमोबाइल कंपनी लिमिटेड और इसके समूह को स्थल सत्यापन द्वारा अपने दावे की अभिपुष्टि करने का अवसर प्रदान करने से असफल रहे।

- (ii) द्वितीय सुनवाई के लिए प्राधिकारी द्वारा दिनांक समय दिए जाने के कारण इसे हितबद्ध पक्षकारों को अपर्याप्त 30.5.2014 के लिए एक प्रभावकारी अवसर नहीं कहा जा सकता है।
- (iii) प्राधिकारी ने प्रौद्योगिकी में अंतर तथा क्षमता उपयोग के संबंध में विरोधाभासी विवरण दिया है।
- (iv) मैसर्स सिटिक डिस्काटेल, चीन जन. गण. द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किए गए निर्यातों के लिए प्रथक व्यक्तिगत पाटन मार्जिन दिया जाना चाहिए।

## प्राधिकारी द्वारा जांच

145. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियों में उनके पिछले प्रस्तुतिकरणों को ही दोहराया गया है, जिसकी पहले ही पर्याप्त जांच की जा चुकी है और उनका इस अंतिम जांच परिणम के संगत पैराग्राफों में उचित रूप से समाधान कर दिया गया है।

146. जहां तक प्रकटन पश्चात की गई इस टिप्पणी का संबंध है कि प्रौद्योगिकी में अंतर के संबंध में प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के पैरा 16, 17 (vi) और 128 में विरोधाभासी अधिकथन किया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संगत पैराग्राफों में ऐसा कोई विरोधाभास नहीं है। प्राधिकारी एक बार पुन: यह धारित करते हैं कि भिन्न प्रौद्योगिकियां होने के कारण अंतिम उत्पाद भिन्न नहीं हो जाते हैं।

147. जहां तक प्रकटन पश्चात की गई इस टिप्पणी का संबंध है कि प्राधिकारी ने आवेदक के क्षमता उपयोग के संबंध में प्रकट विवरण के पैरा 98 और 141 में विरोधाभासी अभिकथन किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस संगत पैराग्राफों में ऐसा कोई विरोधाभास नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रतिशत के रूप में घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई है जैसाकि प्रकटन विवरण के पैरा 98 में उल्लेख किया गया है और तत्पश्चात इसमें गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के पैरा 141 (xxv) में यह नोट किया है कि याचिकाकर्ता की क्षमता और उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2010-11 के बीच तथा जांच अविध के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

### द निष्कर्ष

- 148. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों और इस जांच परिणाम में यथा दर्ज रिकॉर्ड में उपलब्ध कराए गए तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते है किः
- (क) संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप उत्पाद का पाटन हुआ है ।

# (ख) संबद्ध देशों में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) यह वास्तविक क्षति संबद्ध देशों में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

# ध. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

- 149. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनररोधी शुल्क लगाए जाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
- 150. यह माना जाता है कि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से देश में मोटर वाहन की कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इस उत्पाद की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धातमकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकती है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क का उद्गहण उस राशि तक सीमित रखा जाएगा जो घरेलू उद्योग को हुई क्षित समाप्त करने के लिए आवश्यक है। पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने से पाटन की प्रक्रियाओं के कारण निर्यातकों/आयातकों द्वारा अर्जित अनुचित लाभ भी दूर होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन में हास रूकेगा और उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

# न. सिफारिशें

151. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत की गई तथा उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई और पाटन, क्षित एवं कारणात्मक संबंध के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया। पाटनरोधी नियमों में निर्धारित उपबंधों के अनुसार पाटन, क्षित एवं कारणात्मक संबंध के बारे में अंतिम जांच प्रारंभ और संपन्न करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षित की अंतिम रूप से पुष्टि करने के उपरांत प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षित को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है। अत: प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और केंद्रीय सरकार द्वारा दिनांक 11.04.2014 की अधिसूचना संख्या 15/2014 के तहत जारी अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अधोलिखित निर्धारित स्वरूप में और ढंग से पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

152. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, संबद्ध देशों में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

# शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उपशीर्षी	वस्तु विवरण**	उगदम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8708 70	"12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉब रोड व्हील्स (एआरडब्ल्यू) चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	बाओडिंग लिझांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिभिटेड चीन जन.गण.	बाओडिंग लिझांग व्हील्स मैन्यूफैक्च रिंग	1.37	किग्रा.	अम.डॉ.
2	यथोक्त	अथवा नहीं" यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	बाओडिंग लिझांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण.	ग्लोविस -	1.37	किग्रा.	अम.डॉ.
3	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	***सूची के अनुसार गैर- नसूनाशुदा उत्पादक/निर्या तक	***सूची के अनुसार	1.37	किग्रा.	अम.डॉ.
4	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन गण.	में उल्लिखित	पर्युक्त क्रम सं. 1 से 3 में उल्लिखित नामों से इतर कोई संयोजन		किग्रा.	अम.डॉ.
5	यथोक्त	यथोक्त	● न जन.गण.	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	कोई	कोई	2.15	किग्रा.	अम.डॉ.
6	यथोक्त	यथोक्त	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	2.15	किग्रा	अम.डॉ.
7	यथोक्त	यथोक्त	कोरिया आरपी	कोरिया आरपी	कोई	कोई	1.18	किग्रा	अम.डॉ.
8	यथोक्त	यथोक्त	कोरिया आरपी	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	कोई	कोई	1.18	किग्रा.	अम.डॉ.
9	यथोक्त	यथोक्त	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	कोरिया पीआर	कोई	कोई	1.18	किग्रा.	अम.डॉ.

10	यथोक्त	यथोक्त	थाईलैंड	थाईलैंड	कोई	कोई	1.06	किग्रा.	अम.डॉ.
11	यथोक्त	यथोक्त	थाईलैंड	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	कोई	कोई	1.06	किग्रा.	अम.डॉ.
12	यथोक्त	यथोक्त	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	थाईलैंड	कोई	कोई	1.06	किग्रा.	अम.डॉ.

- \* संबद्ध वस्तु का आयात 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 आदि जैसे विभिन्न प्रशुल्क शीर्षकों वर्गीकरणों के अंतर्गत भी किया जाता है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।
- \*\* दुपहिया वाहनों के लिए एल्युमिनियम एलॉय व्हील्स अथवा एलॉय रोड व्हील्स (एआरडब्ल्यू) विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखे गए हैं।

# \*\*\* चीन जन.गण. के गैर नमूनाश्दा निर्यातकों की सूची

- (i) सियेन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई.लिमि .क (, शंघाई, चीन जन.गण. (उत्पादकल मोर्ट्स कोरपोरेशन और शंघाई जर्न ( लिमिटेड पुडॉग, शंघाई, चीन जन(निर्यातक).गण.
- (ii) झिजियांग बाओकांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड मांगझेई टाउन, वूई, झिजियांग, चीन जन. गध्स.(उत्पादक व निर्यातक)।
- (iii) झिजियांग जेन्ट ऑटो व्हील कंपनी लिमिटेड योंगकांग सिटी, झिजियांग, चीन जन. गण.(उत्पादक व निर्यातक)
- (iv) झिजियांग जिनफिई कैडा व्हील कंपनी लिमिटेड जिनहुअ सिटी झिजियांग, चीन जन. गण.(उत्पादक व निर्यातक).।
- (v) व्युक्सी सिटी वानएक्अन मैटल प्रोडेशन कंपनी लिमिटेड, व्युक्सी सिटी, जिअंगसू, चीन जन. गण.।
- (vi) झेजियांग शुगुआंग इंड. कंपनी लिमिटेड, वूई, झिजियांग, चीन जन. गण.(उत्पादक व निर्यातक)।
- (vii) झियांगयांग हेनगडे ऑटो पाटर्स कंपनी लिमिटेड, एक्सीयांग, हुबेई, प्रोविनस्, चीन जन. गण. (उत्पादक व निर्यातक)।
- (viii) कूनशंग लियूफेनग मशीनरी इन्डस्ट्री कंपनी लिमिटेड, सूजोउ सिटी, जिअंग्सू प्रोविन्स, चीन जन.गण. (उत्पादक) और लिओ फूंग इन्टरनेशनल कारपोरेशन, कुनशन डेवेलपमेंट जॉन, जिअंग्सू प्रोविन्स, चीन जन. गण. (निर्यातक)।
- 153. उपर्युक्त के अध्यधीन प्राधिकारी दिनांक 13.01.2014 की प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना संख्या 14/07/2012-डीजीएडी की संपुष्टि करते हैं।
- 154. इस अंतिम जांच परिणाम से उत्पन्न केंद्रीय सरकार के आदेशों के विरुद्ध सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार एक अपील सीमाशुल्क, उत्पादकर एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण में दायर की जा सकती है।

जे .के .दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th June, 2014

### **Final Findings**

Subject:- Anti-Dumping Investigations concerning imports of Cast Aluminium Alloy Wheels or Alloy Road Wheels used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches, originating in or exported from China PR, Korea RP and Thailand.

**No. 14/7/2012-DGAD**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules,1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules);

- 2. Whereas, Aluminium Association of India filed an application on behalf of the domestic industry represented by M/s Synergies Castings Limited, alleging dumping of Cast Aluminium Alloy Wheels or Alloy Road Wheels used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR, Thailand and Korea RP (hereinafter also referred to as the subject countries) and requested for initiation of anti-dumping investigations for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.
- 3. Whereas,the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant issued a public notice dated 10<sup>th</sup> December 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
- 4. And whereas, the Authority notified the Preliminary Findings in the present investigations vide Notification No 14/7/2012-DGAD dated 13.01.2014 recommending provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries. The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties inviting their comments by giving a reasonable period of time.
- 5. And whereas, the Central Government in the Department of Revenue, vide their Notification No. 15/2014-Customs (ADD) dated 11.04.2014 imposed provisional anti-dumping duties, as per the recommendations made by the Designated Authority, on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries vide Notification No 14/7/2012-DGAD dated 13.01.2014.

#### A. PROCEDURE

- 6. The procedure described below has been followed by the Authority in the present investigation:
  - i. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
  - ii. In addition to the provisions of sub-rule (5) of Rule 5 supra, the Government of Korea RP was informed through its Embassy in India about the receipt of the subject application as per provisions of Article 2.14 of Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA) between India and Korea RP.
  - iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 10<sup>th</sup> December, 2012 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
  - iv. The copy of the Initiation Notification was sent to the known producers/exporters of the subject goods in the subject countries, Embassies of the subject countries in India, importers/users of the subject goods in India, the domestic producers and other known interested parties requesting them to file response and make their views known in writing.
  - v. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters of the subject goods in the subject countries and to the Embassies/Representatives of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) supra.
  - vi. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to the Embassies/Representatives of the subject countries in India, along with the names and addresses of the exporters with the request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.

- vii. Since a large number of producers/exporters from the subject countries expressed interest to participate in the subject investigation, the Authority took resort to sampling under Rule 17(3) of the Anti-dumping Rules.
- viii. Along with the initiation Notification, a sampling questionnaire was sent to the producers/exporters of the subject goods in the subject countries, with copy to the concerned Embassies/Representatives in India, with the advice to fill in the same and provide to the Authority within 15 (fifteen) days of the date of the letter.
- ix. The initiation notification along with sampling questionnaire was sent to the following producers/exporters of the subject goods in the subject countries:

#### China PR

- a. Baoding Lizhong Wheel Manufacture Co., Ltd.
- b. Dare Technology Co.,Ltd.
- c. Danyang Co
- d. Yhi International Limited
- e. CiticDicastal Wheel Manufacturing Co., Ltd
- f. Ysm Wheels Corporation Ltd
- g. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd
- h. Baosh Auto Parts Company Limited
- i. ChipingXinfa Aluminum Product Co., Ltd
- j. Freeman Racing Wheels
- k. Shandong Vesteon Automotive Parts Co., Ltd
- 1. Uniracing (Ningbo) Manufacturing Co., Ltd
- m. Ningbo Jinggang Machinery Co., Ltd
- n. Qindago Homeshine International Trading Co., Ltd
- o. Ningbo Oiyu Special Wheel Corp
- p. Zhejiang Buyang Auto Wheels Co., Ltd
- q. China Zenix Auto International Limited
- r. Qingdao Donghwa Casting Inc
- s. Dare Wheel Manufacturing Co., Ltd,
- t. Hua Tai (Jiang Men) Aluminium Product Co Ltd
- u. SanmengxiaDicastal Wheel Manufacturing Co.Ltd
- v. Shanghai Jinheli Aluminum Wheel Hub Manufacture Co., Ltd
- w. Liufeng Machinery Industry Co., Ltd
- x. Foshan Nanhai Zhongan Aluminium Wheel Co., Ltd
- y. China Zenix Auto International Limited

#### Korea RP

- a. Korea Wheel Tech Co Ltd
- b. Samsung Auto Dismantling Co., Ltd
- c. GS Corporation
- d. Uniwell Corporation
- e. Mirae Trading Co Ltd
- f. Rainbow Industrial Co., Ltd
- g. Eastern Point
- h. MH International
- i. Wowmotors Co., Ltd
- j. Unhwa Commerce Inc
- k. Alux Co., Ltd

### **Thailand**

- a. SammitrBangyai Auto Part & Export Co.,Ltd
- b. Easy World Sa Trading Ltd. Part
- c. Southern Cross Enterprises
- d. WC Co., Ltd.,
- e. The Rep Company
- f. TanutNetphant
- g. Taita Enterprise Co., Ltd.,
- h. I.C.Point
- i. TnpAutoparts Company Limited
- j. Technet Corp Asia Co., Ltd.,
- k. Hyper Silvers & Chrome Paints
- 1. Enkei
- x. The following producers/exporters from the subject countries submitted the sampling questionnaire along with relevant information:

### China PR

- a. Seyen Heavy Industries (Shanghai) Co., Ltd, Shanghai, China PR.
- b. Shanghai General Motors Corporation Ltd, Pudong, Shanghai, China PR.
- c. CITIC Dicastal Wheel Manufacturing Co Ltd, Qinhuangdao City, Hebei, China PR.
- d. SAIC GM Wuling Automobile Co., Ltd., Guangxi, China PR.
- e. ZheJiangYueLing Co., Ltd., Wenling, Zhejiang, China PR.
- f. CITIC Dicastal Co Ltd, Qin Huangdao City, China PR.
- g. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd, Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR.
- h. Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR.
- i. Zhejiang Buyang Auto Wheel Co., Ltd., West City, Yongkang, Zhejiang, China PR.
- j. Zhejiang Jinfei Kaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR.
- k. Wuxi City Wanxuan Metal Production Co., Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR.
- 1. Zhejiang Autom Aluminium Wheel Co., Ltd., Wuyi City, Zhejiang, China PR.
- m. Zhejiang Shuguang Industrial Co., Ltd., Wuyi ,Zhejiang, China PR.
- n. Lio Fung International Corporation Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR.
- o. Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co., Ltd., Baoding, Hebei, China PR.
- p. Xiangyang Hengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR.
- q. KunshanLiufeng Machinery Industry Co. Ltd, Suzhou City, Jiangsu Province, China PR.

#### Korea RP

- a. Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd, Wanju-gun, Chunbuk, Korea RP.
- b. G.M. Korea Co., Bupyeong-Gu, Incheon, Korea RP.
- c. Hands Corporation, Gajwa-dong Seogu, Incheon, Korea RP.
- d. Hyundai Glovis Co. Ltd., Gangnam-gu, Seol, Korea RP.
- xi. No sampling questionnaire was received from producers/exporters from Thailand.
- xii. The following producers/exporters from the subject countries were sampled by the Authority:
  - i. Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co., Ltd., China PR.
  - ii. CITIC DICASTL Co Ltd, China PR.
  - iii. Zhejiang Yueling Co., Ltd., China PR.
  - iv. Zhejiang Autom Aluminium Wheels Co., Ltd., China PR.
  - v. Zhejiang Buyang Auto Wheel Co., Ltd., China PR.
  - vi. Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd., Korea RP.
  - vii. G.M. Korea Co., Korea RP.
  - viii. Hands Corporation, Korea RP.
  - ix. Hyundai Glovis Co. Ltd., Korea RP.
- **xiii.** The Authority further notes that the following were not selected by the Authority in the sampling process:
  - i. Seyen Heavy Industries (Shanghai) Co., Ltd, Shanghai, China PR.
  - ii. Shanghai General Motors Corporation Ltd, Pudong, Shanghai, China PR.
  - iii. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd, Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR
  - iv. Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR.
  - v. Zhejiang JinfeiKaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR.
  - vi. Wuxi City Wanxuan Metal Production Co., Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR.
  - vii. Zhejiang Shuguang Industrial Co., Ltd., Wuyi, Zhejiang, China PR.
  - viii. Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR
  - ix. XiangyangHengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR.
  - x. KunshanLiufeng Machinery Industry Co. Ltd, Suzhou City, Jiangsu Province, China PR.
- xiv. The following sampled producers/exporters from the subject countries along with their related/connected parties filed the Exporter's Questionnaire/MET (in case of China PR) responses:

### China PR

- i. CITIC Dicastal Co. Ltd
- ii. Zhejiang Yueling Co. Ltd
- iii. Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd
- iv. Zhejiang Autom Aluminum Wheels Co. Ltd
- v. Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd along with MET response of the related companies namely HebeiLizhong Non-ferrous Metals Group Co Ltd (related raw material supplier), Qinhuangdao Dicamry Wheel Co Ltd, TiaanjinDicastal Wheel Manufacturing Co Ltd, and Tianjin Lizhong Wheel Co Ltd.

# Korea RP

- i. Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer)
- ii. GM Korea Company (exporter)

- iii. Hands Corporation (producer)
- iv. Hyundai Glovis Co. Ltd (exporter)
- xv. The Authority notes that Hands Corporation, Korea RP (producer) exporting through Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP has not filed exporters questionnaire response. However, Hyundai Glovis Co. Ltd (exporter), Korea RP, which also exported to India during the POI the subject goods produced by Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd, China PR, filed the exporter's questionnaire response along with Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd, China PR.
- The Authority further notes that M/s GM Korea Company, one of the responding exporters from xvi. Korea RP, has exported subject goods by purchasing from two producers namely M/s Artisan Spirit Alloy Co Ltd, Korea RP and M/s Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP. While M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd., which constituted less than 1% share of total exports made by GM Korea Company to India during the POI has filed the exporters questionnaire response, M/s Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP, accounting for 99% of the exports made by GM Korea Company to India during the POI, has not filed exporters questionnaire response. M/s GM Korea was given an opportunity through a deficiency letter to explain the position. However, the company did not furnish any satisfactory explanation towards non-cooperation by M/s Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP in the present investigation. Further, it is also noted that M/s Artisan Spirit Alloy Co Ltd, Korea RP has also not filed complete information with regard to pricing/costing. In view of the above position and since the quantity of exports, in respect of which response has been filed, is negligible and the export price cannot be considered as the representative export price in the absence of response from M/s Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP, whose products constitute 99% of the total quantity of subject goods exported by GM Korea Company to India during the POI, the Authority does not accept the response filed by M/s GM Korea Company, Korea RP (exporter). It may further be noted that M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer) has not filed information with regard to costing/pricing as per the prescribed Appendixes by the Authority in spite of giving sufficient opportunity. In view of the above position the Authority has not accepted the response of M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer) as well.
- xvii. The Authority further notes that the exporter's questionnaire responses filed by M/s SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd, China PR and SAIC GM Wuling (Linzhou) Importation & Exportation Co Ltd, China PR were not accepted, since the said parties were not sampled in the sampling process. Moreover, in their exporter's questionnaire responses the said parties claimed to have exported the subject goods produced by CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR and exported to M/s GM India. However, the exporter's questionnaire response filed by CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR does not show export through M/s SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd, China PR and SAIC GM Wuling (Linzhou) Importation & Exportation Co Ltd, China PR as a channel of sale. As subsequently clarified by CITIC Dicastal Co. Ltd, some of the subject goods were domestically sold toSAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd, China. But, they expressed their inability to confirm whether the said goods were exported to India. Therefore, the Authority does not accept the responses filed by M/s SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd, China PR and SAIC GM Wuling (Linzhou) Importation & Exportation Co Ltd, China PR.
- xviii. Importers Questionnaire was sent to the following known importers and/or consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
  - i. EnkeiWheels (India) Limited
  - ii. Neo Wheels
  - iii. Aakar Castings Pvt Ltd
  - iv. Volkswagen India Pvt. Ltd.
  - v. Ford India Private Ltd.
  - vi. General Motors India Pvt. Limited.
  - vii. Hyundai Motor India Ltd
  - viii. Toyota Kirloskar Motor Pvt. Limited
  - ix. FIAT India Automobile Limited
  - x. Hindustan Motors Limited
  - xi. BMW India
  - xii. Tata Motors Limited
  - xiii. Daimler India Pvt. Ltd
  - xiv. Skoda Auto India Private Limited
  - xv. Honda Siel Cars India Ltd.
  - xvi. Renault Nissan Technology & Business Centre India Pvt. Ltd
  - xvii. Sai Mag Wheels
  - xviii. Prestige Design
  - xix. Marwah Trader

- xx. The Automotive Component Manufacturers Association of India (ACMA)
- xxi. Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM)
- xxii. Sheromani Trader Pvt. Ltd.
- xxiii. Rockford Wheels
- xxiv. Sukhmani Wheels
- xxv. Sukhadata Enterprises
- xxvi. Perfect Importers & Distributors (I) Pvt. Ltd.
- xxvii. Auto Dynamic Corporation
- xxviii. Fast Track Distributors Pvt. Ltd.
- xxix. General Motors India Pvt. Ltd.
- xix. In response, the following importers/users in India have filed importers questionnaire response:
  - (a) Hyundai Motors India Ltd
  - (b) General Motors India Private Limited
- (c) Chevrolet Sales India Pvt. Ltd
  - xx. Apart from the exporters and importers who have filed questionnaire responses, the following interested parties have also made submissions during the course of the investigation:
    - (a) Auto Dynamic Corporation
    - (b) Perfect Importers & Distributors (I) Pvt. Ltd
    - (c) Ford India Pvt Ltd
    - (d) Mahindra & Mahindra Ltd
    - (e) Volkswagen India Pvt. Ltd
    - (f) TVS Motor Company Ltd
    - (g) China Chamber of Commerce for Import and Export of Machinery and Electronic Products (CCCME).
    - (h) BMW Group, India.
    - (i) Maruti Suzuki India Ltd.
    - (j) Hindustan Motors India Ltd.
    - (k) Endurance Technologies Pvt Ltd.
    - (1) Sheromani Traders Pvt Ltd.
    - (m) Rockford Wheels.
    - (n) Focus TradexPvt Ltd.
    - (o) Sukhmani Wheels.
    - (p) Sukhadata Enterprises
    - (q) Enkei Wheels (India) Ltd
    - (r) Neo Wheels Ltd
    - (s) Deltronix India Ltd
    - (t) Kosei MindaAluminium Co Ltd
    - (u) Fast Track Distributors Pvt Ltd
    - (v) Zhejiang Wanfeng Auto Wheel Co Ltd, China PR
    - (w) Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM).
- xxi. The Authority made available non-confidential version of the evidences presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xxii. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xxiii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xxiv. On site verification of the information provided by the petitioner as well as the producers/exporters of the subject countries were conducted to the extent considered relevant by the Authority. Only such verified information with necessary rectification wherever applicable is relied upon for the purpose of present final finding.
- xxv. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> July 2011 to 30<sup>th</sup> June, 2012 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2009-March 2010, April 2010-March 2011, April 2011-March 2012 and the POI.

- xxvi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation.
- xxvii. After comparing the import data from the secondary sources (IBIS) as furnished by the domestic industry with the import data received from the DGCI&S, the Authority notes that in terms of volume of imports into India from subject countries, data as per both the sources do not show any significant differences, however, the unit prices reported by DGCI&S are abnormally low vis-à-vis the price reported by IBIS. Therefore, the Authority has relied upon the secondary sources (IBIS) data furnished by the domestic industry for the purpose of this investigation.
- xxviii. The Authority held an oral hearing on 3rd December, 2013 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of the oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinders to the views expressed by other interested parties.
- xxix. The Department of Revenue vide their letter No.354/241/2012-TRU dated 06.12.2013 and letter No.354/241/2012-TRU dated 30.04.2014 extended the time period to complete the investigations up to 09.03.2014 and thereafter up to 09.06.2014 respectively.
- The Authority provided another opportunity of oral hearing to the interested parties on 30.05.2014 XXX. consequent upon change in the incumbent Designated Authority and in line with the judgment dated 7th January, 2011 of the Hon'ble Supreme Court in the Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA) Case vide Civil Appeal No. 949 of 2006. No sooner the change in the incumbent Designated Authority was indicated on 29th May, 2014, the interested parties were intimated the schedule of the 2nd oral hearing for the 30th May, 2014 on 29th May, 2014 itself considering the limited time available with the Authority to conclude the present investigation by 9th June, 2014 in terms of Rule 17 of the Anti-dumping Rules. Even though the known interested parties were intimated about the schedule of the 2nd oral hearing, some of the interested parties including the domestic industry appeared for hearing and made oral submissions. Some of the interested parties who expressed inability to attend the 2nd oral hearing were also intimated the circumstances under which the hearing was convened. The interested parties were allowed time up to 5 PM of 2nd June, 2014 for submitting written submissions and thereafter up to 5 PM of 4th June, 2014 for making rejoinder submissions. Thus, despite limited time available with the Authority, best possible efforts were made to convene a 2nd oral hearing and to give adequate opportunity to the interested parties to make oral as well as written submissions including rejoinder submissions. Under no circumstances the authority could have given a better opportunity because the investigation has to be completed and final finding issued by the Authority by 9th June, 2014 under Rule 17 of the Anti-dumping Rules.
- xxxi. In accordance with Rule 16 of Rules supra, the essential facts of the investigation were disclosed to the known interested parties vide disclosure statement dated 5<sup>th</sup> June, 2014 and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in this final finding.
- xxxii. The submissions made by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority have been addressed in this final finding.
- xxxiii. \*\*\*In this final finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxxiv. The exchange rate adopted for the POI is 1 US\$ = Rs. 50.25

### **B.** LITIGATIONS:

- 7. The following writ applications were filed by the interested parties before the Hon'ble Delhi High Court after the issue of the preliminary findings by the Authority. The status of the said writ applications are as below.
  - i. In the W.P. (C) 733/2014 filed by General Motors India Private Limited Versus Union Of India And Others, the order of the Hon'ble Delhi High Court dated 31.01.2014 is inter alia as follows:
    - "During the course of hearing, learned counsel for the petitioner sought liberty to approach the Government in respect of the findings recorded in the adverse observations made against it in the preliminary findings. This Court has been informed that 40 days time has been granted to the concerned affected parties to make such representations. In case such representation is made, the Central Government may deal withit in accordance with law. W.P.(C) 733/2013 and pending applications areaccordingly dismissed but in the above terms".
  - ii. In the W.P.(C) 1279/2014 filed by Mahindra And Mahindra Ltd Versus Union Of India & Ors and W.P.(C) 1280/2014 filed by Volkswagen India Private Limited Versus Union Of India & Ors, the order of the Hon'ble Delhi High Court dated 24.02.2014 is inter alia as follows:
    - "The petitioner is aggrieved by the preliminary finding recorded by the designated authority on 30.01.2014, said to have been communicated in February, 2014 pursuant to which provisional anti dumping duty has been recommended. It is stated that Central Government is yet to notify the duty.

Counsel highlights that the time granted by law i.e. Section 9A of the Central Excise Tariff Act, 1985 read with Rule 17 is one year, extendable by a maximum period of six months, from the date of initiation of the proceedings. It is stated that once the Central Government extended the period by three months which is scheduled to expire on 09.03.2014.

This Court notices that by a previous order disposed of W.P.(C) No.733/2014 (General Motors India Pvt. Ltd. vs. Union of India and Ors.) on the very same provisional anti dumping duty notification and the preliminary findings in respect of aluminium road wheels (ARW) was issued. There like in the present case the writ petitioner was afforded 40 days time to make representations. It is stated that in the present case, 40 days would expire beyond the date prescribed by law i.e. 09.03.2014. This Court is unable to take a different view from what was expressed in W.P.(C) No.733/2014. It is open to the petitioner to make such representation as is permissible which shall be dealt with by the designated authority in accordance with law.

W.P.(C) 1279/2014 and 1280/2014 along with accompanying applications are disposed of in the above terms."

- 8. Following the imposition of provisional duties by the Ministry of Finance vide notification No. 15/2014-Customs (ADD) dated 11.04.2014, following writs were filed before Hon'ble Madras High Court and Hon'ble Delhi High Court. The details of the same are as below.
  - i. In the matter W.P. (C) 11683 and 11684 of 2014 filed by Hyundai Motors India Ltd versus Union of India And Others, the order of the Hon'ble High Court of Madras dated 23.04.2014 is inter alia as follows:

"The respondents are directed to release the consignments of the petitioner- company on the petitioner- company paying entire customs duty and 50% of the anti-dumping duty for the consignments received from today till the next hearing date, i.e. 12/6/2014. Notice"

- ii. In the matter W.P. (C) 3022 and 3251 of 2014 filed by Mahindra and Mahindra Ltd versus Union of India and others, and W.P. (C) 3023 and 3250 of 2014 filed by Volkswagen India Private Limited, the Hon'ble Delhi High Court heard the matter on 21.05.2014 and has scheduled the matter for next hearing on 17.07.2014 without any interim orders.
- 9. After the issue of disclosure statement, Writ Petition Nos. 14567/2014 and 14568/2014 were filed by M/s Hyundai Motors India Ltd before the Hon'ble High Court of Madras. As informed by the Central Government Standing Counsel, the Hon'ble Court had ordered on 6<sup>th</sup> June, 2014 that the DGAD shall not pass any orders on 09.06.2014 and directed to file their counter on 16.06.2014 for final hearing. The Central Government Standing Counsel informed on 9<sup>th</sup> June, 2014 that the above stated matters were heard by the Hon'ble Court on 9<sup>th</sup> June, 2014 on a mention by the Central Government Standing Counsel and the Counsel representing Synergies Castings Ltd and the Hon'ble Court passed an order in modification of the earlier order dated 6.6.2014 permitting the Designated Authority to pass the final findings and directed to keep the same in a sealed cover till 16th June, 2014, the next date of hearing fixed to hear the WPs.

#### C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

- 10. The product under consideration in the present investigation is "Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels(ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches", originating in or exported from China PR, Korea RP and Thailand.
- 11. Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) are produced in various sizes/diameters. The product under consideration covers only ARWs of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches used in motor vehicles. ARWs other than 12 inches to 24 inches diameter are out of the product scope. The goods include finished or semi-finished ARWs whether unpainted, painted or chrome plated. The main function of ARWs is that they are fitted on motor vehicles to enable vehicle movement. Wheels for Motor Vehicles are generally made of Steel or Aluminium Alloy. As claimed by the domestic industry, Alloy Wheels are new generation product and are widely capturing market in India because of their superior features over the steel wheels. Steel wheels are not included in the product scope. ARWs are classified under Chapter 87 of the Customs Tariff Act, 1975, under customs sub-heading No. 8708.70 under the description "Road wheels and parts and accessories thereof". As claimed by the domestic industry, the subject goods are also imported under different customs classifications such as 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87089400 etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

### Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 12. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties, regarding product under consideration and like articles, during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. As agreed by the petitioner during the oral hearing, the alloy wheels meant for 2-wheelers should be specifically excluded from the purview of the product under consideration.
  - ii. Apart from the above, the following alloy wheels should also be excluded from the purview of the present investigations due to the reasons as stated against each:

- a. Products protected by IPRs (Copyrights) ought to be excluded as per the past practice and jurisprudence of the Designated Authority itself.
- b. Products not produced by the Domestic Industry during the Period of Investigation.
- c. Products not sold by the Domestic Industry during the Period of Investigation.
- d. Products that is not commercially substitutable with the products of the Domestic Industry.
- e. Products that is not technically substitutable with the products of the Domestic Industry.
- f. Products that is not substitutable due to legal constraints.
- g. The petitioner has sought to include finished as well as semi-finished, whether painted or unpainted, forged or chrome plated within the scope of the PUC. It is not known whether the petitioner itself is producing all such products or not. If not, they should be excluded from the purview of the PUC as well along with all sizes of wheels not produced by the petitioner.
- iii. The Product under Consideration covers Alloy Road Wheels "with or without accessories". The nature of such accessories is required to be elaborated.
- iv. Considering factors like differences in technical specifications, pricing and long term contractual obligations, channels of distribution, isolation of the Original Equipment Manufacturers (OEM) and the After Market segment (AM) segments, volumes in different market segments, intellectual property issues, statutory approvals and involvement of OEM in the development of the products, etc, ARWs for OEM and AM segments should be treated as separate products and analysis should be done accordingly.
- v. Conversion of wheels in terms of Kg/MT is not appropriate as weight alone can't be the core factor while defining the PUC. The petitioner should explain the methodology of converting number of wheels in terms of weight. While it is admitted that styling, weights as well as designs are determining factors for deciding the specificity of wheels, the impacts of the same while defining the product is not taken into consideration.
- vi. The Domestic industry adopts Low pressure Die casting (LPDC) or Gravity Die Casting Technology, instead of newer technologies such as Cast-Flow & Forged.
- vii. Wheels are manufactured in various sizes, designs, weights, finishes and fitment configurations. Only such product types which are produced by the petitioner should be included in the PUC and the rest to be excluded.

### **Submissions by the domestic industry**

- 13. The submissions made by the domestic industry, regarding product under consideration and like article, during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. The wheels for two wheelers are as such not included in the product scope; hence the question of exclusion is irrelevant. However, the petitioner does not have any reservations to recording a specific finding to show the exclusion of ARWs for two wheelers from the ambit of PUC.
  - ii. Classification of PUC as OEM and After Market wheels are completely baseless. OEM and aftermarket are mere channels of distribution and subject goods being sold in both the channels do not constitute two dislike articles per se. The products supplied to OEMs and After Market have the same basic product features and end use and both the wheels are like articles and perfect substitutes.
  - iii. A wheel design can change depending upon the choice of the OEM but the same do not render them a different product. This aspect was also addressed by EU and Australia in their investigations against China and concluded that OEM and AM wheels are considered to form one single product and like articles.
  - iv. IPR is not a license to dump the material in another country and has no relevance while determining dumping and injury. The TRIPS agreement and Anti-dumping agreement under the GATT have different purposes and objectives. Copy right on design do not render them different product under the meaning of rule 2 (d) of AD Rules as the basic product features such as raw material, production process, technology, physical properties, end uses etc remain the same. Copy right do not limit any commercial or technical substitutability of ARWs. A design is in any case associated with an ARW and copy right on any such design is the choice of the car maker and do not prejudice the product definition for the present anti-dumping investigation.
  - v. Possession of any copy right on a particular design does not alter the substitutability of the wheel. The subject goods, which are being dumped in India, are identical to the goods produced by the domestic industry. The two are technically and commercially substitutable and are 'like article'.
  - vi. The product is produced in different sizes and different size would have different weight. Thus, the cost and price also that of the wheel would vary between different sizes and weights proportionate to their size and weights. The conversion of wheels with different sizes to equivalent weights is the fair methodology to compare any price and cost related information. Such methodologies were also adopted by the DGAD in a number of cases such as Steel Wheels, Tyres etc.
  - vii. The PUC is defined to include wheel sizes from 12 inches to 24 inches only. Such sizes are produced depending upon the demand for such sizes. Petitioner has produced and sold all such sizes during the POI. Even if any particular size was not produced or sold in the POI would not make them liable to be excluded as the petitioner has the capacity to cater to all such sizes provided demand for a particular design emerged. Different sizes within the PUC do not mean they are all different products. An apple to apple comparison is possible after converting the domestic and imported goods equivalents of weights.

- viii. The argument of the interested parties that part numbers not manufactured or sold in India should be excluded, is completely skewed. The present investigations are concerning dumping of subject goods and the Authority has already identified the PUC and like article subject to rule 2 (d).
- ix. The PUC is classified under the customs subheading 'Road wheels and parts and accessories thereof'. Presence or absence of any accessories such as any wheel caps, air valves and lug nuts at the time of import should not lead to any ambiguity with regard to definition of PUC.

# **EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

- 14. The product under consideration in the present investigation is "Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches", originating in or exported from China PR, Korea RP and Thailand.
- 15. Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) are produced in various sizes/diameters. The product under consideration covers only ARWs of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches used in motor vehicles. ARWs other than 12 inches to 24 inches diameter and for use other than motor vehicles are out of the product scope. The goods include finished or semi-finished ARWs whether unpainted, painted or chrome plated. The main function of ARWs is that they are fitted on motor vehicles to enable vehicle movement. Wheels for Motor Vehicles are generally made of Steel or Aluminium Alloy. As claimed by the domestic industry, Alloy Wheels are new generation product and are widely capturing market in India because of their superior features over the steel wheels. Steel wheels are not included in the product scope. ARWs are classified under Chapter 87 of the Customs Tariff Act, 1975, under customs sub-heading No. 8708.70 under the description "Road wheels and parts and accessories thereof". As claimed by the domestic industry, the subject goods are also imported under different customs classifications such as 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.
- 16. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -
  - "like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;
- 17. The Authority notes that there is no known difference in product under consideration produced by the Indian industry and exported from subject countries. Product under consideration produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical characteristics, manufacturing process & technology, functions &uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from subject counties within the scope and meaning of Rule 2(d) of anti-dumping Rules.
- 18. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to the scope of PUC and domestic like article and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - i. As regards the submission that the alloy wheels meant for 2-wheelers should be specifically excluded from the purview of the product under consideration, the Authority notes that the PUC defined in the present investigation as "Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) as such does not include the ARW meant for two wheelers. Moreover, the domestic industry does not manufacture ARW meant for two wheelers and therefore the same was not included in the petition filed by them. Further, the domestic industry has also submitted that they have no objection for exclusion of ARWs for two wheelers from the ambit of PUC. In view of the above, the Authority excludes the ARW meant for two wheelers from the purview of the PUC in the present investigation.
  - ii. As regards the submission of the interested parties that the ARW of size, design, style, etc with or without copy rights, not manufactured/supplied by the domestic industry, should be excluded from the purview of the PUC, the Authority notes that the PUC covers "Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches" with the exclusion of the ARW meant for two wheelers as noted above. The domestic industry either manufactures all the sizes of the ARW covered in the PUC or is having the capacity to manufacture the same. Moreover, design of an ARW (including those with copy rights) is an aesthetical aspect determined by a Motor Vehicle manufacturer. Thus, the design of a particular ARW, even if having copy rights, does not make it different from another design of ARW as long as both are technically and commercially substitutable within the purview of Anti-dumping Rules.
- iii. As regards the submission of the interested parties that ARWs for OEM and AM segments should be treated as separate products and analysis should be done accordingly, the Authority notes that OEM and After Market (AM) are two channels of distribution of subject goods and not goods per se. As claimed by the domestic industry, the products supplied to OEMs and After Market has the same basic product features and end use and both the wheels are like articles and perfect substitutes. The Authority notes that the subject goods sold in both the channels constitute like articles in terms of the Anti-dumping Rules.
- iv. The petitioner has claimed that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and

the subject goods imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. Examination of the product and import data submitted by the applicant and the respondent exporters indicates that there is no difference between subject goods produced by the Domestic Industry and imported from the subject countries. In view of the similarity in manufacturing process and substitutability, the Authority holds that the two are required to be treated as alike and one product for the purpose of defining the 'product under consideration' in this case.

- v. As regards the submission of the interested parties that conversion of wheels in terms of Kg/MT is not appropriate as weight alone can't be the core factor while defining the PUC, the Authority notes that the product under consideration is produced and sold in different sizes and different weights. As a result, the cost and price of the product having different size and weight is bound to differ according to their size and weight. Thus, the Authority notes that conversion of wheels with different sizes equivalent to their weights to compare their price and cost is the most appropriate methodology.
- vi. As regards the submission of the interested parties that the Domestic industry adopts Low pressure Die casting (LPDC) or Gravity Die Casting Technology, instead of newer technologies such as Cast-Flow & Forged, the Authority notes that different technologies as such do not make end products different.
- 19. After examining and analyzing the various submissions made by the interested parties, the Authority confirms the product under consideration as "Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches", originating in or exported from China PR, Korea RP and Thailand. The product under consideration includes finished or semi-finished ARWs whether unpainted, painted or chrome plated. The Authority further notes that ARWs other than 12 inches to 24 inches diameter and ARW meant for two wheelers are out of the product scope.

#### D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

### Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 20. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. The petitioner being a 100% EOU cannot be considered as domestic industry. At the most, production of the petitioner should be restricted to its entitlement to supply in the Domestic Tariff Area (DTA) for the purposes of determining their standing. In such a case, the share of petitioner in total domestic production would be even less than 30%. Thus the petitioner does not have standing to file the petition.
  - ii. It was submitted by the petitioner at the time of initiation that there were only two other producers in the Indian market. However, during the hearing, the petitioner named 3 more producers of the subject goods in India. This is a clear case of material non-disclosure of essential facts by the petitioner which has a direct bearing on the locus-standi of the petitioner and therefore the investigation should be terminated.
  - iii. Considering the production of the petitioner- Synergies Castings Ltd and other domestic producers in India namely Neo Wheels, Enkei Wheels, Minda Kosei and Deltronix, Synergies Castings does not account for a major proportion of the total domestic production of like articles in India.
  - iv. Petitioner has not been able to demonstrate with supporting evidence as to why Enkei and Neo Wheels should be excluded.
  - v. The claim of the petitioner that its net inflow of foreign exchange is higher than the net foreign exchange outflow, which determines its sales in the domestic market, is doubtful. As per the annual reports of the petitioner company for 2008-09, 2009-10 and 2010-11, the foreign exchange outgo is much more than the foreign exchange earnings. If the petitioner was unable to achieve positive NFE, then it could not have sold in DTA.

#### **Submissions by the domestic industry**

- 21. The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the authority are as follows:
  - i. EOU status of the petitioner has no bearing on the definition of domestic industry. Synergies Castings Limited (SCL) accounts for entire production by domestic industry during the POI to satisfy standing requirements as the other two producers are themselves importers of the subject goods and not eligible to form domestic industry within the meaning of AD rules. Presumptions of the interested parties that the unit may not be an NFE positive unit have no factual foundation. SCL maintains its NFE level positive. Moreover, the Foreign Trade Policy do not impose any volume restrictions on the 100% EOU unit for DTA sale after achieving the positive NFE as alleged by the other interested parties.
  - ii. The petition has been filed by Aluminium Association of India (AAI) on behalf of the domestic industry. One of its members, who is the largest producer of subject goods in India, Synergies Castings Limited (SCL), an 100% EOU, has provided all information relevant for the application for imposition of anti dumping duties. There were three producers of the subject goods relevant for the POI. Except SCL, Enkei Wheels (India) Ltdand Neo Wheels were identified as producers of subject goods in India who were in production of subject goods during the POI. EnkeiWheels has neither supported nor opposed the investigation. However, Neo Wheels has

- supported the petition vide their letter to the Authority post initiation. As per market information, two more producers also started production of the subject goods in the post POI period namely Minda Kosei and Deltronix. However, Minda Kosei has supported the present investigation. Enkei and Neo Wheels should be excluded from the purview of domestic industry as they are engaged in import activities. Thus, the petitioner satisfies the standing requirements under the rule and production by SCL constitutes major proportion in the total domestic production and accounts for entire domestic production by domestic industry during the POI.
- iii. EOU scheme provides a competitive footing to serve the domestic and foreign customer better, provided there exists a fair market condition. Therefore, EOUs cannot be considered as beyond the scope of the domestic industry under the AD Rules. They are very much an industry in India.
- iv. The present petition satisfies the requirements of Rule 2 (b) of the AD rules and Synergies Castings Limited should be considered as the domestic industry within the meaning of Rule 2 (b).
- v. There is no export obligation on the petitioner. Being an EOU, Foreign Trade Policy requires the unit to be an NFE positive unit and the NFE needs to be met in blocks of 5 years which is further extendable and the same was met by the petitioner.
- vi. The claim of the interested parties that domestic performance of the petitioner is depended upon the export has no legal footing. The domestic industry could increase its sales only at miniscule levels when the demand for the product increased significantly and there were significant unutilized capacity available with the petitioner. Dumped imports caused direct loss of sales to the domestic industry.

### **EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

- 22. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to the scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - i. The application in the present investigation has been filed by the Aluminium Association of India on behalf of M/s Synergies Castings Limited, an 100% Export Oriented Unit. As claimed by the applicant there were two other producers of the product under consideration in India during the POI namely M/s Enkei Wheels (India) Ltdand M/s Neo Wheels. As claimed by the domestic industry, both Enkei Wheels (India) Ltdand Neo Wheels have imported the subject goods from the subject countries during the POI. The Authority provided the initiation notification to both the said domestic producers requesting for the information. While, both the said domestic producers have not furnished required information, Neo Wheels has supported the present investigation and Enkei Wheels (India) Ltd informed the Authority that they have imported the subject goods from subject countries during the POI. The Authority further notes that, as submitted by the domestic industry, Minda Kosei and Deltronix have started production during the post-POI and thus any production by Minda Kosei and Deltronix are not relevant for the present investigation. Nevertheless, the Authority notes that Minda Kosei and Deltronixhave supported the present investigation.
  - ii. As regards the submission of the interested parties that the petitioner being a 100% EOU cannot be considered as domestic industry, the Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules defines domestic industry as under:-
    - (b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers";
  - iii. In terms of the above stated Rule, there is no explicit exclusion of EOUs from the scope of domestic industry. The Authority however notes that EOU units may form part of the domestic industry to the extent of their domestic sales within the limit of their entitlement permitted under the foreign trade policy of India.
  - iv. With regard to the eligibility of the 100% EOU units and conditions to sale in the DTA, the Authority notes that Paragraph 6.8 (a) and (h) of the Foreign Trade Policy, 2009-14 lays down the relevant provisions as follows:
    - "6.8 Entire production of EOU/EHTP/STP/BTP units shall be exported subject to following:
    - (a) Units, other than gems and jewellery units, may sell goods upto 50% of FOB value of exports, subject to fulfilment of positive NFE, on payment of concessional duties. Within entitlement of DTA sale, unit may sell in DTA, its products similar to goods which are exported or expected to be exported from units. However, units which are manufacturing and exporting more than one product can sell any of these products into DTA, upto 90% of FOB value of export of the specific products, subject to the condition that total DTA sale does not exceed the overall entitlement of 50% of FOB value of exports for the unit, as stipulated above. No DTA sale at concessional duty shall be permissible in respect of motor cars, alcoholic liquors, books, tea (except instant tea), pepper & pepper products, marble and such other items as may be notified from time to time. Such DTA sale shall also not be permissible to units engaged in activities of packaging/labelling/segregation/refrigeration/compacting/micronisation/pulverization/granulatio n/ conversion of monohydrate form of chemical to anhydrous form or vice-versa. Sales made to a unit in SEZ shall also be taken into account for purpose of arriving at FOB value of export by EOU provided payment for such sales are made from Foreign Exchange Account of SEZ unit.

- Sale to DTA would also be subject to mandatory requirement of registration of pharmaceutical products (including bulk drugs). An amount equal to Anti-Dumping duty under section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 leviable at the time of import, shall be payable on the goods used for the purpose of manufacture or processing of the goods cleared into DTA from the unit."
- "(h) EOU/EHTP/STP/BTP units sell finished products, except pepper and pepper products and marble, which are freely importable under FTP in DTA, under intimation to DC, against payment of full duties, provided they have achieved positive NFE. An amount equal to Anti-Dumping duty under section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 leviable at the time of import, shall be payable on the goods used for the purpose of manufacture or processing of the goods cleared into DTA from the unit."
- 23. The above provisions of the Foreign Trade Policy shows that EOUs are not debarred from selling in the DTA and the scheme under para 6.8 (a) states that EOU units can sell goods upto 50% of FOB value of export at concessional rates of duties. However, the provisions at para 6.8 (h) of the scheme does not put any such capping on supplies from EOU to DTA at payment of full duties. Under both the above scenarios, the scheme obligates the 100%EOU units to maintain a positive NFE situation which is calculated in blocks of Five Years which is also extendable based on the requests of the Unit. The Authority notes from the submissions of the petitioner that they could not even sell the permissible volumes even as per para 6.8 (a) of the scheme during the POI as the presence of dumped material were substantial.
- 24. The Authority also notes that in certain past cases involving EOUs, the Authority has granted them the status of domestic industry to the extent of their domestic sales within the limit of their entitlements permitted under the foreign trade policy of India. The Authority also notes that Directorate General of Safeguards in the matter of Saturated Fatty Alcohols have initiated Safeguard investigations based on an application filed by a 100% EOU vide its notification no F.No.D-22011/26/2013 dated 19.02.2014.
- 25. The Authority also notes from the submissions of the petitioner that the other two producers i.e. Enkei Wheels (India) Ltd and Neo Wheels have imported the subject goods from subject countries during the POI and this claim of the petitioner is not disputed and disproved by Enkei Wheels (India) Ltd and Neo Wheels. Even the opposing interested parties have claimed that imports by Enkei Wheels (India) Ltd and Neo Wheels are not significant. Under these circumstances, the Authority notes that Rule 2 (b) precludes such producers who are themselves importers from the scope of domestic industry making Synergies Castings Limited as the only eligible domestic producer to constitute domestic industry for the purpose of present investigation.
- 26. After detailed examination of the factual and legal provisions as elaborated in the preceding paragraphs, the Authority determines that M/s Synergies Castings Limited accounts for a major proportion of the total domestic production of the subject goods during the POI and thus constitutes domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti-dumping Rules.

### E. Confidentiality

### Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 27. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - i. The petition suffers from excessive confidentiality. The petition provides absolutely no information with respect to petitioner's policy regarding its distribution channels, commission/discount policy, credit terms, normal value calculation etc.
  - ii. The domestic industry has claimed and has been allowed excessive confidentiality in the sense that they have not made available their annual report in the public file. Domestic Industry has also not provided the details of their export sales, export obligations (being an EOU) and the quantities available for domestic market.
  - iii. It has been claimed by petitioner that exporter has claimed excess confidentiality. Respondent considers that it has filed submitted a reasonable non-confidential versions of the submissions. On the contrary, petitioner has not disclosed many material information, which should have been provided along with the petition.
  - iv. Petitioner has not disclosed many material information relating to methodology used to refine the import data, conversion factor used for converting number of wheels into MT/KG, information about the subject goods viz., size, quality, category and uses, information about existence of other producers and their production, evidence of lost sales order, annual report of the company, etc.

### Submissions made by the domestic industry

- 28. The various submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - i. Excessive confidentiality has been claimed by the exporters.
  - ii. Petitioner has claimed confidentiality on information provided by them as allowed in rule 7 of the AD rules and a meaningful summary of such information were also provided. The claims of interested parties that the petitioner has claimed excessive confidentiality are baseless.

#### **EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

- 29. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - i. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-
    - Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.
    - (2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.
    - (3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.
  - ii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient nonconfidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the nonconfidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.
  - iii. With regard to the submission of the opposite interested parties that the petitioner should make available their annual report in the public file, the Authority notes that the domestic industry has already provided the ROC version of their annual report in the public file.

#### F. Miscellaneous Submissions

### Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 30. The miscellaneous submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. The petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated.
  - ii. Selection of period of investigation and injury period are flawed.
  - iii. Importers need not file questionnaire response in order to be treated as a cooperating importer. Non-filing or incomplete filing of response does not dilute the right of an interested party to make submissions.
  - iv. The anti-dumping duties imposed by the EU and Australia on the imports of the subject goods from China PR have no impact on the Indian situation.
  - v. The market situation, conditions of competition, level of development of the domestic producer differs from country to country. The finding of investigating authority of one country cannot form the basis of decision for another country's investigating authority. The authority need not rely upon the findings of EU and Australia. The authority is required to conduct AD investigations based on its own domestic laws and jurisprudence.
  - vi. Auto industry is currently passing through a difficult phase with sales at extremely low levels. Imposition of antidumping duty at this stage would lead to further increase in the cost of production and prices.
- vii. The 2<sup>nd</sup> oral hearing should be adjourned and another opportunity of hearing should be given by the authority after providing adequate notice.

# Submissions made by the domestic industry

- 31. The miscellaneous submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. The Authority should reject the submissions made by the importers as they have not filed questionnaire response.
  - ii. EU and Australia have imposed anti-dumping measures against imports of subject goods from China PR. Facts in the findings by EU and Australia should be considered by the Authority in the present investigation. The imposition of anti-dumping measures by EU and Australia against imports of subject goods from China PR has impact on Chinese exports to India.

iii. A full-fledged Oral Hearing under sub rule (6) of Rule 6 of AD Rules is already conducted by the Authority in the present investigation. Request for adjournment of 2nd Oral Hearing when the investigation is required to be completed by 09.06.2014 is intended to impede the present investigation.

### **EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

- 32. The various miscellaneous issues raised by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are examined herein below:
  - i. As regards the argument of the opposite interested parties that the petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of prima facie evidence furnished by the domestic industry showing dumping, injury and causal link and justifying initiation of the investigation in accordance with the Act and Rules. The Authority has also called for additional information wherever required and verified the information furnished by the domestic industry.
  - ii. As regards the contention of the opposite interested parties that selection of injury period and period of investigation are contrary to the provisions contained in Annexure III of the AD Rules in India, the Authority notes that the period of investigation and the injury investigation period were determined in accordance with the provisions laid down under the Anti-dumping Rules and as per practice.
  - iii. The facts of finding of the investigating authorities of other countries, although not binding on the Indian Authority as such, can be considered by the Authority as having corroborative value.
  - iv. An oral hearing was earlier held by the Authority on 3rd December, 2013. The Authority provided another opportunity of oral hearing to the interested parties on 30.05.2014 consequent upon change in the incumbent Designated Authority and in line with the judgment dated 7th January, 2011 of the Hon'ble Supreme Court in the Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA) Case vide Civil Appeal No. 949 of 2006. No sooner the change in the incumbent Designated Authority was indicated on 29th May, 2014, the interested parties were intimated the schedule of the 2<sup>nd</sup> oral hearing for the 30th May, 2014 on 29<sup>th</sup> May, 2014 itself considering the limited time available with the Authority to conclude the present investigation by 9<sup>th</sup> June, 2014 in terms of Rule 17 of the Anti-dumping Rules. Even though the known interested parties were intimated about the schedule of the 2<sup>nd</sup> oral hearing, some of the interested parties including the domestic industry appeared for hearing and made oral submissions. Some of the interested parties who expressed inability to attend the 2<sup>nd</sup> oral hearing were also intimated the circumstances under which the hearing was convened. The interested parties were allowed time up to 5 PM of 2<sup>nd</sup> June, 2014 for submitting written submissions and thereafter up to 5 PM of 4<sup>th</sup> June, 2014 for making rejoinder submissions. Thus, despite limited time available with the Authority, best possible efforts were made to convene a 2<sup>nd</sup> oral hearing and to give adequate opportunity to the interested parties to make oral as well as written submissions including rejoinder submissions. Under no circumstances the authority could have given a better opportunity because the investigation has to be completed and final finding issued by the Authority by 9<sup>th</sup> June, 2014 under Rule 17 of the Anti-dumping Rules. Keeping in view the statutory provisions of completing the present investigation by 9th June, 2014, the requests of certain interested parties to adjourn the 2<sup>nd</sup> oral hearing and to provide another opportunity of oral hearing with adequate notice was not acceded by the Authority.
  - v. As regards the contention of the opposite interested parties that Auto industry is currently passing through a difficult phase with sales at extremely low levels and imposition of anti-dumping duty at this stage would lead to further increase in the cost of production and prices, the Authority notes that the basic objective of anti-dumping investigations are to establish the facts of alleged dumping and injury to the domestic industry on account of dumping and to recommend suitable and adequate anti-dumping measures for imposition by the central government to neutralize the injurious effect of dumping and to create a level playing field for the domestic industry vis-a-vis dumped imports. Anti-dumping measures neither restrict nor prevent imports. The consumers, who may be benefitting out of dumped prices, may have to buy the subject goods at fair prices after imposition of the anti-dumping duty.

### G. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

- 33. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in antidumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
- 34. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:

- a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other writeoffs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 35. The Authority notes that consequent upon issue of the initiationnotification, the following sampled Chinese producers/exporters submitted the market economy questionnaire response and sought to rebut the non-market economy presumption:
  - i. CITIC Dicastal Co. Ltd
  - ii. Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd along with related companies namely Hebei Lizhong Non-ferrous Metals Group Co Ltd (related raw material supplier), Qinhuangdao Dicamry Wheel Co Ltd, TiaanjinDicastal Wheel Manufacturing Co Ltd, and Tianjin Lizhong Wheel Co Ltd.
  - iii. Zhejiang Yueling Co. Ltd

### CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR

- 36. In the MET Response filed by M/s CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR, it is stated that the company is a Sino foreign (Taiwan, Hong Kong, Macau) joint venture belonging to China CITIC Group (formerly known as China International Trust and Investment Corporation), a fully State owned company. It has been further stated that China CITIC Group was established in the early years of China's economic reforms. The Group is stated to own 44 subsidiaries in China and abroad. The CITIC Group controls M/s CITIC Dicastal Co. Ltd (respondent company) through its 100% subsidiary M/s CITIC Group Investment Holdings. As stated in the MET response, the senior officers of the CITIC Group and CITIC Dicastal (respondent company) are appointed by the State Council which is involved in the major decisions of the group. It is further stated in the MET response that some of the subsidiaries of CITIC Dicastal are involved in the subject goods, but CITIC Dicastal only exported the subject goods to India during the POI. As stated in the MET response, Mr. ZuoXu, CEO of CITIC Dicastal is responsible for the management of the whole Group.
- 37. In response to the deficiency letter issued by the Authority, it is stated that M/s CITIC Dicastal Co. Ltd, China PRwas originally established in May, 1988 with the name of Bohai Aluminium Alloy Casting Co. Ltd. The original investors were CITIC Development Co Ltd, Top Winner Development Ltd and Vitality Motor Co. Ltd. The investment ratio of the three above named investors is \*\*\*%, \*\*\*% and \*\*\*% respectively. Bohai Aluminium Alloy Casting Co Ltd was renamed as Dicastal Wheel Manufacturing Co. Ltd in May 1988 and subsequently as CITIC Dicastal Wheel Manufacturing Co. Ltd changed its name as CITIC Dicastal Co. Ltd. It is further acknowledged by the company that CITIC Group is funded by Ministry of Finance, China. Further, it has been acknowledged by the respondent company they are recipients of substantial subsidies from Government of China. Moreover, the Group Company as well as the subsidiaries/related companies involved in the subject goods have also not filed response.
- 38. Although CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR claimed market economy treatment by filing the required questionnaire responses during the on the spot verification conducted by the Authority the Company could not rebut the non-market economy (NME) treatment and could not substantiate its MET claim with documentary evidence. Instead, CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR withdrew their market economy treatment (MET) claim in writing. Moreover, as regards the Company's claim for individual export price, the Authority notes that the complete value chain in respect of significant volume of exports of subject goods produced by others and exported by the Company has also not been brought before the Authority by the respective producers by filing exporter's questionnaire response. The Authority provided the on the spot verification report to CITIC Dicastal Co. Ltd, China PRfor their comments. However, the Company did not furnish any comments disputing the observations of the Authority. In view of the above position, the Authority does not grant market economy treatment to CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR.

Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd along with related companies namely Hebei Lizhong Nonferrous Metals Group Co Ltd (related raw material supplier), Qinhuangdao Dicamry Wheel Co. Ltd, TiaanjinDicastal Wheel Manufacturing Co. Ltd, and Tianjin Lizhong Wheel Co. Ltd

39. In the MET response filed by Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd, it is stated that the company was originally set up in August, 1995 by three Chinese individual shareholders namely \*\*\*, \*\*\*(previously known as \*\*\*) and \*\*\*(previously known as \*\*\*). On 5<sup>th</sup> July, 2004 all the shares were transferred to M/s \*\*\*, Singapore and thus Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd, China PR became a wholly foreign owned company. In Dec,

2005 China Wheel Holdings Pvt Ltd was renamed as China Wheel Holdings Ltd and in February, 2008 as Lizhong Wheel Group Ltd. Lizhong Wheel Group Ltd is related to three Chinese producers of subject goods namely \*\*\*, \*\*\*, and \*\*\*, who produced and sold the subject goods in the Chinese market but not exported to India during the POI. The respondent company is stated to be procuring the major raw materials from its related company namely Hebei Lizhong Non-ferrous Metals Group Co. Ltd, who has also filed MET response along with the above three other related companies. It has been further stated in the response that the ultimate owner and controller of the entire Group including the respondent company is \*\*\* family. MET response has not been filed by the group company i.e. M/s Lizhong Wheel Group Ltd despite their involvement in subject goods.

40. Although Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd along with related companies namely HebeiLizhong Nonferrous Metals Group Co Ltd (related raw material supplier), Qinhuangdao Dicamry Wheel Co Ltd, TiaanjinDicastal Wheel Manufacturing Co Ltd, and Tianjin Lizhong Wheel Co Ltd, China PR claimed market economy treatment by filing the required questionnaire response, during the on the spot verification conducted by the Authority, Baoding Lizhong Wheels could not rebut the non-market economy (NME) treatment and could not substantiate MET claim with documentary evidenceand instead withdrew market economy treatment (MET) claim in writing. The Authority provided the on the spot verification report to Baoding Lizhong Wheels for comments. However, the Company did not furnish any comments disputing the observations of the Authority. In view of the above position, the Authority does not grant market economy treatment to the above stated Chinese companies.

### **Zhejiang Yueling Co. Ltd**

- 41. In the MET response, Zhejiang Yueling Co. Ltd is stated to be a Chinese Limited Company, held by seven major Chinese individual shareholders. The related companies of Zhejiang Yueling Co. Ltd are \*\*\*, \*\*\* and \*\*\*. Out of these, as stated in the MET response\*\*\* is the actual controller of Zhejiang Yueling Co. Ltd. Further, as stated in the annual accounts, the predecessor of Zhejiang Yueling Co. Ltd is Yuelin Wheel Hub Making Company Ltd, set up in May, 1998. In September, 2010 it is stated that the name of the company was changed from Yuelin Wheel Hub Making Company Ltd to Zhejiang Yueling Co. Ltd. As it is evident from the MET response, the respondent company is not only under the control of a Wenling City body, it has also received substantial Government subsidies. Moreover, the respondent company seems to be procuring the major raw materials from the first-rate state-owned enterprises.
- 42. Prior to the on the spot verification, Zhejiang Yueling Co. Ltd was informed in writing to keep the relevant information/records ready for the purpose of verification. During the on the spot verification, the Company was requested to substantiate their claim for market economy status by providing documents concerning the establishment, growth and history of the Company including their parent/related companies. The Company was also requested to provide the documentary details about their share holdings, investments, fixed assets along with purchase invoices and valuation reports, source of funding including bank loans, if any. They were further asked to produce documents relating to purchase of major raw materials and utilities including power etc and details of subsidies received by the Company from Government of China as reflected in their annual accounts. But, Zhejiang Yueling Co. Ltd did not cooperate by providing the required documents for verification in support of their market economy claim and could not rebut the non-market economy (NME) treatment with substantiated information. Moreover, during the on the spot verification, Zhejiang Yueling Co. Ltd did not demonstrate with documentary evidence the receipt of complete export proceeds from the Indian buyers and as a result the Authority did not find their export related information as reliable. The Authority provided the on the spot verification report to Zhejiang Yueling Co. for comments. However, the Company did not furnish any comments disputing the observations of the Authority. In view of the above position, the Authority does not grant Zhejiang Yueling Co. Ltd, China PR market economy status in the present investigation.
- 43. The submissions concerning market economy, normal value, export price and dumping margin made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. During the last 30 years, China has established a complete market economy system. To date, 97 WTO members have recognized China as complete market economy country, and the same should also be granted by authorities of India. The contention of the petitioner that all producers in China are operating under non-market economy conditions is presumptuous and baseless.
  - ii. The normal value and export price arrived by petitioner in its petition cannot be accepted as correct since petitioner has not made available any evidence to support their computations.
  - iii. The Designated Authority has also not followed the prescribed procedure with regard to Normal Value for China in terms of para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules.
  - iv. It has been contended by the petitioner that since aluminum prices in China reflect state interventions, such prices cannot be considered as fair market rates. However, the authorities in both EC and Australia cases have concluded that aluminum market price in China was lower than aluminum price in LME. Thus, the contention of petitioner needs to be rejected.

- v. The contention of the petitioner that EC has found serious distortions in the financial situations of CITIC Dicastal is baseless. EC has clearly determined that CITIC Dicastal met the MET criterions.
- vi. Baoding fulfils criteria to be treated as a market economy company and should be accorded Market Economy status. DGAD has granted Market Economy status to Chinese exporters who acted under similar circumstances.
- vii. OEM segment is the largest consumer of alloy wheels and after-market segment comprises of a very miniscule share in the total Indian market. Since almost all the procurement of wheels in India is done by OEMs, it is the decision of the OEMs, not the wheels manufacturers, which decides the market for the wheels. Moreover, OEM comprises of global vehicle manufacturers, who resort to global tendering process. In such a case, it cannot be said that wheels are being dumped into India.
- viii. The decision whether to participate in AD investigation is that of an individual party and the cooperation by GMK, therefore, cannot be rejected. It is not necessary that all the producers from whom the subject goods may have been bought by the cooperating exporter must participate in the investigations, even though such producers are unrelated to the exporter.
- ix. The information provided by Maruti Suzuki Ltd with regard to their imports from Thailand should be considered as best available information for determining dumping and injury margins for Thailand.
- 44. The submissions made by the domestic industry concerning market economy, normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. None of the Chinese exporters are eligible to be considered as market economy in terms of the various criteria laid down under the Annexure I of AD Rules.
  - ii. Almost 50 to 55% of cost of production of the subject goods is on account of the main raw material i.e. aluminium which reflects significant State intervention. Moreover, the EU and Australia findings also did not consider Chine exporters as operating under market economy.
  - iii. Baoding has placed their reliance on a claim that they are a wholly foreign owned company for market economy. But ownership alone can't rule out the element of state interference. Baoding was denied MET by European Union recently in an investigation concerning ARWs dumped in EU by Chinese producers. Thus, Baoding should be treated as operating under NME conditions based on the facts of decision by EU alone.
  - iv. Dicastal has presented highly unreliable data and needs to be rejected. Dicastal is attracting AD duties in EU and Australia. There is enough reason to believe that the company is on a dumping spree on all budding markets.
  - v. CITIC Dicastal submitted that they supply only to OEMs. But the exporters questionnaire response by CITIC Dicastal shows they have supplied ARWs purchased from unrelated parties to India which is in complete contradiction to the claim of the exporter that they cater only to OEMs because the practice of OEM is not to buy the products purchased from OEM but their purchases are manufacture centric.
  - vi. The questionnaire responses filed by GM Korea Company should be rejected as one of the producers who have supplied the material to GM Korea Company hasn't filed any EQR and thus the export chain is not complete.
  - vii. Normal Value in case of China PR being a non-market economy should be constructed as per Para 7 of Annexure 1 of the AD Rules by considering India as an appropriate surrogate country for Chinese producers.
  - viii. For Normal Value in Korea RP petitioner relied upon a price list of a Korean producer. The same may be relied upon by the Authority as the information provided by Korean exporter is incomplete and unreliable.
  - ix. In case of Thailand, efforts were made to determine normal value based on cost of production in Thailand. However no such information is publicly available. In the alternative, normal value for Thailand is determined based on cost of production in India by taking aluminium price as per LME rates and electricity rates in Thailand. The same may considered for the purpose of findings in the present investigation.
  - x. Large number of importers who have participated in the present investigation hasn't filed any questionnaire response. In view of that the export price claimed by the exporters does not seem to be reliable. The Authority should compare export prices claimed by the exporters with that reported by Indian customs.
  - xi. The claim of Maruti that information provided by them with regard to imports from Thailand should be considered as best available information for determining dumping and injury margins for Thailand is ex-facie untenable under the AD Rules. In the absence of any response from Thailand, determination of normal value, export price and dumping margin for Thai exports may be carried out based on the information provided by the petitioner.

### **EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

45. The Authority notes that the Chinese companies who filed MET Response and cooperated in the present investigation and whose information was verified by the Authority, could not rebut the non-market economy presumption by

- providing documentary evidence. The Authority has not granted MET status to any Chinese company in the present investigation
- 46. The subject goods, originating in or exported from China PR, are also subjected to anti-dumping duty in Australia and European Union. In their final findings, the Australian Authority did not grant MET to the Chinese companies on the ground that the actions of Government of China have directly impacted the price of aluminium materials in China, causing prices to be lower than they would be without the intervention of the government. Similarly, in the EU Authority also denied MET to the Chinese companies in their final findings on the ground that Chinese State has a primary role in the setting of prices of primary aluminium and interferes in the market continuously with a number of tools. Further, as EU has observed, State interferes with the price setting mechanisms in the Shanghai Futures Exchange (SHFE), which is a closed exchange for Chinese-registered companies and Chinese citizens, and State interference with the price setting mechanisms in the SHFE is linked to its position both as a seller of primary aluminium and as a purchaser via the State Reserve Bureau and other State Bodies. In addition, the State sets daily price limits via the rules of the SHFE which have been approved by the State Regulator, the China Securities Regulatory Commission.
- 47. In addition to the significant Government interferences in the determination of prices of the major raw material, the EU has also observed significant distortions in the financial situation of the major Chinese respondent companies like CITIC Dicastal and Baoding Lizhong group. In respect of CITIC Dicastal and Baoding Lizhong group, the EU final finding observed as follows:
  - (41) It has been claimed by Baoding Lizhong group that Article 2(7)(c) of the basic Regulation explicitly requires that the distortions are caused by the former non-market economy system; the group claimed that since it would have allegedly always operated as privately-held group, distortions cannot be the result of the 'former' non-market economy system as the group never operated as State-owned companies. The argument cannot be accepted. As established in the present case, production costs and financial situation of companies can be subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system regardless if a company has operated as a Sate-owned company or not. (42) In addition, Baoding Lizhong group, YHI Manufacturing (Shanghai) Co. Ltd and CITIC Dicastal reiterated the arguments already put forward before the adoption of the provisional Regulation and insisted on the fact that the advantages enjoyed by the companies are not significant. However, as explained in recital (50) of the provisional Regulation, the investigation revealed that distortions on the financial situation of the groups were significant.
  - "(53) As regards CITIC Dicastal, it is a State-owned company directly controlled by the State (the majority of its shares belong to the State). The State interference is such that it permits circumvention of measures if it obtains a different rate of duty. In other words, production of other State-controlled companies could be re-directed through CITIC Dicastal. Concerning the other argument put forward by CITIC Dicastal, the fact that it supplies exclusively car makers in the OEM market does not prevent it from supplying to other clients in the future. It can therefore be concluded that CITIC Dicastal should be denied IT".
- 48. As regards the contention of the opposite interested parties that the normal value and export price arrived by petitioner in its petition cannot be accepted as correct since petitioner has not made available any evidence to support their computations, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of prima facie evidences of dumping, injury and causal link furnished by the applicant. However, the Authority has constructed the normal value for China PR, considering the country as non-market economy for the purpose of present investigation, as per the provisions of Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules.
- 49. The argument of the producers/exporters/importers that OEM segment is the largest consumer of alloy wheels and after-market segment comprises of a very miniscule share in the total Indian market and hence it is the decision of the OEMs, not the wheels manufacturers, which decides the market for the wheels, who resort to global tendering process and not dumping, the Authority notes that the facts of the investigation as enunciated in this finding is self-explanatory in this regard.

# H. Determination of Normal Value

#### **Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR**

- 50. The Authority notes that none of the sampled producers/exporters from China PR have been found to be operating under market economy condition for determination of normal value in China in terms of Para-7 of Annexure-1 to the Rules. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply the provisions of Para 8 of Annexure I to the Rules to the above named Chinese companies and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure I to the Rules.
- 51. Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin".

- 52. According to these Rules, the normal value in China PR can be determined on any of the following basis:
  - a) On the basis of the price in a market economy third country, or
  - b) The constructed value in a market economy third country, or
  - c) The price from such a third country to other countries, including India.
  - d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
- 53. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country. Therefore, for the purpose of final determination, the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis.
- 54. The Authority determined the Normal value for China PR on facts available basis in terms of second proviso of Para 7 of Annexure- I to the Anti-dumping Rules. Accordingly, the Normal Value of the product under consideration is determined by the Authority on the basis of international prices of major raw materials and constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs of the domestic industry by adding reasonable profits. The normal value so determined is \*\*\* US\$/KG.

#### Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP and Thailand

### Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP

- 55. Under section 9A (1) (c), the normal value in relation to an article means:
  - (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
  - (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:
    - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
    - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

- 56. The following sampled producers/exporters from Korea RP filed exporter's questionnaire response.
  - i. Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer)
  - ii. GM Korea Company (exporter)
  - iii. Hands Corporation(exporter)
  - iv. Hyundai Glovis Co. Ltd(exporter)
- 57. The Authority has not accepted the responses filed by M/s GM Korea Company, Korea RP (Exporter) and M/s Artisan Spirit Alloy Co Ltd, Korea RP (Producer) for reasons well explained in this final finding. As regards Hands Corporation and Hyundai Glovis Co. Ltd, they are not producers of the subject goods in Korea RP and are exporters of the subject goods produced by China PR. In view of this position, determination of normal value on the basis of

cooperative producer/exporter from Korea RP is not possible. Moreover, the information concerning the normal value of the subject goods in Korea RP during the POI, as prescribed under the Anti-dumping Rules, has not been made available by any interested party, nor could it be accessed in the public domain. Therefore, the Normal Value for the producers/exporters from Korea RP is determined by the Authority on the basis of international prices of major raw materials and constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs of the domestic industry by adding reasonable profits. The normal value so determined by the Authority for Korea RP is \*\*\* US\$/KG.

#### **Determination of Normal Value for producers and exporters in Thailand**

58. As there is no response from Thailandand the information concerning the normal value of the subject goods in Thailand during the POI, as prescribed under the Anti-dumping Rules, has not been made available by any interested party, nor could it be accessed in the public domain, the Normal Value for the producers/exporters in Thailand is determined by the Authority on the basis of international prices of major raw materials and constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs of the domestic industry by adding reasonable profits. The normal value so determined by the Authority for Thailand is \*\*\* US\$/KG.

#### I. EXPORT PRICE

Sampled Exporters From China PR

#### a) CITIC Dicastal, Ltd, China PR

59. As per the information provided by CITIC Dicastal, 75% of theirtotal export of subject goods to India during the POI was outsourced from two unrelated producers namely M/s \*\*\*and \*\*\*. The Company claimed that such out sourcing were done to meet either urgent orders or to cater to relatively small orders which may not be advantageous for the company to produce themselves. At the stage of preliminary finding the Authority did not accept the export price claimed by CiticDicastal pending verification. During the on the spot verification, the Company reiterated its earlier stand and informed that to cater to the Indian clients' demand, the Company had to purchase goods from some unrelated Chinese producers with long-term cooperation. But, the Company could not justify why the producers with whom they have long term cooperation did not file exporter's questionnaire response in the present investigation. In view of the above position, resulting in the absence of complete value chain in respect of a significant volume of exports (75%) made by CITIC Dicastal to India during the POI, the Authority notes that the export price claimed by CITIC Dicastal cannot be considered as reliable. The Authority provided the on the spot verification report to CITIC Dicastal for comments. However, the Company did not furnish any comments disputing the observations of the Authority. Therefore, the Authority does not accept the export price claimed by CITIC Dicastal Ltd, China PR as reliable and does not grant individual margins to the Company.

#### b) Zhejiang Autom Aluminum Wheels Co. Ltd

- 60. Zhejiang Autom Aluminum Co. Ltd, China PR claimed to have exported \*\*\* MT of the subject goods for a total invoice value of US \$ \*\*\* to India during POI. Since the invoice value claimed by the Company did not match with the transaction-wise Customs data available with the Authority and was found to be much lower than the price claimed by the exporter, for the purpose of preliminary finding, the Authority had determined the net export price in respect the Company on the basis of the Customs data available with the Authority, after making due adjustments as claimed by the exporter.
- 61. During the on the spot verification, the Company could not demonstrate with documentary evidence the receipt of complete export proceeds by the Company from the Indian buyers. The Authority provided the on the spot verification report to Zhejiang Autom for comments. However, the Company did not furnish any comments disputing the observations of the Authority. In view of this position, the Authority does not accept the export price claimed by Zhejiang Autom Aluminum Co. Ltd as reliable and therefore does not grant individual margins to the Company.
  - c) Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd, China PR
- 62. Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd, China PR claimed to have exported \*\*\*MT of the subject goods to India during the POI for a total invoice value of USD \*\*\*. Since the invoice value claimed by the Company did not match with the transaction-wise Customs data available with the Authority and was found to be much lower than the price claimed by the exporter, for the purpose of preliminary finding, the Authority had determined the net export price in respect the Company on the basis of the Customs data available with the Authority, after making due adjustments as claimed by the exporter.
- 63. During the on the spot verification, the Company could not demonstrate with documentary evidence the receipt of complete export proceeds by the Company from the Indian buyers. The Authority provided the on the spot verification report to Zhejiang Buyang for comments. However, the Company did not furnish any comments disputing the observations of the Authority. In view of this position, the Authority does not accept the export price

claimed by Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd as reliable and therefore does not grant individual margins to the Company.

- d) ZheJiangYueLing Co., Ltd
- 64. ZheJiangYueLing Co., Ltd, China PR claimed to have exported \*\*\*MT of the subject goods to India during the POI for a total invoice value of USD \*\*\*. Since the invoice value claimed by the Company did not match with the transaction-wise Customs data available with the Authority and was found to be much lower than the price claimed by the exporter, for the purpose of preliminary finding, the Authority had determined the net export price in respect the Company on the basis of the Customs data available with the Authority, after making due adjustments as claimed by the exporter.
- 65. During the on the spot verification, the Company could not demonstrate with documentary evidence the receipt of complete export proceeds by the Company from the Indian buyers. The Authority provided the on the spot verification report to ZheJiangYueLing for comments. However, the Company did not furnish any comments disputing the observations of the Authority. In view of this position, the Authority does not accept the export price claimed by ZheJiangYueLing Co., Ltd as reliable and therefore does not grant individual margins to the Company.
  - e) Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd and through Hyundai Glovis, Korea RP and Hyundai Mobis, Hong Kong
- 66. The data/information furnished by the Company was verified by the Authority on the spot. The verification report was provided to the Company for comments. Post verification, no relevant comment has been provided by the Company. On the basis of verified data, Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd, China PR was found to have exported the subject goods to India during the POI \*\*\* MT directly for an invoice value of US\$ \*\*\* and \*\*\* MT for an invoice value of US\$ \*\*\* through the exporters namely Hyundai Glovis, Korea RP and Hyundai Mobis, Hong Kong. The Authority madeadjustments on account of inland freight, port and handling determined the weighted average net export price at ex-factory level as US\$ \*\*\*/Kg after making the said adjustments.

#### Other Exporters From China PR

67. In respect of non-cooperating exporters from China PR, the Authority determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. Accordingly the net export price in respect of the non-cooperating exporters from China PR with due adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, port expenses, inland freight, bank charges and credit cost is determined by the Authority as US\$ \*\*\*/Kg.

#### **Exporters from Korea RP**

- 68. The Authority notes that the following producers/exporters from Korea RP have submitted the sampling questionnaire:
  - a. Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd, Wanju-gun, Chunbuk, Korea RP (Producer).
  - b. G.M. Korea Co., Bupyeong-Gu, Incheon, Korea RP (Exporter).
  - c. Hands Corporation, Gajwa-dong Seogu, Incheon, Korea RP (Producer).
  - d. Hyundai Glovis Co. Ltd., Gangnam-gu, Seol, Korea RP (Exporter).
- 69. The Authority further notes that all the above listed producers and exporters from Korea RP have been selected in the sampling process:
- 70. The Authority notes that out of the above stated producers/exporters from Korea RP, Hands Corporation (producer), whose subject goods were claimed to have been exported by Hyundai Glovis Co. Ltd, has not filed exporters questionnaire response. However, Hyundai Glovis Co. Ltd., Korea RP also filed sampling questionnaire and subsequently exporters questionnaire response along with the Chinese producers/exporters namely Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co., Ltd, China PR.
- 71. The Authority further notes that G.M. Korea Co., Korea RP has filed exporters questionnaire response claiming export of the subject goods produced by two Korean producers namely Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd and Dayou Smart Aluminium Co Ltd. Out of the above named producers from Korea RP, while Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd has filed sampling questionnaire and also exporters questionnaire response on being sampled by the Authority, the other producer namely Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP did not file sampling questionnaire and therefore not sampled by the Authority. Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP also did not file exporters questionnaire

response. The Authority notes that the exports of the subject goods made by G.M. Korea Co., Korea RP, produced by Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd, Korea RP, constituted less than 1% of the total exports made by GM Korea Company to India during the POI, whereas 99% of the exports made by GM Korea Company, produced by Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP, have not been responded before the Authority. In view of the fact that the exports made by G.M. Korea Co., Korea RP and produced by Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd is insignificant and does not represent a commercial volume, the Authority does not consider the export price claimed by G.M. Korea Co., Korea RP as representative of the export price of the total exports made by the company to India during the POI. Therefore the Authority does not accept the exporter's questionnaire response filed by G.M. Korea Co., Korea RP (exporter) and Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd, Korea RP (producer). Further it may be noted that M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer) has not filed information with regard to costing/ pricing as per the prescribed Appendixes by the Authority in spite of giving sufficient opportunity. In view of the above the Authority has not accepted the response of M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer).

72. The Authority further notes that except the exports made by Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP of the subject goods produced by Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co., Ltd, China PR, none of the exporters from Korea RP are eligible for individual export price and therefore fall under the residual category. The Authority made adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, port expenses, inland freight, bank charges and credit cost as claimed by the petitioner in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at exfactory level in case of Korea RP is determined as US\$ \*\*\*/Kg.

#### **Exporters from Thailand.**

73. There is no response from any producer/exporter from Thailand. In the light of the above, export price from all the producers/exporters in case of Thailand is determined on the basis of information available on record. The Authority made adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, port expenses, inland freight, bank charges and credit cost as claimed by the petitioner in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level in case of Thailand is determined as US\$ \*\*\*/Kg.

#### J. DUMPING MARGIN

#### Sampled Cooperative Exporters from China PR

74. Considering the Normal value and Export prices as determined above, the dumping margins is determined as follows for the sampled exporters from China PR:

Sl.No.	Channel of Export	Producer	Exporter	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin -	Dumping Margin Range - %
1	China- India	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	水水水	***	<b>水水</b>	ate ate ate	45-55
2	China- Hong kong- Korea- India	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP and Hyundai Mobis , Hong Kong	***	***	***	***	45-55
3	_	verage of Baoding Lizh ng Co. Ltd, China PR	ong Wheel	***	***	***	***	45-55

#### Non Sampled Exporters from China

75. The dumping margin for the following exporters who had made themselves known in response to the sampling questionnaire but not sampled by the Authority, has been determined on the basis of the weighted average of the dumping margins determined for aforesaid sampled exporter in terms of Rule 18(2) of the AD Rules. The dumping margin in respect of the non-sampled exporters from China PR is determined as per table below:

Sl.	Particulars	Dumping	Dumping	Dumping
No		Margin -	Margin -	Margin
		US\$/Kg	%	Range -
				%
	Seyen Heavy Industries (Shanghai) Co., Ltd, Shanghai, China PR (Producer) and			
1	Shanghai General Motors Corporation Ltd, Pudong, Shanghai, China PR (Exporter).			
	Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd, Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang,			
2	China PR (Producer & Exporter).			
	Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR (Producer &			
3	Exporter).			
	Zhejiang JinfeiKaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR (Producer &			
4	Exporter).			
	Wuxi City Wanxuan Metal Production Co., Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR			
5	(Producer & Exporter).			
	Zhejiang Shuguang Industrial Co., Ltd., Wuyi , Zhejiang, China PR (Producer &			
6	Exporter).			
	XiangyangHengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR			
7	(Producer & Exporter).			
	KunshanLiufeng Machinery Industry Co. Ltd, Suzhou City, Jiangsu Province, China			
	PR (Producer) and Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone,			
8	Jiangsu Province, China PR (Exporter).	***	***	45-55

# All other exporters from China PR

76. Dumping margin for all other non-cooperating exporters from China PR is determined by the Authority on the basis of best available facts.

Particulars	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range
All other Producers/Exporters	***	***	***	***	60-70

Dumping Margin in case of Korea RP.

Dumping Margin for Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP (exporter), Hyundai Mobis, Hong Kong (exporter) and Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co., Ltd, China PR (producer)

77. The dumping margin in respect of Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP (exporter), Hyundai Mobis , Hong Kong and Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co., Ltd, China PR (producer) has been determined by the Authority as already been dealt in case of Producer M/s Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co., Ltd, China PR.

### Dumping Margin in case of all other exporters from Korea RP.

78. Comparing the normal value and export prices as determined in the preceding paragraphs, the dumping margin is determined by the Authority with regard to Korea RP based on best available facts as per the table below;

Particulars	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range
All Producers/Exporters	***	***	***	***	25-35

Dumping Margin for all producer/exporter in case of Thailand.

79. Comparing the normal value and export prices as determined in the preceding paragraphs, the dumping margin is determined by the Authority with regard to Thailand based on best available facts as per the table below;

	Normal	Export	Dumping		
	Value -	price -	Margin -	Dumping	Dumping Margin
Particulars	US\$/Kg	US\$/Kg	US\$/Kg	Margin - %	Range - %
All Producers/Exporters	***	***	***	***	20-30

# K. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL I INK

### Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties

80. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:

- i) The increasing imports from China are a natural result of the huge gap between high demand in India and insufficient supply capacity of Indian wheel industry. The petitioner company claiming to hold major proportion (though erroneously) is unable to meet even the half of total Indian demand for ARWs since it is an EOU unit and is obligated to export at least 50% of its goods and achieve a positive NFE.As a result, whenever demand arises, in the absence of permission from the Development Commissioner to the Applicant Domestic Producer to sale in the DTA, the consumers are forced to procure the subject goods from the other domestic producers or import.
- ii) Injury Margin 22% Capital Return Rate is too high to construct reasonable NIP. The Designated Authority should adopt the actual profit earned by the Domestic Industry during the period when there was no allegation of dumping as a basis for calculating reasonable return.
- iii) DGAD should follow the methodology as per Annexure III of the Anti-Dumping Rules for applying lesser duty Rule and not the one which is highly arbitrary to give undue advantage to the Domestic Industry.
- iv) The petitioner is exporting ARW to its subsidiary in USA and incurring huge losses. It is to be noted that the Petitioner has a huge outstanding receivables against its US subsidiary for 2010-11 for export of ARW. So the claim of the Petitioner that the Petitioner registered a significant growth in export market is incorrect.
- v) DGAD is required to examine the data of not only the petitioner company but also other domestic producers in the market. There are 5 producers in the market, as was stated by the Petitioner. That being the case, DGAD should direct Petitioner to submit information about the other producers or require other domestic producers to provide necessary information for the purposes of evaluating injury.
- vi) The petitioner has included semi-finished ARWs as well in the product scope without any justification. The semi-finished ARWs have more weight and less cost as compared to finished ARWs and therefore should be excluded from the injury analysis.
- vii) While import prices have increased during the injury period, the selling price of the petitioner has remained stable throughout the injury period. Therefore, the claim of the petitioner that the dumped imports is affecting profitability and its inability to increase its selling price has no merit. There is no volume effect as well.
- viii) There has been a marked improvement in Production, Production capacity, sales, employment, productivity (per day as well as per employee), etc. Thus, injury claimed by domestic industry holds no merit.
- ix) Thereal cause for the alleged injury to the petitioner is not dumping of subject goods but rather due to other reasons such as the power outage, dismal export performance affecting domestic sales, competition with other domestic producers, Exchange rate fluctuation, inability to meet quality standards of OEM market, etc.
- There are two distinct market segments for the subject goods—OEM segment and aftermarket segment. The dynamics of OEM segment are completely different from aftermarket segment and therefore the injury analysis needs to be made separately. Australia in its findings has conducted separate injury and causation analysis for both OEM and After Market segments. OE sales are governed by long term contract between the supplier and the OE buyers. In contrast, the sales in the AM market segment are not subject to any such contractual obligations and hence they are price sensitive.
- xi) In the OE market segment, the wheels invariably include IPRs of the OE buyers whereas in the AM, these rights could be with the supplier or the buyers depending upon the contractual conditions. In either case, the important point is that the each of the two market segments is characterized by different pattern of IPR ownership.
- xii) Domestic industry failed to submit relevant information with regard to the existence of two different and distinct market segments namely Original Equipment Market Segment (OE) Replacement or After Sales Market Segment (AM). The wheels sold by the manufacturers in the OE market segment have different technical specifications, designs, branding and styling as compared to the goods manufactured exclusively for AM.
- xiii) Styling, weights as well as designs are determining factors for deciding the specificity of wheels. The Domestic Industry has deliberately not brought to the notice of the Authority the following facts. That the pricing of the wheels is a function of designs, styling, sizes, weights and finishes. Therefore, even if wheels manufactured by two different producers may fit into the same vehicle, the price can vary significantly on account of the above-mentioned factors.

- xiv) That each wheel supplied to the OE is as per the specific design, style and technical specifications provided the OE buyer. Therefore, each wheel supplied to the OE is unique and is invariably identified as a specific part number. The contention of the Domestic Industry that all wheels are interchangeable is incorrect.
- xv) There are legal and contractual obligations due to which it is not open to all the producers of ARWs to supply all the part numbers. Since the technical specifications, design and styling are largely an outcome of a collaborative effort of the OEM and the supplier, the market is distinct from normal commodity markets.
- xvi) Each part number procured by OEMs in India have to be necessarily approved by the Automotive Research Association of India (ARAI). The non-approved producers can at best sell wheels in the After Market Segment or the Replacement Market Segment (AM) which may fit into the vehicles but cannot be considered as a substitute either technically or commercially.
- xvii) The proposition of the Domestic Industry that the pricing of the wheels is primarily determined by the weight of the wheel is not only without any merit but also illogical. If this proposition is accepted, it would lead to a totally unacceptable conclusion that the higher the weight the higher would be the price. The reality is that lighter the wheel the more expensive it would be.
- xviii) The domestic industry is a 100% EOU unit, therefore by the virtue of EOU unit they have advantages in export market and some limitations to supply in the domestic market or are at disadvantageous footing compared to other domestic players. Thus the petitioner cannot sell any quantities in the local market unless they fulfill their obligations as mentioned under Chapter 6.5 and 6.8 of Foreign Trade Policy (FTP). Other domestic producers have no such obligation to fulfill. Such an obligation severely limits their ability to accept large contracts which are essential for OE supplies.
- The applicant's total earning cannot exceed the upper limit of 50% of FOB value as set in the Chapter 6.8 of FTP. Therefore, applicant's total domestic sales value is only dependent on their export performance. If the Petitioner/ Domestic Industry do not export, they cannot sell in domestic market also. Such obligations are not prevailing with other domestic players. Therefore, it is obligatory on the Designated Authority to analyze their export performance over the entire injury investigation period and its impact on their ability to sell in the Indian market.
- As stated earlier also, the applicant industry performance is totally dependent on the export performance only because unless their export revenue increases they cannot increase the price of their product in domestic market. If they increase their prices, without increase in export revenue then in that case, they will have to reduce their quantities in the domestic market as there is a cap on the domestic sales in terms of value. The domestic industry cannot increase their prices with the OE because of the long term commitments with them.
- xxi) The increase in import volumes in the period of investigation have to be evaluated after taking into consideration the fact that the orders for these supplies were placed at least 1-2 years in advance.
- xxii) Domestic Industry is in no position to increase its domestic sales as apparently they had already exceeded their DTA entitlement in the preceding years.
- xxiii) The cost of domestic industry needs to be adjusted appropriately on account of capacity, capacity utilization, high fixed overheads, price commitments in their long term contracts, cost structure provided at the time of bidding in tenders for OE market, etc.
- xxiv) The claim of the Domestic Industry's fall in profits is completely misleading as the claimed fall has to be examined in the context of their export performance and export obligations which have a direct bearing on their financial performance in the domestic market as well.
- xxv) The petitioner has claimed that production, capacity, capacity utilization and sales has been seriously injured by the imports from subject countries. The fact of significant increasing of capacity itself is contradictory to the petitioner's claim.
- xxvi) The petitioner claims that profitability of the domestic industry sharply and materially declined as an impact of dumping from subject countries and remained at negligible levels during the POI. However, it is difficult to understand why there could be a significant loss, while the cost of sales and domestic sales price remained stable during POI. The profit ratio of OEM ARW manufacturers is not determined by the OEM ARW manufacturers. Rather, it is ultimately determined by the car makers.

- xxvii) Petitioner has also claimed that it has lost substantial sale orders directly to the exporters from subject countries. However no supporting evidence in this regard seems to have been furnished by the petitioner in the public file.
- xxviii) The current exchange rate should be taken for injury analysis. If DGAD examines injury to domestic industry based on old exchange rate of 50.25 considered by petitioner instead of prevailing exchange rate, then the injury analysis will not reflect the correct picture and the exporters may infact be burdened with a higher rate of duty than the actual injury margin.
- xxix) Though petitioner managed to increase the capacity to some extent, however, petitioner could not increase the capacity further due to capital constraints. This is evident from the report of Kubera Cross Border Fund Ltd, the largest shareholder in the petitioner company, wherein it is stated that due to capital constraint, the management decided not to increase the capacity despite strong order book. Thus, it is evident that decision with respect to increase in capacity is not due to alleged dumped goods from subject countries.
- xxx) Domestic Industry has not provided much crucial information such as export sales, long term contract details and its implication on pricing and costing, in the absence of which no meaningful injury analysis can be made by the Authority with regard to injury as well as causal link.
- As regards the issue of price undercutting and price underselling, it is reiterated that the Domestic Industry has given a misleading analysis to the Authority. The price comparisons ignore the fact that the material terms and conditions of the contract were finalized much before the date of actual supply.
- xxxii) There is no causal link between performance of Domestic Industry and imports of subject goods. Because of the nature of the auto industry and that of the subject goods, any claim of injury by the Domestic Industry in the period of investigation has to be analyzed only after getting full information regarding the timing and the terms and conditions of specific contracts.

#### Submissions made by the domestic industry

- 81. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
  - i. It would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from subject countries since the goods involved are like articles and are competing in the same market, the imported products are being sold through the comparable channel of distribution and to comparable category of customers, products from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market and imports from subject countries are increasing.
  - ii. Authority should determine NIP for the domestic industry based on provisions of Annexure III to the AD rules.
  - iii. The demand of the product in the country shows a robust growth during the POI. However, share of domestic industry declined due to dumped imports.
  - iv. Imports from subject countries have increased in absolute term as also in relation to total imports, production and consumption in India. As a result, share of the domestic industry has declined steeply.
  - v. Weighted average import prices (after including basic customs duties and applicable edu.cess) have been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thus, resulting in significant price undercutting. Although import prices are showing increasing trend but such import prices are still significantly lower than net sales realization of the domestic industry.
  - vi. The increase in selling price was lower than the increase in cost of production thus the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
  - vii. The domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from subject countries. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.
  - viii. The domestic industry, despite available capacity, has not been able to take part in the increased demand owing to presence of dumped material and in turn faced huge losses of market share. Absence of dumped imports could have helped domestic industry to achieve legitimate and reasonable growth in the above parameters.
  - ix. The profitability of the domestic industry sharply and materially declined as an impact of dumping from subject countries and remained at negligible levels during the POI.

- x. Market share of the domestic industry has severely declined whereas that of imports from subject countries has materially increased.
- xi. While the increase in demand of the product where almost absolutely absorbed by the dumped imports, the employments in absolute number have not increased to a level which could have been possible if the domestic industry was given a proper share of increase in demand.
- xii. Productivity of the domestic industry has increased significantly over the base year.
- xiii. Return on investments has taken deep dips. The current level of ROI is much less than the desirable and legitimate levels which should have been achieved by the domestic industry considering the huge investments it has made in the absence of dumped imports.
- xiv. Inventory during POI have significantly increased over the years.
- xv. Overall growth parameters of the domestic industry in terms of sales, capacity utilization, market share, profit per KG, PBIT, ROI etc has been negative.
- xvi. The entire increase in demand during POI as compared to previous years has been met through dumped imports despite unutilized capacity available with domestic industry.
- xvii. The dumping margin from subject countries is not only more than de-minimis levels but is very significant.
- xviii. Petitioner has lost substantial sale orders directly to exporters/producers form subject countries who offered dumped prices.
- *xix.* The domestic industry has suffered material injury due to dumped imports of the subject goods from the subject countries.
- xx. There are no such long term contracts which could have caused injury to the petitioner. The reason is only dumping and any other suggestions by the respondent are merely misleading.
- xxi. Demand for the product is increasing based on the high penetration level of ARWs. However, all such increase in demands is imbibed by the dumped imports owing to the dumped prices offered by them. Question of petitioner meeting the entire Indian demand is a well settled issue as imposition of duties is only to correct the trade distorting effects of dumping and not to stop imports. In any case, India can meet the demand provided there is a level playing ground is provided in the Indian market.
- xxii. The contention that increase in imports are on account of demand supply gap in India is absolutely wrong. AD measures are not to stop imports. AD measures would correct the trade distorting effects of dumping. Imports can be allowed but not at dumped prices.
- xxiii. The price undercutting throughout the injury period is significant as there is significant difference between the prices offered by the Domestic Industry and producers/ exporters from subject countries. Thus, decline in market share of the domestic industry is a result of dumping.
- xxiv. Even when the domestic industry has been compelled to offer sub-optimal prices, it is losing sales on one hand and lowering profitability to the level which is unviable.
- xxv. Presence of import at very lower price preventing domestic industry to increase their price to the extent of increase in input cost, thus imports are suppressing the selling prices of the domestic industry.
- xxvi. Reduction in profits directly resulted in deterioration in return on capital employed and cash profits. The domestic industry has not been able to cover the cost of capital. Thus, deterioration in profits, return on capital employed and also cash flow and cash profit is directly due to dumped imports.
- xxvii. Decline in sales volumes has adversely affected the production and capacity utilization. Thus, decline in growth of production and capacity utilization is due to dumped imports.
- xxviii. Contentions with regard to power constraints causing injury to the DI are out of place. The fact of the matter is DI could not produce and sell to the extent possible because of the presence of severe competition from dumped materials from subject countries.

#### **Examination by the Authority**

82. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to

the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

- 83. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.
  - "The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."
- 84. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties. However, the specific submissions made by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are addressed by the Authority as below:
  - i. As regards the submission that the increasing imports from China are a natural result of the huge gap between high demand in India and insufficient supply capacity of Indian wheel industry, the Authority notes that lack of adequate capacity with the domestic industry does not justify dumped imports. Moreover, anti-dumping measures are not intended to prevent imports but rather to create a level playing field for the domestic industry vis-a-vis the dumped imports.
  - ii. As regards the submission that the petitioner company being an 100% EOU is not capable of meeting the domestic demand, unless it fulfills its export obligation, the Authority notes that as per the Foreign Trade Policy of India 100% EOU units, other than gems and jewellery units, may sell goods upto 50% of FOB value of exports, subject to fulfillment of positive NFE, on payment of concessional duties. Further, EOU/EHTP/STP/BTP units can also sell finished products, except pepper and pepper products and marble, which are freely importable under FTP in DTA, under intimation to DC, against payment of full duties, provided they have achieved positive NFE. The domestic industry does enjoy positive NFE during the POI as per the provisions of the Foreign Trade Policy.
  - iii. As regards the submission that 22% Capital Return Rate is too high, the authority notes that the NIP for the domestic industry has been determined as per the provisions of Annexure III to the anti-dumping Rules and consistent practices followed by the Authority.
  - iv. As regards the submissions that the petitioner is exporting ARW to its subsidiary in USA and incurring huge losses, the Authority notes the injury analysis in the present investigation has been conducted after segregating the domestic and export performance of the domestic industry. Therefore, the contention that the losses, if any, incurred by the domestic industry on account of its exports does not have material impact on the injury analysis conducted by the Authority.
  - v. As regards the submissions that DGAD is required to examine the data of not only the petitioner company but also other domestic producers in the market, the authority notes that the petitioner company constitutes domestic industry under the Rules. Moreover, the other domestic producers during the POI have not filed the required information despite request by the Authority.
  - vi. As regards the submission that the petitioner has included semi-finished ARWs in the product scope without any justification and therefore the same should be excluded from the injury analysis, the Authority notes that the semi-finished ARWs are also ARWs for all practical purposes and therefore not excluded from the purview of injury analysis. As per the import data relied upon, certain ARWs reported as semi finished have been reported only in respect of import transactions from China PR during the POI. The Authority further notes that such imports constitute only about 6 MT (0.06% of the total imports of the subject goods from China PR during the POI).
  - vii. As regards the submission that there are two distinct market segments for the subject goods— OEM segment and aftermarket segment and the injury analysis should be done separately, the Authority notes that the difference in the segments of the market does not constitute the product under consideration different. Styling, weights as well as designs including proprietary rights or patenting also do not make the products different. The objective of the anti-dumping investigation is to ascertain injury to the domestic industry, if any, on account of dumping of the subject goods from the subject countries. The segmental nature of the market does not vitiate the injury analysis done by the authority in the present investigation.

- viii. The Authority notes that the contention that pricing of the wheels is not determined by the weight of the wheels, but rather by the style and design of the wheels, is not correct. While the size, style, design, quality, brand, patent, etc. may contribute to the price of a product in the market, the primary determinant factor for the cost and price of a product is the price of the inputs that has gone in the product.
- ix. With regard to other contentions of the interested parties, the Authority has appropriately dealt with the same in the preceding paragraphs and also herein below.

#### I. <u>Cumulative Assessment</u>

- 85. The Annexure II (iii) of the Anti-Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that;
  - i. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article; and
  - ii. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
- 86. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:
  - i. The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the *deminimis* limit;
  - ii. The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the de minimis;
  - iii. Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;
- 87. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry in the light of conditions of competition between imported product and like domestic product. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limits prescribed above.
- 88. Annexure-II of the Anti-dumping Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
- 89. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the Anti-dumping Rules states as follows:
  - "The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."
- 90. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.
  - J. Volume Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry
  - a) Demand and market share

91. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

#### i) Demand

		2009-10	2010-11	2011-12	
Particulars	Unit				POI
Demand	MT	7,298	9,913	16,006	16,410
Indexed	Trend	100	136	219	225
Imports from Subject Countries	MT	3,066	4,719	12,039	12,497
Imports from Other Countries	MT	1,317	1,420	531	550
Sales of Domestic Industry	MT	2,545	2,966	2,636	2,603
Sales of other Indian Producers (Estimated)	MT	370	808	800	760

#### ii) Market Share in Demand

92. Considering imports from various sources and sales of the Indian Producers, market share of subject imports in demand in India was examined. Factual position is as follows

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Imports from Subject					
Countries	%	42.01	47.61	75.21	76.15
Imports from Other					
Countries	%	18.04	14.32	3.32	3.35
Sales of Domestic Industry	%	34.87	29.92	16.47	15.86
Sales of other Indian					
Producers	%	5.07	8.15	5.00	4.63

93. It is seen that the demand for the product increased significantly in the country throughout the injury period and also during the POI. While the share of imports from subject countries which was 42.01% in the base year has increased to 76.15% in the POI, the share of domestic industry has declined from 34.87% in the base year to 15.86% in the POI. Thus, the imports from subject countries constituted a significant increase, whilst the share of domestic industry showed declining trends.

#### b) <u>Import volume and market share</u>

- 94. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods as provided by the petitioner (which is based on secondary source import data i.e IBIS). After comparing the import data from the secondary sources (IBIS) as furnished by the domestic industry with the import data received from the DGCI&S, the Authority notes that in terms of volume of imports into India from subject countries, data from both the sources do not show significant differences, however, the unit prices reported by DGCI&S are abnormally low vis-à-vis the price reported by IBIS. Therefore, the Authority has relied upon the secondary sources (IBIS) data furnished by the domestic industry for the purpose of this investigation. The import volumes from subject countries are found to be above the *de-minimis* levels as can be seen from the table below.
- 95. Imports volume from subject country and other countries has been as under:-

Particulars		Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
	Subject Countries	MT	3,066	4,719	12,039	12,497
	Other countries	MT	1,317	1,420	531	550
Volume	Total imports	MT	4,383	6,139	12,570	13,047
	Subject Countries	%	69.96	76.88	95.77	95.78
Market Share in Imports	Other countries	%	30.04	23.12	4.23	4.22

96. It is observed from the above table that imports from subject countries increased significantly. It is also noted that imports from subject countries account very significant proportion of total imports of product under consideration in India.

### c) Share of dumped imports in relation to production

97. Authority observes that the dumped imports from subject countries have increased in relation to the production of the domestic industry, as is evident from the following table:

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Imports from Subject Countries	MT	3,066	4,719	12,039	12,497
Production of domestic industry	MT	3,361	5,496	5,818	5,715
Dumped Imports in relation to production of domestic industry.	%	91.23	85.88	206.94	218.65

### e) <u>Capacity & capacity utilization</u>

98. Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table:-

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Capacity MT	MT	6,760	6,760	8,060	8,060
Capacity utilization	%	49.72	81.30	72.18	70.91

- 99. It is observed that capacity utilization of the domestic industry increased upto 2010-11, but declined thereafter including the POI. Domestic industry claimed that such decline in capacity utilization is the direct impact of increase in dumped imports in the same period. Decline in capacity utilization, when there is an increase in the demand, shows adverse impacts on the domestic industry due to absorption of such increase in demand by dumped imports.
- 100.It is further observed that there has been an enhancement of capacity in the period 2011-12. As submitted by the petitioner such capacity enhancement was considering the novelty of the product and the growing demand. However, the domestic industry is unable to increase its production due to presence of dumped imports in the country.

### f) <u>Production</u>

101. Production data of the domestic industry is given in the following table:-

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Production MT	MT	3,361	5,496	5,818	5,715
Trend	Indexed	100	164	173	170
Demand	MT	7,298	9,913	16,006	16,410
Trend	Indexed	100	136	219	225
Production in relation to Demand	%	46.06	55.44	36.35	34.83

102. It is observed that production of the domestic industry has increased up to 2011-12, however declined marginally in the POI. Demand in the same period has increased significantly. The domestic industry has submitted that, even when demand increased sharply, the dumped imports prevented the domestic industry to increase its production.

#### g) Sales volume

103. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Domestic sales	MT	2,545	2,966	2,636	2,603
Trend	Indexed	100	117	104	102
Demand	MT	7,298	9,913	16,006	16,410
Trend	Indexed	100	136	219	225
Market Share of domestic industry in Demand	%	34.87	29.92	16.47	15.86

104. It is observed from the above table that sales of the domestic industry has showed increasing trend between 2009-10 and 2010-11 and declined thereafter till POI. While the demand for the product has increased significantly during

the injury period, the sales of the domestic industry are either stagnant or marginally increased. The domestic industry has claimed that the situation had arisen because of the impact of dumped imports. Resultantly, the domestic industry lost significant market share.

### K. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

105. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

### i. Price Undercutting

106. The net sales realization was arrived after deducting outward freight and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty including applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry as per the table below:

China PR

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed Value	Rs./KG	188.83	208.96	224.22	238.78
Net Sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	25-35	15 - 25	25-35	15 - 25

#### Korea RP

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed Value	Rs./KG	220.48	232.01	251.83	256.68
Net Sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	15-25	10-20	15-25	15 – 25

### Thailand

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed Value	Rs./KG	220.36	247.36	258.14	262.84
Net Sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	15-25	5-15	15-25	10-20

### **Subject Countries**

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed Value	Rs./KG	201.64	216.67	232.17	242.22
Net Sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	20 - 30	15 - 25	20-30	15 – 25

107. It is observed from the above table that imports are undercutting prices of domestic industry. Even though the landed price showed increases over the years, they were still well below the prices offered by domestic industry.

### ii. Price Underselling

108. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The analysis shows that the landed value of subject imports was below the non-injurious price as can be seen from the table below.

Particulars	Unit	China PR	Korea	Thailand
Non-injurious price	Rs/KG	***	***	***
Landed price (POI)	Rs/KG	238.78	256.68	262.84
Price underselling	Rs/KG	***	***	***
Underselling	%	***	***	***
Underselling	%Range	30 - 40	20-30	20-30

#### iii. Price suppression/depression

109. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of production	Rs./KG	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	103	119	119
Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	101	118	113
Landed Value	Rs./KG	201.64	216.67	232.17	242.22

110. It can be seen from the table above that the cost of production has increased from 100 to 119 from 2009-10 to POI, the selling price increased only from 100 to 113 during the same period, thereby the prices were suppressed on account of dumped imports, as the domestic industry was not able to increase its prices in proportion to increase in costs. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry.

### L. Economic parameters of the domestic industry

#### i. Profit/Loss

111. The profitability of the domestic industry is given in the following table:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Profits	Rs./Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	76	106	50
Cash Profit	Rs./Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	80	98	66
ROCE	%	***	***	***	***
	Indexed	100	71	69	38

112. It is seen from the above table that profitability of the domestic industry declined significantly during the injury period except 2011-12. Return on investment has also declined in the POI as compared to base year as well as the previous year.

#### ii. Cash Flow

113. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table.

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cash profits	Rs./KG	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	80	98	66

114. It is seen that the cash profits of the domestic industry declined over the injury period. The decline was significant in POI.

#### iii. Inventories

115. Inventories with the domestic industry moved as follows;

	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Average Stock	MT	234	395	935	1,075
Stock as no. of days sale	Days	9	9	22	25

116. It is noted that inventories with the domestic industry increased in the POI as compared to the base year as well as the previous year.

### iv. Productivity

117. Authority notes that productivity of the domestic industry shows same trend as that of production. Productivity was increasing till 2011-12 and declined in POI.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Productivity per employee	MT/Nos.	***	***	***	***
Productivity per day	MT/day	9.21	15.06	15.94	15.66

# v. Employment and Wages

118. It is seen from the table below that the employment level has increased throughout the injury period and was stagnant in the POI. Overall wages per kg, however, showed decline in POI as compared to the base year as well as the previous year.

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Employment	Nos.	***	***	***	***
	Indexed	100	116	140	140
Wages	Rs/Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	84	95	98

### vi. Magnitude of Dumping

119. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject countries are above de minimis and significant.

### vii. Growth

120. The Authority notes from the table below that growth of the domestic industry in respect of production, capacity utilization, ROI was negative. The domestic industry has submitted that they were prohibited from taking benefits of increasing demand on account of increases in the dumped imports with significant price undercutting.

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Production	%	-	63.51	5.86	(1.76)
Capacity Utilisation	%	-	31.58	(9.12)	(1.27)
Domestic sales	%	-	16.54	(11.12)	(1.26)
Inventory	%	-	68.42	136.94	15.01
Profit/ KG	%	-	23.95	38.86	(52.56)
ROI	%	-	(3.43)	(0.19)	(3.71)

### viii. Ability to raise capital investment

121. Authority notes from the submissions of the applicant that ARWs are new generation product and the investments were made by the domestic industry in the production of ARWs expecting to capitalize on the upcoming huge demand of the product in the country. However, dumped imports started to reach Indian market at a time the product started to gain momentum in India and any such increase in demand were absorbed by such dumped imports. It is further noted that the domestic industry's ability to pump in any additional investments in the product depends upon the market situation as it is evident that the market share of the domestic industry has marked some sharp decline in the POI. Hence, dumping of the product would have adverse impact on the ability of the domestic industry to raise capital investment.

#### ix. Factors Affecting Domestic Prices

122. The examination of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price undercutting as well as price under selling in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject countries.

#### M. Conclusion on material injury

- 123. In view of the above, the Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. Imports of the product were undercutting the prices of the domestic industry in the market. Further, the domestic industry was not in a position to increase its selling price to the extent of increase in the cost of goods due to presence of dumped imports. The dumped imports were suppressing the prices of the domestic industry. It is noted that demand for the product increased very significantly however production and sales of the domestic industry declined as dumped imports marked very significant increase. Resultantly, the domestic industry lost market share which in turn impacted other performance parameters.
- 124. The domestic industry was faced with significant unutilized capacities in a situation where the demand for the product is quite significant in the market. Profitability of the domestic industry declined. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits marked negative growths in POI. Thus, growth in respect of most of the parameters such as production, sales, capacity utilization, profits, cash profits, return on capital employed, market share& inventoryetc shows an adverse impact on the domestic industry. It is thus concluded that the domestic industry has suffered material injury.

#### N. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

125. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

#### (a) Volume and prices of imports from third countries

126. During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries have been insignificant in volume. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

### (b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

127. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject countries compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is also noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

### (c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

128. The Authority notes that demand for the product showed significant increase during the injury period and also during POI. The Authority thus concludes that injury to the domestic industry was not due to contraction in demand.

### **Development in Technology**

129. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

#### (d) Export performance of Domestic Industry;

130. The details of exports by the petitioner are as follows:

Period	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Volume in MT	***	***	***	***
Indexed	100	322	324	326

131. Performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. Exports by the domestic industry showed robust growth during the injury period and also in POI. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of injury. In any case, the Authority has considered only domestic operations in order to ascertain the impact on price parameters.

#### (e) Productivity of the Domestic Industry

- 132. Productivity of the domestic industry increased consistently. However, regardless of changes in productivity levels, the profitability of the domestic industry showed continued decline.
- 133. From the foregoing, the Authority concludes that there is no evidence of injury being caused due to other factors.

# O. FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK

- 134. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated over the injury period. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:
  - a) Significant increase in the demand coincided with significant increase in imports from subject countries brushed aside the domestic industry from its share in the domestic market;
  - b) Imports from subject countries are undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the volume of imports has increased significantly;
  - c) Price undercutting being caused by the dumped imports is preventing the domestic industry from increasing its prices. On the contrary, the domestic industry has been forced to reduce the prices whereas the cost of production increased over the injury period;
  - d) Increase in import volumes and the import prices forced the domestic industry to reduce the prices;
  - e) The price depression effect of dumped imports is visible on significant decline in profitability to the domestic industry;
  - f) Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits are directly a result of dumped imports;
  - g) Market share of the dumped imports increased significantly and consequently, market share of the domestic industry declined;
  - h) The growth of the domestic industry became negative in terms of a number of price related economic parameters and also volume parameters.
- 135. The Authority is of the view that the above grounds establish existence of causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry. Thus the Authority concludes for the purpose of the present final findings that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

### P. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

136. The Authority determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules, as amended. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries.

S1.	Channel	Producer	Exporter	Non				Injury
No.	of			Injurious		Injury	Injury	Margin
	Export			Price -	Landed price	Margin -	Margin -	Range -
	_			US\$/Kg	- US\$/Kg	US\$/Kg	%	%
1.	China-	Baoding	Baoding					
	India	Lizhong	Lizhong					
		Wheel	Wheel					
		Manufactur	Manufacturin					
		ing Co. Ltd,	g Co. Ltd,	***	***	***	***	30-40
		China PR	China PR					
2.	China-	Baoding	Hyundai					
	Hongko	Lizhong	Glovis Co.					
	ng-	Wheel	Ltd, Korea					
	Korea-	Manufactur	RP and					20-30
	India	ing Co. Ltd,	Hyundai	***	***	***	***	
		China PR	Mobis, Hong					
			Kong					
3.	Weighted average of Baoding Lizhong							
	Wheel Manufacturing Co. Ltd, China			***	***	***	***	
	PR							20-30

### Non Sampled Exporters from China

137. The injury margin for the following exporters who had made themselves known in response to the sampling questionnaire but not sampled by the Authority, is determined on the basis of the injury margin determined for aforesaid sampled exporter. The injury margin in respect of the non-sampled exporters from China PR is as per table below:

Sl.	Particulars	Injury	Injury	Injury
No.		Margin -	Margin - %	Margin
		US\$/Kg		Range - %
1.	Seyen Heavy Industries (Shanghai) Co., Ltd, Shanghai, China PR (Producer) and Shanghai General Motors Corporation Ltd, Pudong, Shanghai, China PR (Exporter).			
2.	Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd, Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
3.	Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
4.	Zhejiang JinfeiKaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
5.	Wuxi City Wanxuan Metal Production Co., Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR (Producer & Exporter).			
6.	Zhejiang Shuguang Industrial Co., Ltd., Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
7.	XiangyangHengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR (Producer & Exporter).			
8.	KunshanLiufeng Machinery Industry Co. Ltd, Suzhou City, Jiangsu Province, China PR (Producer) and Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR (Exporter).	***	***	20-30

All other exporters from China PR

138. Injury margin for all other non-cooperating exporters from China PR is determined by the Authority on the basis of best available facts.

Particulars	Non Injurious Price - US\$/Kg	Landed price - US\$/Kg	Injury Margin - US\$/Kg	Injury Margin - %	Injury Margin Range -
All other Producers/Exporters	***	***	***	***	55-65

#### Korea RP and Thailand

139. In case of Korea RP and Thailand non-injurious price for the domestic industry has been compared with the landed prices of imports into India as there are no/deficient responses in effect and the margins of injury has been compared with the margins of dumping for application of lesser duty. The injury margin so determined is as follows:

S1.		Non Injurious Price -	Landed price -	Injury Margin -	Injury	Injury Margin
No.	Particulars	US\$/Kg	US\$/Kg	US\$/Kg	Margin - %	Range - %
1.	All Producers/Exporters from Korea RP	***	***	***	***	25-35
2.	All Producers/Exporters from Thailand	***	***	***	***	20-30

## Q. Comments on the Provisional Finding by the interested parties

- 140. The following are the post provisional finding comments made by the producers/exporters/importers/other interested parties and considered relevant by the Authority:
  - i. Initiation Notification and Preliminary Findings are bad in law. Designated Authority has committed a jurisdictional error in recommending anti-dumping duties on semi-finished wheels to prevent circumvention of duties without even invoking the specific provisions of law.
  - ii. Issue of preliminary finding on 13<sup>th</sup> January 2014, that is, 13 months after the initiation of investigation is illegal.
  - **iii.** Domestic producers who also import do not automatically get excluded from the standing of the domestic industry. In terms of Rule 2(b) of the anti-dumping rules, it is the discretion of DGAD to include or exclude the producer, who is also an importer. The exercise of such discretion needs to be demonstrated in the finding.
  - **iv.** DGAD has considered entire production of Petitioner to evaluate the standing requirement. The petitioner being a 100% EOU, The authority is required to examine only the production related to DTA entitlement.
  - **v.** It is incorrect to treat an EOU as domestic industry. EOU's are given a special status only for the purposes of export and only after they are in a position to meet their Net Foreign Exchange (NFE) that they are allowed to sell in DTA with specified restrictions.
  - vi. Models with specifications, which are not manufactured by Petitioner, should be excluded from the product scope. Imported grades or products which are not in competition with domestic like articles cannot be said to cause injury to domestic industry.
  - vii. Subject goods protected by intellectual property right/copyright should be excluded from the purview of PUC since any other party including domestic industry are precluded from manufacturing such products without specific permission from the IPR/Copy right holders. Also products not produced or sold by domestic industry during the POI should be excluded from the purview of PUC.
  - **viii.** Definition of the Product under Consideration in the Preliminary Findings as well as the initiation notification is vague. The Product under Consideration covers Alloy Road Wheels "with or without accessories", without detailing the accessories.
  - ix. CiticDicastal has no control over unrelated producers to force them to cooperate in the present investigation. Thus rejection of its export price by authority on these grounds is incorrect.
  - **x.** Almost all the users of the product concerned are Original Equipment Manufacturers (OEMs), who place global tenders with specified standards. The exporters do not have much say in the pricing of the product.
  - xi. Authority has erroneously put SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd. (SGMW) and SAIC GM Wuling (Linzhou) Importation and Exportation Company Ltd. (SGMW I&E) in the category of non-cooperative

- exporters. SGMW and SGWM I&E are entitled to individual dumping margin with Dicastal as the link producer.
- **xii.** GM Korea may be given individual dumping margin and injury margin based on their export prices to India and the normal value constructed by the Authority.
- xiii. Authority has rejected the claim of normal value of all the sampled producers in the China. In this context, it may kindly be noted that the Authority can call for information from other non-sampled producers from the China to arrive at material conclusion for determining normal value for non-sampled producers/exporters from China.
- **xiv.** Despite the submission that average exchange rate for the period should be adopted to make an appropriate injury analysis, prevailing exchange rate has been adopted in the PF without any justification.
- **xv.** Although it was substantiated with supporting evidence that petitioner could not increase its capacity due to capital constraint, it was not adequately addressed in the PF.
- **xvi.** The authority has noted in its preliminary findings that apart from Synergies Castings, there exist 4 more producers of subject goods in India. The authority should have examined the inter-se competition among the domestic producers themselves as each producer is eyeing the same market.
- **xvii.** It was earlier submitted that inferior quality product supplied by the petitioner causes diversion of orders and in result was a major cause of injury to it. This important fact need to be examined properly.
- **xviii.** Petitioner is exporting ARW to its subsidiary in USA and incurring huge losses. It is to be noted that the Petitioner has a huge outstanding receivables against its US subsidiary for 2010-11 for export of ARW. So the claim of the Petitioner that the Petitioner registered a significant growth in export market is incorrect and false.
- **xix.** Where multiple product types are included in a single product basket for the purposes of investigation, it is necessary to consider the prices of each product type in the injury analysis.
- **xx.** There are two distinct market segments for the subject goods OEM segment and aftermarket segment. Injury analysis should be done separately for both the segments of the market.
- **xxi.** Semi-finished ARWs are imported at a lesser price as compared to finished goods. Therefore semi-finished ARWs should be excluded from the injury analysis.
- **xxii.** OEMs are meeting 15% of their requirements from the domestic industry and their capacity is fully utilized. Thus there is no injury to the domestic industry.
- **xxiii.** Domestic Industry is adopting Low pressure Die casting (LPDC) or Gravity Die Casting Technology. Cast-Flow form & Forged wheels are newer technologies which lead to light weight, better mechanical properties and better styling appearance. Cost and pricing analysis for the two technologies should be done separately.
- **xxiv.** OE sales are governed by long term contract between the supplier and the OE buyers. The Authority should assess the impact of long term contracts on the financial position on the Domestic Industry.
- **xxv.** Anti-dumping duty is detrimental to the Indian Auto industry. Indian industries can meet only 19% of the total domestic demand and the balance has to be imported. Imposition of anti-dumping duty will result in unfair cost burden on the Indian automobile manufacturers.
- **xxvi.** Post 2010-11, there has been a massive power outage in the state of Andhra Pradesh, which resulted in fall in capacity utilization of Synergies Castings Ltd and not due to dumping.
- **xxvii.** DGAD has not disclosed how normal value and export price for non-cooperating exporters has been determined.
- **xxviii.** Excessive confidentially has been allowed to the domestic industry and adopted in the preliminary findings by the Authority. Conclusions and determinations reached by Designated Authority have been kept confidential. Moreover EU & Australia have carried out their analysis on piece basis.
- **xxix.** Maruti Suzuki India Ltd has imported subject goods from Asahi Tec Aluminium Thailand. Dumping margin and injury margin in respect of Thailand should be determined based on the import information provided by Maruti Suzuki India Ltd.
- **xxx.** Duty imposed on weight basis is erroneous.
- 141. The following are the comments made by the domestic industry on the provisional findings and considered relevant by the Authority:

- i. Individual export price should be denied to Zhejiang Autom Aluminum Wheels Co. Ltd, Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd, ZheJiangYueLing Co., Ltd in light of the gross discrepancy provisionally found in their export prices.
- ii. There are very grave and serious inconsistencies and lapses in the submissions made by CITIC Dicastal with regard to their export price and acknowledgements by the exporter itself shows that the export price claimed by them are highly unreliable and unrepresentative. CITIC Dicastal's claim for individual export price should be denied.

#### EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 142. The Authority notes that the comments/submissions made by the interested parties after the issue of the preliminary findings are mostly reiterations of their earlier submissions, which have been appropriately and adequately addressed in this final finding. The post PF submissions considered relevant are addressed below:
  - i. As regards the submission that initiation notification and the preliminary findings are bad in law as the Authority has committed a jurisdictional error in recommending anti-dumping duties on semi-finished aluminium wheels to prevent circumvention of duties and semi-finished aluminium wheels should be excluded from the purview of the product under consideration, the Authority notes that the semi-finished ARWs are also ARWs for all practical purposes. The interested parties, who have put forward the above arguments, have not substantiated with documentary proof in what respect and how the semi finished ARW imported from the subject countries are different from the product under consideration in the present investigation. On examination of the volume of imports of the semi-finished aluminium wheels from the subject countries during the POI from the data relied upon by the Authority in the present investigation, the Authority notes that such semi-finished aluminium wheels have been imported only from China PR constituting a miniscule 0.06% of the total imports of the subject goods in to India during the POI from China PR. Further, descriptions available in the data base which generally reads as "Aluminium Alloy Wheels (semi finished)", does not specifically prove that such wheels are different from the PUC. Thus, if excluded, dumping of subject goods in the guise of semi-finished ones cannot be ruled out.
  - ii. With regard to the submission that issue of preliminary finding on 13<sup>th</sup> January 2014, that is, 13 months after the initiation of investigation is illegal, the Authority notes that the Anti-dumping Rules do not stipulate such time limits to issue preliminary findings.
  - iii. With regard to the submission that domestic producers who also import should not automatically get excluded from the purview of the domestic industry, the Authority notes that various aspects of standing are already examined herein above elaborately. The question of exercise of discretion of the Authority to include or exclude any domestic producers who themselves have imported the subject goods from subject countries during the POI would come into picture only when such producers have come before the Authority and specifically requested for their inclusion in the scope of domestic industry by providing all relevant information to support or oppose the ongoing investigation.
  - iv. With regard to the submission that DGAD has considered entire production of Petitioner to evaluate the standing requirement and the petitioner being a 100% EOU, the Authority is required to examine only the production related to DTA entitlement, the Authority notes that in terms of Para 6.8(a) & (h) of the Foreign Trade Policy, Synergies Castings Ltd is entitled to sell the entire production during the POI in the DTA. Synergies Castings Ltd is the only eligible producer to constitute domestic industry for the purpose of present investigation and production pertaining to Synergies Castings Ltd constitutes 100% eligible production within the meaning of the Rules.
  - v. With regard to the submission that it is incorrect to treat an EOU as domestic industry, the Authority notes that the aspect of eligibility of EOUs to constitute domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) is already addressed in detail in the relevant para of this finding. The Authority notes that anti-dumping Rules do not preclude a 100% EOU from being considered as part of the domestic industry.
  - vi. With regard to the contention that certain models of the subject goods with design, colouretc specifications, which are not manufactured by the Petitioner, should be excluded from the purview of product scope, the Authority notes that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from subject countries within the scope and meaning of Rule 2 (d) of anti dumping rules. The Authority further notes that the product under consideration with different specifications of design, colouretc does not make them different from the product under consideration.
  - vii. With regard to the submission that subject goods protected by intellectual property right/copyright should be excluded from the purview of PUC since any other party including domestic industry are precluded from manufacturing such products without specific permission from the IPR/Copy right holders and also products not produced or sold by domestic industry during the POI should be excluded from the purview of PUC, the Authority notes that these issues raised by the interested party have already been addressed in the relevant

paras of this finding. The Authority once again notes that the PUC covers "Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches" with the exclusion of the ARW meant for two wheelers as noted above. The domestic industry either manufactures all the sizes of the ARW covered in the PUC or is having the capacity to manufacture the same. Moreover, design of an ARW (including those with copy rights) is an aesthetical aspect determined by a Motor Vehicle manufacturer which is not a precluding factor as far as different ARW manufactures are concerned. Thus, the design of a particular ARW, even if having copy rights, does not make it different from another design of ARW as long as both are technically and commercially substitutable within the purview of Anti-dumping Rules. In any case, subject goods are primarily tailor made products and the OEMs would have to invariably share any copy right protected wheel designs with the ARW manufacturer of their choice if they want to get such wheels produced including producers from India.

- viii. With regard to the submission that definition of the Product under Consideration in the Preliminary Findings as well as the initiation notification is vague and the Product under Consideration covers Alloy Road Wheels "with or without accessories", without detailing the accessories, the Authority notes that PUC is defined beyond any ambiguity in the present final findings. It is once again noted that the PUC is classified under the customs subheading 'Road wheels and parts and accessories thereof' and the reference to accessories as per the submissions of the petitioner commonly contains wheel caps, air valves and lug nuts.
- ix. As regards the submission by CiticDicastal that it has no control over unrelated producers to force them to cooperate in the present investigation and its export price should not be rejected on this ground, the Authority notes that the issue has been appropriately and adequately addressed in the relevant paras of this final finding. Nevertheless, the Authority notes once again that significant volume of exports (75%) made by the Company are out sourcedby Citic Dicastal from other producers, who have not cooperated with the Authority by filing exporters questionnaire response in the present investigation. Since complete value chain of the majority of the exports made by the Company is absent before the Authority, the Authority has not granted individual margins to Citic Dicastal.
- x. As regards the submission that almost all the users of the product concerned are Original Equipment Manufacturers (OEMs), who place global tenders with specified standards and the exporters do not have much say in the pricing of the product, the Authority notes that the producers/exporters from the subject countries cannot attribute the fact of dumping in the present investigation to the global tendering process by the OEMs.
- xi. With regard to the submission that Authority has failed to follow the prescribed procedure with regard to Normal Value for China in terms of Para 7 of Annexure I of the Rules and the Designated Authority has not even specified as to which country was proposed to be taken as a surrogate country if the said Authority finally concluded that the firms were not operating on market economy principles, the Authority noted in the preliminary finding that determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country at this stage. The Authority further notes that the position remains the same in the final findings also as none of the interested parties have provided nay relevant information in this respect. Thus, the Authority relied upon other basis as prescribed in Para 7 of Annexure I to construct normal value in case of China PR.
- xii. As regards the submission that Authority has rejected the claim of normal value of all the sampled producers in China and it may be noted that the Authority can call for information from other non-sampled producers from the China to arrive at material conclusion for determining normal value for non-sampled producers/exporters from China, the Authority notes that Normal Value for Chinese producers are determined based on Para 7 of Annexure I which pertains to Non Market Economy country. In view of the fact that the sampled responding cooperative producers from China PR failed to substantiate their MET claim. Further, the Authority is not in a position to determine Normal Value for non sampled producers from China PR on some other basis at this time in light of the settled principles governing sampling. The Authority also notes that none of such non sampled producers have made any timely requests for individual treatment so as to claim any request for individual examination at this juncture when the investigations are nearing to its final stage.
- xiii. With regard to the contention that despite the submission that average exchange rate for the period should be adopted to make an appropriate injury analysis, prevailing exchange rate has been adopted in the PF without any justification, the Authority notes that the exchange rate adopted for the POI is 1 US\$ = Rs. 50.25 which is the average rate for the POI.

- xiv. With regard to the contention that although it was substantiated with supporting evidence that petitioner could not increase its capacity due to capital constraint and it was not adequately addressed in the PF, the Authority notes that the contention is not in tandem with the facts established in the finding. The domestic industry has increased its capacity substantially. However, the capacity utilization remained far below the optimal levels.
- xv. With regard to the submission that DGAD has noted in its preliminary findings that apart from Synergies Castings, there exists 4 more producers of subject goods in India and DGAD should have examined the inter-se competition among the domestic producers themselves as each producer is eyeing the same market, the Authority notes that existence of multiple players in the market do cause some amount of competition among them which is healthy, but such competition cannot be termed as inter se competition having injurious effect on the performance of the domestic industry.
- xvi. As regards the submission that inferior quality products supplied by the petitioner have caused diversion of orders from them and resultantly caused injury to them, the Authority notes that the claim is unsubstantiated.
- xvii. As regards the submission that petitioner is exporting substantial ARW to its subsidiary in USA and incurring huge losses, the Authority notes that injury analysis in the present investigation has been conducted after segregating the domestic and export performance of the domestic industry.
- xviii. As regards the submission that where multiple product types are included in a single product basket for the purposes of investigation and it is necessary to consider the prices of each product type in the injury analysis, the Authority notes that PUC in the present finding covers "Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches" excluding ARWs for two wheelers. The Authority has conducted an objective examination of dumping and injury at same levels by converting the subject goods equivalents of KG or MT. The Authority further notes that both the dumping and injury analysis in the present investigation has been done on apple to apple basis.
- xix. With regard to the submission that injury analysis for OEM segment and aftermarket segment should be done separately, the Authority notes once again that OEM and After Market (AM) are two channels of distribution of subject goods and not goods per se. As claimed by the domestic industry, the products supplied to OEMs and After Market has the same basic product features and end use and both the wheels are like articles and perfect substitutes. The Authority notes that the subject goods sold in both the channels constitute like articles in terms of the Anti-dumping Rules.
- xx. With regard to the submission that Semi-finished ARWs are imported at a lesser price as compared to finished goods and therefore semi-finished ARWs should be excluded from the injury analysis, the Authority notes that the semi-finished ARWs are also ARWs for all practical purposes and its imports, which is reported only from China PR, constitute a mere 0.06% of the total imports of subject goods from China PR during the POI.
- xxi. With regard to the submission that OEMs are meeting 15% of their requirements from the domestic industry and their capacity is fully utilized, meaning thereby that there is no injury to the domestic industry, the Authority notes that the domestic industry has utilised only about 71% of its capacity during the POI. Thus the claim that the domestic industry has exhausted its capacity only by meeting 15% of the demand of the OEMs appears to be incorrect.
- xxii. With regard to the submission that Domestic Industry is adopting Low pressure Die casting (LPDC) or Gravity Die Casting Technology and Cast-Flow form & Forged wheels are newer technologies which lead to light weight, better mechanical properties and better styling appearance and cost and pricing analysis for the two technologies should be done separately, the Authority notes that that different technologies as such do not make end products different. It is also noted that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the PUC imported from subject countries within the scope and meaning of AD Rules.
- xxiii. With regard to the submission that the Authority has not considered the impact of long term contracts on the financial position of the Domestic Industry, the Authority notes that claim of any injury due to long term contracts neither stands substantiated nor evident in injury information submitted by the petitioner which has been verified by the Authority.
- xxiv. As regards the contention of interested parties that Anti-dumping duty is detrimental to the Indian Auto industry and Indian industries can meet only 19% of the total domestic demand and the balance has to be imported and imposition of anti-dumping duty will result in unfair cost burden on the Indian automobile manufacturers, the Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of

- anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
- xxv. With regard to the submission that Post 2010-11, there has been a massive power outage in the state of Andhra Pradesh, which has resulted in fall in capacity utilization of Synergies Castings Ltd, the Authority notes that capacity and production of the petitioner has increased in absolute terms over the base year and between 2010-11 and the POI. Thus the contention regarding impact of power outage on the capacity utilisation of the domestic industry does not appear to be correct.
- xxvi. With regard to the submission that DGAD has not disclosed how normal value and export price for noncooperating exporters has been determined, the Authority notes that the normal value and export price have been determined as per Annexure I to the Rules.
- xxvii. With regard to the submission that excessive confidentially has been allowed to the domestic industry and adopted in the preliminary findings by the Authority, the Authority notes that information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.
- are reported on weight as well as piece basis, it was considered appropriate to conduct the dumping and injury analysis and to impose the anti-dumping duty on weight basis. Moreover, similar methodology was also adopted by the Authority in respect of the AD investigation concerning imports of Flat Base Steel Wheels from China PR. The basic customs duty for the subject goods is also collected on weight basis.
- xxix. As regards the submission that the margins in respect of Thailand should be determined based on the import information provided by Maruti Suzuki India Ltd, the Authority notes that the exporters from Thailand have not cooperated in the present investigation. The Authority further notes that the margins in respect of the exporters are determined on the basis of exporter specific data and not on the basis of information provided by any importer as per the Rules.

### Post-disclosure comments made by the interested parties including the domestic industry

- 143. The following post-disclosure comments have been made by the domestic industry:
  - i. The authority should recommend imposition of fixed form of duty in terms of USD/KG considering the chances of mis-declaration of the import values with the intention to avoid ADD.
- 144. The following are the post-disclosure comments made by the opposite interested parties and considered relevant by the Authority:
  - i. Authority has failed to provide opportunity to SAIC GM Wuling Automobiles Co Ltd and its group to substantiate their claims through on the spot verification.
  - ii. Inadequate time granted by the authority for 2<sup>nd</sup> oral hearing on 30.05.2014 cannot be said to be an effective opportunity to the interested parties.
  - iii. The Authority has recorded contradictory statements regarding difference in technology and capacity utilization.
  - iv. M/s Citic Dicastal, China PR should be given separate individual dumping margin for the exports directly made by them.

#### **Examination by the Authority**

145. The Authority notes that the post-disclosure comments made by the interested parties are mere reiterations of their earlier submissions, which have already been examined adequately and addressed suitably in the respective paras of this final finding.

- 146. As regards the post-disclosure comment that authority has made contradictory statements at Para 16, 17(vi) and 128 of the disclosure statement concerning difference in technology, the Authority notes that there is no contradiction as such in the relevant paragraphs. The authority holds once again that different technologies as such do not make end products different.
- 147. As regards the post-disclosure comment that authority has made contradictory statements at Para 98 and 141of the disclosure statement concerning capacity utilisation of the applicant, the Authority notes that there is no contradiction as such in the relevant paragraphs. The authority notes that while in percentage terms, as mentioned in Para 98 of the disclosure statement, the capacity utilisation of the domestic industry has increased up to 2010-11, it shows declining trend thereafter. The Authority has noted at para 141(xxv) of the disclosure statement that the capacity and production of the petitioner has increased in absolute terms over the base year and between 2010-11 and the POI.

### R. CONCLUSIONS:

- 148. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:
  - a. The product under consideration has been exported to India from subject countries below its normal value, thus, resulting in dumping of the product.
  - b. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.
  - c. The material injury has been caused by the dumped imports, originating in or exported from the subject countries.

### S. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

- 149. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
- 150. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties on the imports of the subject goods might affect the price levels of the motor vehicles in the country to some extent. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. Imposition of anti-dumping duties may also remove the unfair advantages gained by the exporters/importers due to dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

### T. RECOMMENDATIONS

The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a final investigation into dumping, injury and causal links in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder from the date of issue of the notification of provisional duty by the Central Government vide Notification No. 15/2014-Customs (ADD) dated 11.04.2014.

152. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

# **DUTY TABLE**

Sl.No	Heading/ / Subheading*	Description of goods **	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8708 70	"Cast Aluminium Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches"	China PR	China PR	Co. Ltd, China PR		1.37	KG	US\$
2	Do	do	China PR	China PR	,	Hyundai Mobis, Hong Kong and Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP	1.37	KG	US\$
3	Do	do	China PR	China PR	Non-Sampled Producers/	Non-Sampled Producer/	1.37	KG	US\$
					exporters as per list ***	exporters as per list ***			
4	Do	do	China PR	China PR		tion other than No. 1 to 3 above	2.15	KG	US\$
5	Do	do	China PR	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Any	Any	2.15	KG	US\$
6	Do	do	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	China PR	Any	Any	2.15	KG	US\$
7	Do	do	Korea RP	Korea RP	Any	Any	1.18	KG	US\$
8	Do	do	Korea RP	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Any	Any	1.18	KG	US\$
9	Do	do	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Korea RP	Any	Any	1.18	KG	US\$

10	Do	do	Thailand	Thailand	Any	Any	1.06	KG	US\$
11	Do	do	Thailand	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Any	Any	1.06	KG	US\$
12	Do	do	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Thailand	Any	Any	1.06	KG	US\$

<sup>\*</sup> The subject goods are also being imported under other tariff headings such as 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400, etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

### \*\*\* List of Non-sampled exporters from China PR

- i. Seyen Heavy Industries (Shanghai) Co., Ltd, Shanghai, China PR (Producer) and Shanghai General Motors Corporation Ltd, Pudong, Shanghai, China PR (Exporter).
- ii. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd, Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).
- iii. Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).
- iv. Zhejiang JinfeiKaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).
- v. Wuxi City Wanxuan Metal Production Co., Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR (Producer & Exporter).
- vi. Zhejiang Shuguang Industrial Co., Ltd., Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).
- vii. XiangyangHengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR (Producer & Exporter).
- viii. KunshanLiufeng Machinery Industry Co. Ltd, Suzhou City, Jiangsu Province, China PR (Producer) and Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR (Exporter).
- 153. Subject to the above, the Authority confirms the Preliminary Finding No. 14/7/2012-DGAD dated 13. 01.2014.
- 154. An appeal against the order of the Central Government arising out of this Final Finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J.K. DADOO, Designated Authority

<sup>\*\*</sup> Aluminium Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) meant for Two Wheelers are excluded from the purview of the Product Under Consideration.